शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 352 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 21 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

मणिपुर की घटना मानवीय मूल्यों का अपमान : असम महिला कांग्रेस पेज 3
दिल्ली में ट्रांसफर पोस्टिंग का मामला पांच जजों की संविधान बेंच को रेफर पेज 4
विदुर कुटी से पैधरोपण अभियान का शुभारंभ करेंगे मुख्यमंत्री पेज 5
पीएसपीसीएल व पीएसटीसीएल ने अब तक 3972 लोगों को दी नौकरियां : बिजली मंत्री पेज 8

मणिपुर : 48 दिन बाद एफआईआर, 77 दिन बाद गिरफ्तारी

इंफाल /नई दिल्ली। मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाने की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। बुधवार को जब इस हैवानियत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो सरकार लेकर आम लोगों तक सभी के होश उड़ गए। किसी को अपने आंखों पर भरोसा नहीं हो रहा था। मानवता शर्मसार हो रही थी। हालांकि, ये घटना चार मई को हुई, जबकि इसकी एफआईआर करीब डेढ़ महीने बाद 21 जून को दर्ज हुई। वहीं गुरुवार सुबह मामले में पहला आरोपी गिरफ्तार हुआ है। पहाड़ी राज्य मणिपुर पिछले कुछ समय से जातीय हिंसा की चपेट में है, लेकिन अब एक वीडियो सामने आया है जिसमें महिलाओं को नग्न करके घुमाया जा रहा है। यह घटना राज्य की राजधानी इंफाल से लगभग 35 किलोमीटर दूर कांगपोकपी जिले के गांव बी. फीनोम में हुई। ग्राम प्रधान द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, चार मई को शाम लगभग तीन बजे 900-1000 की संख्या में कई संगठनों से जुड़े लोग बी. फीनोम गांव में जबरदस्ती घुस आए। इनके पास एके राइफल्स, एसएल.आर इंसास और 303 राइफल्स जैसे अत्याधुनिक हथियार थे। हिंसक भीड़ ने सभी घरों में तोड़फोड़ की और फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान, बर्तन, कपड़े, अनाज सहित नकदी को लूटने के बाद सभी चल संपत्तियों को आग के हवाले कर दिया। इसके अलावा पांच ग्रामीण अपनी जान बचाने के लिए जंगल की ओर भाग गए। बाद में उन्हें नॉनपाक सेकमाई पुलिस टीम द्वारा बचाया गया और वे नोंगनोक सेकमाई थाने के रास्ते में थे। इस बीच उन्हें रास्ते में एक भीड़ ने रोक दिया और नोंगपोक सेकमाई थाने से लगभग दो किलोमीटर दूर और 33 एआर सोमरेई चौकी से लगभग तीन किलोमीटर दूर भीड़ ने उन्हें पुलिस टीम की सुरक्षा से छीन लिया। इसके अलावा एक 56 साल के व्यक्ति की घटनास्थल पर ही हत्या कर दी गई। प्रधान ने बताया कि इसी दौरान भीड़ द्वारा तीन महिलाओं को उनके कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया गया और भीड़ के सामने निर्वस्त्र कर दिया गया। घटना से जुड़े वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि पुरुष असहाय महिलाओं के साथ लगातार छेड़छाड़ कर रहे हैं, जो रो रही हैं और उनसे छोड़ने की गुहार लगा रही हैं। हैवानियत यहीं सीमित नहीं रही, एक 21 साल की लड़की का दिन दहाड़े बेरहमी से सामूहिक दुष्कर्म किया गया। जब 19 वर्षीय छोटे भाई ने अपनी बहन की अस्मिता और जान बचाने की कोशिश की, तो भीड़ में शामिल लोगों ने उसकी मौके पर ही हत्या कर दी। हालांकि, पीड़िता कुछ लोगों की मदद से मौके से भागने में सफल रहीं। घटना के एक महीने से अधिक समय बाद 21 जून को एफआईआर दर्ज की गई थी। मामला आईपीसी की धारा 153ए, 398, 427, 436, 448, 302, 354, 364, 326, 376 और 34 और शस्त्र अधिनियम की धारा 25(1सी) के तहत दर्ज किया गया। पुलिस द्वारा दर्ज इस एफआईआर में भीड़ में शामिल करीब 1,000 लोगों पर कई आरोप लगाए गए हैं। इसमें विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना, घातक हथियार के साथ डकैती करना, आग लगाना, घर में जबरन घुसना, हत्या के लिए अपहरण करना, क्षति पहुंचाना, दुष्कर्म, हमला, गंभीर चोट पहुंचाना और आग्नेयास्त्र का -शेष पृष्ठ दो पर

मौके पर मौजूद थी पुलिस, लेकिन नहीं किया हस्तक्षेप : पीड़िता

इंफाल। मणिपुर में शर्मनाक घटना के बीच मणिपुर पुलिस पर गंभीर आरोप लगे हैं। हिंसा की शिकार हुईं कुकी महिलाओं ने एक वीडियो में दावा किया है कि जब उनके साथ यह बर्बरता हो रही थी तो वहां पर पुलिस मौजूद थी। लेकिन पुलिस ने उनकी किसी तरह की कोई मदद नहीं की, बल्कि वे मूक दर्शक बने रहे। महिलाओं का दावा है कि भीड़ ने उन्हें घेरकर सुनसान जगह ले जाकर यातनाएं दीं। हमलावरों में से एक ने और लोगों को यातना में शामिल होने के लिए बुलाया था। इसके साथ ही पीड़ितों ने दावा किया कि कुछ मैतेई लोगों ने उनको बचाने की कोशिश की थी, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। सूत्रों के मुताबिक शिकार हुईं दोनों कुकी महिलाओं ने दावा किया कि पुलिस घटनास्थल पर मौजूद थी, लेकिन पुलिस ने न तो हस्तक्षेप किया और न ही उनकी मदद की। हिंसा की शिकार एक महिला ने कहा कि मणिपुर पुलिस ने घटना के दौरान उनकी कोई सहायता नहीं की। दूसरी महिला ने दावे की पुष्टि करते हुए कहा कि उसने एक कार में चार पुलिसकर्मियों को देखा था, जिन्होंने उनकी -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार तुरंत कार्रवाई करे वर्ना हम करेंगे : सीजेआई

नई दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न कर घुमाने के मामले का सुप्रीम कोर्ट ने भी संज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि मणिपुर में महिलाओं के साथ जो हुआ वह पूरा तरह अस्वीकार्य है। सरकार इस पर तुरंत कार्रवाई करे। कोर्ट ने कहा कि अगर सरकार इस पर कार्रवाई नहीं करती है तो हम करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सांप्रदायिक टकराव के क्षेत्र में महिलाओं को किसी चीज की तरह इस्तेमाल करना संविधान का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि घटना -शेष पृष्ठ दो पर

वीडियो न हो शेयर, सरकार का ट्विटर को सख्त निर्देश

नई दिल्ली। सरकार ने ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया मंचों से मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनकी परेड कराए जाने का वीडियो हटाने के लिए कहा है। सूत्रों ने बताया कि वीडियो आपत्तिजनक है और चूंकि मामले की जांच की जा रही है तो ट्विटर तथा अन्य सोशल मीडिया कंपनियों से वीडियो को हटाने के लिए कहा गया है। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित वीडियो में पुरुषों का एक -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

25 लाख रुपए की लागत से बनेंगे पशुपालन और पशु चिकित्सा केंद्र : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के आर्थिक परिप्रेक्ष्य में पशुपालन और पशु चिकित्सा विभाग के उपयोग की समीक्षा के लिए आज जनता भवन स्थित मुख्यमंत्री सभाकक्ष में एक बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में पशुपालन और पशु चिकित्सा विभाग की विभिन्न गतिविधियों के साथ-साथ विभाग के तहत चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि राज्य के 421 पशु अस्पतालों और 767 उप-केंद्रों में पशु चिकित्सक और फील्ड सहायक व अन्य कर्मचारी नियमित रूप से कार्यस्थल पर मौजूद रहें। ताकि, गोपालकों को -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने बढ़ाया वाहनों पर पंजीयन शुल्क

गुवाहाटी (हि.स.)। असम की डॉ हिमंत विश्व शर्मा नेतृत्व वाली सरकार ने एक अध्यादेश जारी कर विभिन्न वाहनों के पंजीयन शुल्क में बढ़ोत्तरी कर दी है। असम मोटर वाहन कर (संशोधन) अध्यादेश, 2023 के जरिये सरकार ने कर में वृद्धि की है। इसके अनुसार अब से ग्राहकों को नई कार की खरीद के समय पहले की तुलना में अधिक पंजीकरण शुल्क देना होगा। इससे पहले ग्राहकों को कार की कीमत के आधार पर सात चरणों में टैक्स देना होता था। लेकिन, अध्यादेश के जरिए संशोधित नियम के अनुसार अब ग्राहकों को कार की कीमत के आधार पर चार चरणों में कर का भुगतान करना होगा। अध्यादेश द्वारा निर्धारित नई दरों के अनुसार 3 लाख रुपए तक के नए चार पहिया वाहनों के पंजीकरण पर 4.5 प्रतिशत, 3 लाख रुपए से 10 लाख रुपए तक के वाहनों के लिए 7 प्रतिशत, 10 लाख रुपए से 20 लाख रुपए के बीच के वाहनों के लिए 10 प्रतिशत और 20 लाख रुपए से अधिक के वाहनों के लिए 14 प्रतिशत का कर देना होगा। यानी 3 लाख रुपए की कीमत वाली गाड़ी के मामले में ग्राहक को टैक्स के तौर पर 13,500 रुपए, 6 लाख रुपए की कार में 42,000 रुपए, 8 लाख रुपए की कार में 56,000 रुपए देने होंगे। इसी तरह बाइक की खरीद के लिए भी पंजीकरण शुल्क में वृद्धि की गई है। तय दरों के अनुसार, बाइख पर एक लाख रुपए तक का पंजीकरण शुल्क छह प्रतिशत, एक लाख रुपए से तीन लाख रुपए तक की बाइक पर आठ प्रतिशत और तीन लाख रुपए से अधिक मूल्य की बाइक पर नौ प्रतिशत तक का पंजीकरण शुल्क -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

पाकिस्तानी पासपोर्ट दुनिया का चौथा सबसे कमजोर पासपोर्ट : रिपोर्ट

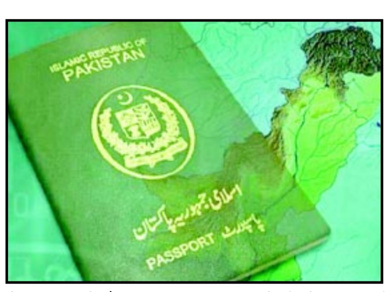

नई दिल्ली। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स साल 2023 में जहां पाकिस्तान को दुनिया के चौथे सबसे कमजोर पासपोर्ट के रूप में स्थान दिया गया है वहीं भारतीय पासपोर्ट का रुतबा बढ़ गया है। अब भारतीय लोग बिना वीजा के दुनिया के 57 देशों में जा सकते हैं यानि इन सभी 57 देशों में भारतीयों को वीजा फ्री एंट्री मिलेगी। हेनले एंड पार्टनर्स इंडेक्स के अनुसार 227 देशों में से पाकिस्तान 100वें स्थान पर है जो कि उन गंतव्यों की संख्या के आधार पर निर्धारित किया गया है जहां पाकिस्तानी निवासी बिना वीजा के यात्रा कर सकेंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव आयोग को भाजपा ने सौंपा संशोधन प्रस्ताव

गुवाहाटी (हि.स.)। आज भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता, कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका, अशोक सिंघल, प्रदेश उपाध्यक्ष रेखारानी दास बोड़ो, अजय कोंवर, महासचिव दीप्लू रंजन शर्मा, प्रदेश निर्वाचन विभाग के संयोजक ध्रुबज्योति दाउका, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी रॉय सरकार आदि नेताओं ने चुनाव आयोग की टीम से मुलाकात की। भाजपा की ओर से कहा गया कि मूल रूप से असम के लोगों के लिए तैयार किया गया निर्वाचन क्षेत्र का मसौदा असम के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। असम के लोगों ने इस मसौदे का स्वागत किया है। पार्टी ने कहा कि यह मसौदा आने वाले दिनों में असम के लोगों को संवैधानिक और राजनीतिक अधिकार देगा। पार्टी ने इस दौरान कुछ संशोधनों का प्रस्ताव भी रखा। प्रस्ताव के अनुसार नगांव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का नाम बदलकर नगांव-बटद्रवा निर्वाचन क्षेत्र करने, बोको विधानसभा क्षेत्र का नाम बदलकर बोको-छयगांव करने का प्रस्ताव दिया। दूसरी ओर, उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि आमगुरी और लाहोवाल विधानसभा क्षेत्रों को मसौदे से बाहर नहीं किया जाना चाहिए। पार्टी ने अनुरोध किया कि मोरीगांव निर्वाचन क्षेत्र को अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित किया जाए। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता के हस्ताक्षर वाला सुझाव पत्र चुनाव आयोग को भेजा गया। उधर चुनाव आयोग निर्वाचन क्षेत्र के परिसीमन (डिलिमिटेशन) पर जन सुनवाई के दूसरे दिन आज सुबह 9.30 बजे से श्रीमंत शंकरदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार के हॉल नंबर 3 में दरंग, हैलाकांदी, कछार और दक्षिण सालमारा के प्रतिनिधियों के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

चंद्रमा के एक कदम और नजदीक पहुंचा चंद्रयान-3

नई दिल्ली (हि.स.)। चंद्रयान-3 गुरुवार को चंद्रमा के एक कदम और आगे बढ़ गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को एक बार फिर कक्षा बदलने की प्रक्रिया (अर्थबाउंड-फायरिंग-2) सफलतापूर्वक पूरा कर चंद्रयान-3 को पृथ्वी की चौथी कक्षा में भेज दिया है। इसरो अब 25 जुलाई को 2-3 बजे के बीच चंद्रयान-3 को पृथ्वी के पांचवी और आखिरी कक्षा में भेजेगा। गुरुवार को इसरो ने ट्वीट करके कहा -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
दुष्ट की मित्रता से शत्रु की मित्रता अच्छी होती है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

वित्त मंत्री दो दिवसीय दौरे पर आज आएंगे असम और त्रिपुरा

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शुक्रवार से असम और त्रिपुरा के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक, वित्त मंत्री गुवाहाटी में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अधिकारियों और कर्मचारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार प्रदान करने को लेकर एक अलंकरण समारोह में भाग लेंगी। समारोह में सीबीआईसी के 29 अधिकारियों और कर्मचारियों को *द प्रेसिडेंसियल अवार्ड ऑफ एप्रिसिएशन* -शेष पृष्ठ दो पर

पेशाब लगी तो वंदे भारत ट्रेन में चढ़ गया शख्स, 6000 का लगा चूना

नई दिल्ली। आपने अक्सर देखा होगा कि जब लोग प्लेटफॉर्म पर खड़े होकर अपनी ट्रेन का इंतजार करते हैं और जब कभी उन्हें टॉयलेट लगती है तो वह दूसरे प्लेटफॉर्म पर खड़ी ट्रेन में जाकर टॉयलेट कर लेते हैं। ऐसा करना एक शख्स को बहुत ही महंगा पड़ गया। शख्स को हैदराबाद से सिंगरौली अपने परिवार के साथ जाना था। वह भोपाल स्टेशन पर पहुंचकर ट्रेन बदलने वाला था लेकिन ट्रेन लेट थी इसलिए वह प्लेटफॉर्म पर खड़े होकर अपनी ट्रेन का इंतजार कर रहा था। अचानक से उसे जोर की टॉयलेट लगी। वह टॉयलेट करने के लिए पास में प्लेटफॉर्म पर लगी वंदे भारत ट्रेन में चढ़ गया। जब शख्स टॉयलेट से बाहर आया तब उसके होश ही उड़ गए। वंदे भारत ट्रेन का गेट बंद हो चुका था और ट्रेन भेपाल से खुल भी चुकी थी। शख्स का नाम अब्दुल कादिर है। वह मध्य प्रदेश स्थित अपने गृहनगर सिंगरौली जा रहा था। अब्दुल अपनी पत्नी और 8 साल के बेटे के साथ हैदराबाद में रहता था। वहां पर उसकी फ्रूट शॉप है। अब्दुल परिवार के साथ अपने गांव जाने के लिए निकला था। भोपाल से उसे ट्रेन चेंज करनी थी। लेकिन भोपाल में वह टॉयलेट करने के लिए वंदे भारत ट्रेन में -शेष पृष्ठ दो पर

रायगढ़ में भूस्खलन से 13 की मौत, 100 के करीब लोग दबे

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ में एक बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल रायगढ़ में हुए भूस्खलन में 30 से ज्यादा परिवारों के फंसे होने की आशंका है। बता दें कि रायगढ़ की खालापुर तहसील के इरशालवाड़ी गांव में यह हादसा हुआ, जिसमें करीब 100 लोग फंसे हुए हैं। जिस जगह हादसा हुआ, वह मोरबी बांध से छह किलोमीटर दूर है। हादसे में कई लोगों को मारे जाने की आशंका है। अभी तक 13 लोगों की मौत की खबर है। इनके शव बरामद कर लिए गए हैं। वहीं, तीन लोग घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी घटनास्थल पहुंचे हैं। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने घटना पर सीएम से बात की और इस घटना पर निगरानी रख रहे हैं। रायगढ़ के जिलाधिकारी योगेश महासे ने बताया कि घटना -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

वैश्विक नेताओं की मौजूदगी में आयोजित होगी जी-20 वार्ता : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा है कि सितंबर में आयोजित होने वाला जी-20 शिखर सम्मेलन सभी विश्व नेताओं की मौजूदगी में संपन्न होगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को एक पत्रकार वार्ता में कहा कि जी-20 शिखर वार्ता के लिए सभी सदस्य देशों और आमंत्रित देशों के नेताओं को निमंत्रण भेजा गया है। भारत को अपेक्षा है कि सभी नेता सम्मेलन में भाग लेंगे। प्रवक्ता से दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल होने के संबंध में सवाल पूछा गया था। उल्लेखनीय है कि इस अगस्त में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पुतिन स्वयं जोहानसेबर्ग नहीं जाएंगे। उनकी ओर से विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव रूस का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्रपति पुतिन स्वयं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सम्मेलन में शिरकत करेंगे। रूस के राष्ट्रपति के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। दक्षिण अफ्रीका इस जुड़ी संधि में हस्ताक्षरकर्ता है। वहां की सरकार के लिए यह असमंजस की स्थिति है कि पुतिन के दक्षिण अफ्रीका आने पर गिरफ्तारी वारंट पर अमल किया जाए या नहीं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक अन्य प्रश्न में काला सागर के जरिए अनाज की आवाजाही के संबंध में पूछे गए सवाल के उत्तर में कहा कि हमें आशा है कि इस विवाद का शीघ्र समाधान होगा। उन्होंने कहा कि काला सागर के जरिए रूस और यूक्रेन से खाद्यान्न के संबंध में भारत संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रयासों का समर्थन करता है। उल्लेखनीय है कि रूस ने खाद्यान्न निर्यात को लेकर यूक्रेन के साथ हुए पुराने समझौते से अलग होने की घोषणा की है। उसके रक्षा मंत्रालय ने चेतावनी जारी की है कि काला सागर से होकर जाने वाले खाद्यान्न से जुड़े जहाज को शत्रु का माना जाएगा। रूस के इस फैसले से यूक्रेन से खाद्यान्न निर्यात रुक जाएगा। इससे विभिन्न देशों में खाद्यान्न की उपलब्धता प्रभावित होगी। इसी बीच यूक्रेन और अमेरिका के अधिकारियों ने कहा है कि वह सड़क मार्ग के जरिए यूक्रेन के खाद्यान्न का निर्यात करने का प्रयास करेंगे।

अग्निपथ योजना स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर जिला प्रशासन ने आज इटानगर के विभिन्न स्कूलों में योग्य पुरुषों और महिलाओं को भारतीय वायु सेना में शामिल होने के लिए भारत सरकार की अग्निपथ योजना अग्निवीर वायु के संबंध में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। वायु सेना के ऑफिसर दीपनारायण साहू और जूनियर वारंट ऑफिसर विजय कुमार के नेतृत्व में 11 एयरमैन चयन केंद्र गुवाहाटी से भारतीय वायु सेना की एक टीम ने सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गंगा, सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अरुणोदय, इटानगर और केंद्रीय विद्यालय-द्वितीय चिम्पू के छात्रों को भारतीय वायु सेना में शामिल होने की विभिन्न संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर वायु के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी और पात्र मानदंडों की भी जानकारी दी। साथ ही बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण 27 जुलाई, 2023 से 17 अगस्त, 2023 तक चलेगा।

होजाई में मुख्यमंत्री चाय जनजाति फुटबॉल टूर्नामेंट प्रतियोगिता आयोजित

होजाई (निसं)। मुख्यमंत्री चाय जनजातीय फुटबॉल टूर्नामेंट (अंडर-19) मंगलवार को होजाई जिला खेल विभाग, असम सरकार के खेल और युवा कल्याण विभाग और असम चाय श्रमिक जनजातीय कल्याण समिति की संयुक्त तत्वाधान में होजाई के बरहोला जयहिंद खेल मैदान में आयोजित हुआ। टूर्नामेंट में होजाई संसदीय क्षेत्र की चार टीमों ने भाग लिया। बिडिंग बस्ती सूर्यज्योति क्लब और बरहोला जयहिंद क्लब फाइनल राउंड में पहुंचे और निर्धारित समय के भीतर 2-2 से अजेय रहे। इसके बाद टाई ब्रेकर की पद्धति से खेल आयोजित किया गया जिसमें बिडिंग बस्ती सूर्यज्योति क्लब ने बरहोला जयहिंद क्लब को 5-4 गोल से परास्त कर। होजाई समष्ठी से निर्वाचित दल का किताब अर्जित किया है। वही 21 जुलाई को बरौला जय हिंद खेल मैदान में फाइनल खेल प्रतियोगिता का आयोजन होगा जिसमें उक्त दल का सामना लामडिंग समष्ठी से निर्वाचित दल आदिवासी यंग स्टार क्लब ख्रिगं-ख्रिगं से होगा। चयन शिविर के उद्घाटन समारोह में होजाई के विधायक रामकृष्ण घोष, टी ट्राइब्स एंड ट्राइबल वेलफेयर कमेटी के अध्यक्ष देबेन ताती, पूर्व फुटबॉलर गौतम मुंडा और जिला खेल अधिकारी देवपराज सोनवाल के अलावा स्थानीय लोग उपस्थित थे। उक्त जानकारी जनसंपर्क विभाग द्वारा आज एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।।

अंतर्राष्ट्रीय मिलिंग और बेकिंग तकनीकी सम्मेलन का पहला दिन उत्साह और सफलता के साथ हुआ समाप्त

नई दिल्ली। व्हीट प्रोडक्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (डब्ल्यूपीपीएस), 33 वर्षीय गैर सरकारी संगठन ने गुवाहाटी, असम में अपने अभूतपूर्व अंतर्राष्ट्रीय मिलिंग और बेकिंग तकनीकी सम्मेलन के पहले दिन को सफलतापूर्वक संपन्न किया। 20 जुलाई, 2023 को आयोजित इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने और गेहूं आधारित उद्योगों के भविष्य का पता लगाने के लिए भारत, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के उद्योग विशेषज्ञों, विशेषज्ञों और प्रमुख व्यक्तियों को एक साथ लाया गया। उद्घाटन सत्र में बड़े उत्साह और उत्साह के साथ सम्मेलन की शुरुआत हुई। सत्र में सम्मानित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे जिन्होंने अपने संबोधन दिए और दो दिनों की सार्थक चर्चा और सहयोग के लिए मंच तैयार किया। श्री दीपक मोरे का स्वागत भाषण: असम रोलर फ्लोर मिल्स एसोसिएशन के मानद महासचिव श्री मोरे ने सभी उपस्थित लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया, और क्षेत्र में गेहूं आधारित उद्योगों को आगे बढ़ाने में सम्मेलन के महत्व पर जोर दिया। श्री अजय गोयल का थीम संबोधन: व्हीट प्रोडक्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (डब्ल्यूपीपीएस) के अध्यक्ष श्री गोयल ने उद्योग के भीतर नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सम्मेलन के दृष्टिकोण और उद्देश्यों को साझा किया। श्री मनोज लुंडिया का विशेष संबोधन: लघु उद्योग भारती पूर्वोत्तर प्रांत के अध्यक्ष श्री लुंडिया ने आयोजन के महत्व को बढ़ाते हुए गेहूं आधारित क्षेत्र में लघु उद्योगों की भूमिका पर जोर दिया। सम्मानित अतिथि, श्री मानवेंद्र प्रताप सिंह, आईएएस की टिप्पणियाँ: असम सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए, असम औद्योगिक विकास निगम के प्रबंध निदेशक, श्री सिंह ने क्षेत्र में गेहूं आधारित उद्योगों की वृद्धि और विकास के लिए सरकार का समर्थन व्यक्त किया। सत्र में लाइफ-टाइम अचीवमेंट, विशिष्ट सेवा, उत्कृष्ट युवा उद्यमी और विशेष मान्यता सहित विभिन्न श्रेणियों में प्रतिष्ठित डब्ल्यूपीपीएस पुरस्कार प्रस्तुतियां भी शामिल थीं। प्राप्तकर्ताओं को गेहूं आधारित उद्योगों की प्रगति में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए स्वीकार किया गया और सराहना की गई। उद्घाटन सत्र का मुख्य आकर्षण सीएसआईआर-केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर की निदेशक डॉ. श्रीदेवी अन्नपूर्णा सिंह का उद्घाटन भाषण था। डॉ. सिंह ने खाद्य प्रौद्योगिकी में प्रगति और भविष्य की खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने में गेहूं आधारित उत्पादों की भूमिका पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। इन चर्चाओं और विश्लेषणों के आधार पर, सम्मेलन के प्रतिभागियों ने भारत में गेहूं आधारित उद्योगों की सतत वृद्धि और विकास सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण सिफारिशों की एक श्रृंखला प्रस्तावित की। **एकीकृत बहु-क्षेत्रीय फोकस :** गेहूं की आवश्यकताओं में भारी वृद्धि को देखते हुए, केंद्र और राज्य सरकार दोनों स्तरों पर शुरू से अंत तक अनुपालन को संबोधित करने के लिए एक एकीकृत बहु-विषयक संगठन बनाया जाना चाहिए। यह संगठन बढ़ती आबादी के लिए गेहूं के माध्यम से पर्याप्त भोजन और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

भारतीय गेहूं बोर्ड की स्थापना : आपूर्ति श्रृंखला के सभी स्तरों के प्रतिनिधियों के साथ एक समर्पित कमोडिटी निकाय, भारतीय गेहूं बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए। यह निकाय एक थिंक टैंक और नीति सलाहकार इकाई के रूप में काम करेगा, जो भारत में गेहूं के उत्पादन, भंडारण, प्रसंस्करण और उपयोग में स्वस्थ वृद्धि सुनिश्चित करेगा। जलवायु-लचीली किस्में और मिलिंग तकनीक: कृषि और खाद्य अनुसंधान संगठनों को उच्च उत्पादकता गुणों वाली जलवायु-लचीला गेहूं किस्मों के विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके साथ ही, खाद्य अनुसंधान संस्थानों को मानव उपयोग के लिए विभिन्न मिलिंग धाराओं की उच्च पुनर्प्राप्ति प्राप्त करने के लिए मिलिंग प्रौद्योगिकियों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

No. FG.13/Kacharighat/GMDA/2022

Short Notice Inviting Bids

The Principal Chief Conservator of Forests & Head of Forest Force, Assam, Aranya Bhawan, Panjabari, Guwahati-37 invites sealed bids from eligible Bidders for Termite Treatment and allied activities at Aranya Bhawan as per following details:

Sl. No.	Work Description	Estimated Cost	Bid Security (Rs.)	Completion Period
1	Termite Treatment and allied activities at Aranya Bhawan	5,95,500.00	12,000.00	1 (one) month

Terms and conditions and other details may be obtained from the office of the Principal Chief Conservator of Forests and Head of Forest Force, Assam, Aranya Bhawan, Panjabari, Guwahati-781037 from 21st July, 2023 to 31st July, 2023 during office hours. The same can also be downloaded from website https://forest.assam.gov.in from 21st July, 2023 05.00 PM (IST).

The Bid documents will be received upto 02:00 PM (IST) on 16th August, 2023 at O/o the PCCF & HoFF, Assam, Aranya Bhawan, Panjabari, Guwahati-781037.

-- Janasanyog /C/ 7463/23

Deputy Conservator of Forests (IT)
O/o the Principal Chief Conservator of Forests &
Head of Forest Force, Assam

पृष्ठ एक का शेष

मणिपुर : 48 दिन ...

उपयोग करके एक इरादे से हत्या करना। इस घटना को लेकर जीरो एफआईआर कांगपोकपी जिले की सैकुल पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। बाद में इसे थौबल जिले के नोंगपोक सेकमाई पुलिस स्टेशन को रेफर कर दिया गया। मामला दर्ज होने के करीब एक महीने बाद मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने आज गुरुवार को कहा कि वीडियो सामने आने के तुरंत बाद राज्य सरकार ने वीडियो का स्वत: संज्ञान लिया और जांच के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि मणिपुर पुलिस ने कार्रवाई कर आज पहली गिरफ्तारी की है। मुख्य अपराधी को आज सुबह एक पुलिस ऑपरेशन में गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान 32 वर्षीय हुइरेम हेरोदास मैतेई के रूप हुई है जो पेची अवांग लीकाई का रहने वाला है। मुख्यमंत्री की मानें तो फिलहाल मामले में गहन जांच चल रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, जिसमें मृत्युदंड की संभावना पर भी विचार किया जाए। इस बीच मणिपुर पुलिस ने भी बयान जारी कर कहा कि महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने के वायरल वीडियो के संबंध में पुलिस दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

मौके पर मौजूद थी ...

कोई सहायता नहीं की। पुलिस मूक दर्शक बनी रही। उल्लेखनीय है कि यह सिर्फ महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और हमला नहीं था, भीड़ के हमले में एक पीड़िता के पिता और भाई की जान चली गई है। सूत्रों के मुताबिक यह घटना 4 मई की बताई जा रही है। कांगपोकपी जिले के बी फीनोम गांव के निवासियों को उनके मैतेई पड़ोसियों ने पहले चेतावनी दी थी। कुकी ग्रामीणों ने गांव से भागने का प्रयास किया, लेकिन वीडियो में कैद दो महिलाओं के परिवार भागने में असमर्थ रहे और भीड़ की क्रूरता का शिकार हो गए। पुलिस में दर्ज आधिकारिक शिकायत से पता चला कि हमले के दौरान मैतेई भीड़ अत्याधुनिक हथियारों से लैस थी। दहशत के बीच, पीड़ित महिलाओं ने स्वीकार किया है कि मैतेई समुदाय के कुछ सदस्यों ने उनकी मदद करने की कोशिश की थी। लेकिन वे उसमें सफल नहीं हो सके। वहीं कुछ ऐसे लोग भी थे, जो वास्तव में उनकी रक्षा करना चाहते थे और उन्हें आगे होने वाले नुकसान से बचाना चाहते थे। जबकि कुछ ने उनसे जोर-जबरदस्ती कर कपड़े उतारने को कहा। वे गिड़गिड़ाती रहीं, लेकिन क्रूर और निर्दयी लोगों ने उनकी एक नहीं सुनी।

सरकार तुरंत कार्रवाई ...

का जो वीडियो वायरल हो रहा है, वह काफी परेशान करने वाला है। सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने कहा कि हम सरकार को थोड़ा समय दे रहे हैं। अगर आगे जमीन पर कुछ नहीं होता है तो हम खुद कार्रवाई करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और मणिपुर सरकार को निर्देश दिया कि इस घटना के जिम्मेदारों के खिलाफ जो भी कार्रवाई हो, उसके बारे में कोर्ट को पूरी जानकारी दी जाए। मीडिया में जो भी इस घटना के बारे में दिखाया गया और इस हिंसा के बीच महिलाओं का इस्तेमाल संवैधानिक लोकतंत्र की भावनाओं के खिलाफ है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार इस बारे में सभी कदमों की जानकारी दे। सीजेआई ने इस मामले की सुनवाई अगले शुक्रवार तक टाल दी। दरअसल, मणिपुर इन दिनों जातीय हिंसा की चपेट में है, लेकिन अब एक वीडियो को लेकर मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में तनाव फैल गया है, जिसमें दो महिलाओं को नग्न करके घुमाया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह वीडियो चार मई का है और दोनों महिलाएं कुकी समुदाय से हैं, वहीं जो लोग महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमा रहे हैं वो सभी मैतई समुदाय से हैं। आदिवासी संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने बताया कि अज्ञात हथियारबंद बदमाशों के खिलाफ थौबल जिले के नोंगपोक सेकमाई पुलिस स्टेशन में अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म और हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

वीडियो न हो ...

समूह दो महिलाओं से छेड़छाड़ करते दिख रहा है जिसे लेकर लोगों में आक्रोश है। बता दें कि सोशल मीडिया पर मणिपुर की दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराने का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो को चार मई का बताया जा रहा है जिसमें दिख रहा है कि अन्य पक्ष के कुछ व्यक्ति एक समुदाय की दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड करा रहे हैं। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी। इंडिजीनियस ट्राइबल लीडर्स फॉरम (आईटीएलएफ) के गुरुवार को प्रस्तावित मार्च से एक दिन पहले यह वीडियो सामने आया है। आईटीएलएफ के एक प्रवक्ता के मुताबिक, *घृणित* घटना 4 मई को कांगपोकपी जिले में हुई है और वीडियो में दिख रहा है कि पुरुष असहाय महिलाओं के साथ लगातार छेड़छाड़ कर रहे हैं और वे (महिलाएं) रो रही हैं और उनसे मन्नतें कर रही हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रवक्ता ने *घृणित कृत्य* की निंदा करते हुए एक बयान में मांग की कि केंद्र और राज्य सरकारें, राष्ट्रीय महिला आयोग और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग अपराध का संज्ञान लें और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करें। कुकी-जो आदिवासी गुरुवार को चुरचांदपुर में प्रस्तावित विरोध मार्च के दौरान इस मुद्दे को भी उठाने की योजना बना रहे हैं। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। तब से अब तक 160 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है।

25 लाख रुपए की...

आवश्यक दवाएं और चिकित्सा देखभाल आसानी से प्राप्त हो सके। विभाग के शीर्ष अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को राज्य में 19 रोग पहचान प्रयोगशालाओं, 61 प्रदर्शनात्मक फार्मों, 17 जमे हुए शुक्र भंडार और एसओ प्रशिक्षण केंद्रों के क्रियाकलापों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने विभाग को इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए ताकि इन सुविधाओं के माध्यम से पशुपालकों को लाभान्वित कराया जा सके। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जैसे चरण में पशुपालन क्षेत्र को विकसित करने के लिए उचित उपाय करने की आवश्यकता पर बल दिया। ताकि, जनता को पशु चिकित्सालयों के माध्यम से पशु चिकित्सा सुविधाएं आसानी से मिल सके। उन्होंने निर्देश दिए कि जो चिकित्सक अन्य क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं, उन्हें जल्द से जल्द उनके कार्यस्थलों पर वापस लाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आदर्श आंगनवाड़ी केंद्रों की तरह विभाग के उप-केंद्रों की स्थापना के लिए जिला आयुक्त के माध्यम से 25-25 लाख रुपए खर्च करेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पशु अस्पताल को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दो डॉक्टर वहां मौजूद हों। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर विभाग में नए डॉक्टरों की नियुक्ति की जाएगी। विभाग की दवा प्रणाली प्रक्रिया को और सरल बनाने पर जोर देते हुए विभाग को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की तर्ज पर इस संबंध में तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए। बैठक में पशुपालन एवं पशु चिकित्सा मंत्री अतुल बोरा, कुक्कुट एवं पशुधन निगम के अध्यक्ष मनोज सैकिया, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव समीर कुमार सिन्हा, पशुपालन विभाग के प्रधान सचिव मनीष ठाकुर, निदेशक राहुल सुरेश समेत कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य सरकार ने ...

देना होगा। ज्ञात हो कि इससे पहले ग्राहकों को 4 लाख रुपए तक की गाड़ियों पर 5 फीसदी टैक्स देना पड़ता था। लेकिन, नई दरों के मुताबिक तीन लाख रुपए से ज्यादा कीमत का वाहन होने पर ग्राहक को 7 फीसदी टैक्स देना होगा। इसी तरह पहले 12 लाख रुपए तक के वाहनों पर टैक्स 7 फीसदी था। लेकिन, नई दरों के मुताबिक ग्राहकों को 10 लाख रुपए से ऊपर के वाहनों पर 10 फीसदी टैक्स देना होगा। इसी तरह पहले 20 लाख रुपए तक के वाहनों पर टैक्स 9 फीसदी तय किया गया था। नई दरों के मुताबिक 20 लाख रुपए तक के वाहन पर 10 फीसदी टैक्स देना होगा। इससे पहले 20 लाख रुपए से अधिक कीमत की कारों के पंजीकरण पर 12 प्रतिशत कर देना पड़ता था। लेकिन अध्यादेश में अब 20 लाख रुपए से अधिक मूल्य के वाहनों पर 14 प्रतिशत कर तय किया गया है। इससे पहले 30 लाख रुपए से अधिक मूल्य के वाहनों पर ही 14 प्रतिशत कर लगता था। नए वाहनों के पंजीकरण पर कर की राशि में वृद्धि से ग्राहकों को एक अतिरिक्त राशि भुगतान करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। क्योंकि, रजिस्ट्रेशन शुल्क के बराबर ही ग्राहकों को वाहनों की खरीद के मामले में जीएसटी समेत अन्य शुल्क भी देने होंगे। राष्ट्रीय राजमार्गों पर विभिन्न स्थानों पर टोल गेट भी स्थापित किए गए हैं। ऐसे में निश्चित ही आम आदमी के लिए अब वाहन खरीदना या वाहन लेकर बाहर निकलना मुश्किल हो जाएगा।

पाकिस्तानी पासपोर्ट दुनिया...

रिपोर्ट में जापान पहले स्थान से खिसककर तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। दुनिया में सबसे मजबूत पासपोर्ट का दर्जा सिंगापुर को दिया गया है। भारत की यदि बात करें तो 5 अंक के सुधार के साथ वह 80वें स्थान पर पहुंच गया है। बता दें कि सिंगापुर के लोग बिना वीजा के दुनिया के 192 देशों मे एंट्री पा सकेंगे। वहीं रैंकिंग में यदि सबसे कमजोर पासपोर्ट की बात करें तो अफगानिस्तान का नाम सबसे ऊपर है। इसके बाद ईराक व सीरिया का नंबर आता है। पाकिस्तान को देखा जाए तो वह दुनिया का चौथा देश है, जिसका पासपोर्ट बेहद कमजोर है। पाकिस्तानी पासपोर्ट से कुल 33 देशों में वीजा फ्री एंट्री मिल सकती है। हेनले एंड पार्टनर्स इंडेक्स के अनुसार 227 देशों में से, पाकिस्तान 100वें स्थान पर है, जो कि उन गंतव्यों की संख्या के आधार पर निर्धारित किया गया है, जहां पाकिस्तानी निवासी बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं। इस साल की शुरुआत में, 220 मिलियन से अधिक की आबादी वाले पाकिस्तान को लंदन स्थित सलाहकार फर्म द्वारा सबसे कम रैंक वाले पासपोर्ट वाले पांच देशों में सूचीबद्ध किया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल जनवरी तक पाकिस्तानियों को ऑन-अराइवल वीजा सुविधा के साथ 35 देशों तक पहुंच थी, जो अब घटकर 33 रह गई है। एक समय में इंडेक्स की रैंकिंग में सबसे आगे रहने वाले संयुक्त राज्य अमेरिका की रैंकिंग में गिरावट देखी जा रही है। हालांकि, ब्रिटेन ने सुधार दिखाया है और चौथे स्थान पर पहुंच गया है, जबकि 183 वीजा-मुक्त गंतव्यों तक पहुंच के साथ अमेरिकी रैंकिंग गिरकर आठवें स्थान पर आ गई है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स, जो इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) डेटा के आधार पर 199 पासपोर्टों को रैंक करता है, वीजा नीतियों में बदलाव को प्रतिबिंबित करने के लिए नियमित रूप से अपडेट किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में यात्रियों के लिए वीजा-मुक्त गंतव्यों की औसत संख्या 2006 में 58 से लगभग दोगुनी होकर 109 हो गई है। एक बयान में कहा गया है कि 18 साल पुरानी रैंकिंग के इतिहास में अधिक स्वतंत्रता रही है, जहां यात्री वीजा-मुक्त गंतव्यों तक पहुंचने में सक्षम हैं, उनकी औसत संख्या 2006 में 58 से लगभग दोगुनी होकर 2023 में 109 हो गई है। मामले के बावजूद, शीर्ष रैंक और निचले रैंक वाले देशों के बीच यात्रा की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण अंतर बना हुआ है। अफगानिस्तान, इराक और सीरिया सहित संघर्षग्रस्त देशों के नागरिकों के पास क्रमश: केवल 27, 29 और 30 गंतव्यों तक पहुंच के साथ सबसे कम यात्रा विशेषाधिकार हैं।

चुनाव आयोग को ...

बैठक कर रहा है। श्रीश्री माधवदेव सभागार में नगांव, मोरीगांव और धुबड़ी जिले के प्रतिनिधियों के साथ बैठक चल रही है। बैठक के पहले दिन बुधवार को 270 संगठनों के प्रतिनिधियों ने चुनाव आयोग से मुलाकात की। नौ जिलों के 35 निर्वाचन क्षेत्रों के पार्टी संगठनों ने चुनाव आयोग से मुलाकात की। इस जन सुनवाई में आसू, एबीएसयू सहित विभिन्न राजनीतिक और गैर-राजनीतिक दलों के व्यक्तियों ने भाग लिया। ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) ने आलोचनाओं के बीच चुनाव आयोग से मुलाकात की। चुनाव आयोग से बात करते हुए आसू के मुख्य सलाहकार समुज्वल कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि वे निर्वाचन क्षेत्र के परिसीमन के मामले में वर्ष 2001 का स्वागत करते हैं लेकिन एक संशोधन की आवश्यकता है। भारत के चुनाव आयोग को असम की धरती पर खिलंजिया (स्थानीय) लोगों के प्रभुत्व को बरकरार रखते हुए संशोधन और पुन: निर्धारण करना होगा लेकिन सिबरगांव, रंगानदी और लाहोल निर्वाचन क्षेत्रों को काटना नहीं चाहिए। आदिवासी निर्वाचन क्षेत्रों के नाम पर खिलंजिया मुसलमानों का वर्चस्व होना चाहिए। जनिया का नाम बरकरार रखा जाना चाहिए। 1986 को आधार बनाकर निर्वाचन क्षेत्र के पुन: निर्धारण की मांग की गई थी। उसके बाद इसे निर्वाचन क्षेत्र के परिसीमन में 1991 का आधार वर्ष होना था। एक बात तो साफ है कि निर्वाचन क्षेत्र के परिसीमन पर किसी का विरोध नहीं है, सिर्फ मांग संशोधन का है। उल्लेखनीय है कि इसको लेकर राज्य में विभिन्न स्तर पर हो रहे विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर आयोग ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में कुछ बदलाव किए थे। इस संबंध में आयोग ने अधिसूचना के माध्यम से नया संशोधित कार्यक्रम मंगलवार को जारी किया था। कल यानी 21 जुलाई को सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक तिनसुकिया, धेमाजी और लखीमपुर जिलों के प्रतिनिधि और डिब्रूगढ़, चराइदेव, गोलाघाट और माजुली जिले के प्रतिनिधि श्रीमंत शंकरदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार में बैठेंगे। इस पर सुनवाई करने के लिए चुनाव आयोग की बड़ी टीम गुवाहाटी में पहुंची हुई है।

चंद्रमा के एक कदम ...

कि भारत ने चंद्रयान-3 को चंद्रमा के करीब पहुंचा कर अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस मनाया। चंद्रयान-3 पृथ्वी की चौथी कक्षा (पृथ्वी-बाउंड पेरिगी फायरिंग) में बेंगलुरु से सफलतापूर्वक निष्पादित की गई है। 25 जुलाई को दोपहर 2 से 3 बजे के बीच चंद्रयान-3 की कक्षा बदलने की योजना है। उल्लेखनीय है कि 14 जुलाई को इसरो ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अपने चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम के तीसरे संस्करण को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। मिशन का उद्देश्य चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करना है, जिससे चंद्रमा की दुर्लभ तस्वीरें और जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

पेशाब लगी तो ...

चढ़ गया और ट्रेन खुल गई। अब्दुल ने सोचा था कि दो मिनट का काम है जल्दी से निपटाकर बाहर आ जाउंगा लेकिन दो मिनट में ही उसके साथ खेल हो गया। ट्रेन भोपाल से खुल चुकी थी। इसके बाद अब्दुल ट्रेन में मौजूद टीटी और पुलिसकर्मियों के पास गया। जहां उसने उनलोगों से मदद की गुहार लगाई। टीटी ने उसे बताया कि ट्रेन का दरवाजा सिर्फ ड्राइवर ही खोल सकता है। इसमें हम कुछ नहीं कर सकते। जिसके बाद अब्दुल ट्रेन के ड्राइवर के पास जाने की कोशिश की लेकिन उसे रोक लिया गया। अंत में अब्दुल को 1020 रुपए वंदे भारत में बिना टिकट यात्रा करने के लिए जुर्माना भरना पड़ा। इसके बाद उसे 750 रुपए का बस टिकट लेकर उसे उज्जैन से वापस भोपाल आना पड़ा। फिर भोपाल से सिंगरौली जाने के लिए जो टिकट उसने बुक करवाया था उसे कैंसिल भी करना पड़ा। कुल मिलाकर अब्दुल को वंदे भारत में पेशाब करने के लिए 6000 रुपए चुकाना पड़ा। यानी कि अब्दुल को 6000 रुपए का चूना लग गया।

रायगढ़ में भूस्खलन ...

मध्य रात्रि की है। एक टीम, जिसमें सब डिविजनल ऑफिसर और तहसीलदार शामिल हैं, घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। जिलाधिकारी ने बताया कि भूस्खलन जिस जगह हुआ, वहां पहुंचने के लिए दो घंटे की चढ़ाई करनी पड़ती है, जिसकी वजह से राहत और बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण है। घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी अधिकारियों को फोन कर घटना की जानकारी ली और गुरुवार सुबह वह घटनास्थल पहुंच गए। वहीं पनवेल और नवी मुंबई के सभी अस्पतालों को सूचित कर दिया गया है और उन्हें प्रभावितों को सभी जरूरी चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं मौसम विभाग ने गुरुवार को रायगढ़ में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। जिला प्रशासन ने एनजीओ से अपील की है कि वह एनडीआरएफ की मदद के लिए आगे आएं ताकि जल्द से जल्द बचाव कार्य को पूरा किया जा सके। एनडीआरएफ की दो टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं। साथ ही चार एंबुलेंस भी मौके पर मौजूद हैं। हादसा जिस जगह हुआ, वहां आदिवासी लोग रहते हैं। हादसे में घटनास्थल पर पांच-छह मकान और एक स्कूल सुरक्षित बच गए। बारिश के चलते 10-12 लोग स्कूल में रुके हुए थे, जिसकी वजह से उनकी जान बच गई। वहीं पांच लोग मछली पकड़ने मोरबी बांध गए हुए थे, उनकी भी जान बच गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से फोन पर घटना की जानकारी ली है। अमित शाह ने ट्वीट करते हुए लिखा कि महाराष्ट्र के रायगढ़ में तेज बारिश से हुए भूस्खलन के संबंध में मैंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से बात की। एनडीआरएफ की चार टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ बचाव कार्यों में जुटी हैं। लोगों को वहां से निकालना व घायलों को तुरंत उपचार देना हमारी प्राथमिकता है।

वित्त मंत्री दो दिवसीय ...

सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार की घोषणा इस वर्ष गणतंत्र दिवस के मौके पर की गई थी। अधिकारियों और कर्मचारियों का चयन पिछले कुछ वर्षों में सेवा क्षेत्र में उनके अनुकरणीय प्रदर्शन के आधार पर किया गया था। समारोह में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा और सीबीआईसी के अध्यक्ष विवेक जौहरी भी शामिल होंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि केंद्रीय मंत्री बाद में अगरतला में जीएसटी भवन के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने के लिए त्रिपुरा के लिए रवाना होंगी और अगले दिन वह त्रिपुरा के श्रीमंतपुर में स्थित एकीकृत जांच चौकियों का दौरा करेंगी।

स्वर्वेद भाष्य

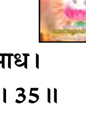

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

कोइ चाँचरि कोइ भूचरि, कोइ अगोचरि साध।
कोइ उन्मनि कोइ खेचरी, मन मुद्रा रत बाध॥ 35॥

शब्दार्थ : (साध) साधन (बाध) रोकना, संयम।

भाष्य : कोई चांचरी, कोइ भूचरी, कोई अगोचरी का साधन करते हैं एवं कोई उन्मुनि तथा खेचरी मुद्रा में रत हो कर मन को बांधते हैं।

दर्शन पांचों तत्व का, कोइ भूले अज्ञान।
योग रहस्य विचित्र है, समझें सन्त सुजान॥ 36॥

शब्दार्थ : (अज्ञान) न जानना (सुजान) विवेकी सन्त।

भाष्य : कोई भूलकर अपने अज्ञान से पांच तत्वों का दर्शन करता हैं। यह योग का मर्म-भेद विचित्र है, जिसको विवेकी संत जानते हैं।

मणिपुर की घटना मानवीय मूल्यों का अपमान : असम महिला कांग्रेस

गुवाहाटी (हिंस)। मणिपुर की दो महिलाओं को जिस तरह निर्वस्त्र किया गया, उनके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और दिन के उजाले में घुमाया गया, वह न केवल सभ्य समाज पर हमला है, बल्कि हमारे मानवीय मूल्यों का भी अपमान है। ये बातें आज असम प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष मीरा बरठाकुर गोस्वामी ने असम प्रदेश मुख्यालय राजभवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हमारे पास इतने मजबूत शब्द नहीं है कि हम इसकी निंदा कर सकें। यह सीधे तौर पर भारतीय सामाजिक जीवन की सबसे घृणित घटना के रूप में गिना जाएगा। इस घटना ने एक झटके में उन

आदर्शों को चकनाचूर कर दिया है जिनके लिए भारतीय संस्कृति जानी जाती है। यह हमें दुनिया की नजरों में छोटा बना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस नृशंस कृत्य के लिए मणिपुर सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। इस तरह की घटना के बाद भाजपा सत्ता में कैसे आ गई, यह एक विवादास्पद सवाल बना हुआ है। घटना के 74 दिन बाद भी भाजपा सरकार ने दोषियों को नहीं पकड़ा है और इसके बजाए इसे दुनिया से छिपाने की कोशिश की है। ऐसी सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। कांग्रेस ने मांग की है कि राज्य सरकार को तुरंत भंग किया जाए और मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान का 50 फीसदी हिस्सा जलमग्न

काजीरंगा (हिंस)। विश्व धरोहर काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के 45 वन शिविर यानी 50 फीसदी हिस्सा अभी भी जलमग्न है। बाढ़ के चलते राष्ट्रीय उद्यान के तमाम जंगली जानवर ऊंचे स्थानों पर या हाईवे किनारे शरण लिए हुए हैं। हाईवे पर कई जानवर वाहनों की चपेट में आ रहे हैं। पूर्वी असम वन्यजीव प्रभाग के अधिकारी अरुण विग्नेश के अनुसार बाढ़ के चलते राष्ट्रीय उद्यान में 50 फीसदी हिस्से में पानी भरा हुआ है। इनमें 18 शिविर कहंरा वन का शामिल है। पानी से बचने के लिए अधिकांश जंगली जानवर राष्ट्रीय उद्यान के ऊंचे इलाकों में शरण लिए हुए हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-37 के दोनों ओर भी कुछ जंगली जानवर घूम रहे हैं।

युवाओं को कौशल विकास का देंगे मौका : जयंत मल्ल

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने कहा है कि युवाओं को कौशल विकास का पूरा मौका देंगे, ताकि वे प्रतिस्पर्धा में खरा उतर सकें। आज कौशल विकास, उद्यमिता विभाग और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए विभागीय मंत्री मल्लबरुवा ने असम के युवाओं के लिए ट्रेनिंग और प्लेसमेंट प्रोत्साहन योजना शुरू करने के लिए प्रारंभिक दौर की बैठक की। उन्होंने कहा कि कौशल विकास आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में रोजगार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस शिक्षुता योजना के माध्यम से असम सरकार के सहयोग से युवाओं को विभिन्न निजी और सार्वजनिक क्षेत्र

के उद्यमों में विभिन्न प्रशिक्षणों के माध्यम से कौशल विकास की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने उम्मीद जताई है कि एक बार यह योजना तैयार हो जाने के बाद हमारे आगामी प्रशिक्षित युवा विशेष रूप से लाभान्वित होंगे और राज्य के लिए एक संपत्ति बन जाएंगे।

एसएसबी ने डीजल समेत तस्कर को किया गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। कोकराझाड़ जिलांतर्गत रानीगुली स्थित 6वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के कार्यवाहक कमांडेंट एवं द्वितीय कमान अधिकारी लोकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आज अंतर्राष्ट्रीय सीमा चौकी दादगिरी के जवानों ने भारत-भूटान के अंतर्राष्ट्रीय सीमावर्ती इलाके से भारी मात्रा में तस्करी का डीजल बरामद किया है। एसएसबी सूत्रों ने बताया है कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा पीलर संख्या 169/5 के नजदीक भारत-भूटान गेट के पास एक मारुति सुजुकी वैगनार कार (एएस-01एएफ-3063)की तलाशी ली गई। कार में भूटान से अवैध तरीके से 5 बैरर डीजल समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। तस्कर की पहचान नोहोमिया बसुमतारी (27, चिरांग) (असम) के रूप में की गई है। जब्त डीजल कीमत लगभग 3 लाख 64 हजार 740 रुपए आंकी गई है। जब्त अवैध डीजल एवं कार के साथ तस्कर को भूमि कस्टम ऑफिस हातीचर दादगिरी को अग्रिम कार्यवाही हेतु सौंप दिया गया।

राज्यपाल ने परिवर्तन एवं विकास विभाग के साथ की समीक्षा बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। विभिन्न विभागों की गतिविधियों का जायजा लेने के लिए असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने विभिन्न विभागों के साथ अपनी बैठकों की श्रृंखला की कड़ी में गुरुवार को राजभवन में परिवर्तन और विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान परिवर्तन एवं विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने विभाग की गतिविधियों पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में वर्ष 2022-23 के लिए असम की जीडीपी वृद्धि दर पर प्रकाश डाला गया, जिसमें कृषि और संबद्ध क्षेत्रों, उद्योग क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, उत्पादों और सब्सिडी पर करों, सकल राज्य घरेलू उत्पादों और प्रति व्यक्ति आय सहित विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि पर विशेष ध्यान दिया गया। राज्यपाल ने आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) की स्थिति की जानकारी ली और इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक जिले की प्रगति की समीक्षा की। राज्यपाल ने राज्य नवाचार और परिवर्तन आयोग (सीटा) की भूमिका और राज्य में सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए मूल्यांकन और निगरानी के तरीकों के बारे में जानकारी मांगी। राज्यपाल ने परिवर्तन और विकास विभाग की एसडीजी सेल की भूमिका के बारे में भी पूछा और यह वर्ष 2030 के लिए लक्ष्य निर्धारित करते समय राज्यभर में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की वर्तमान स्थिति की निगरानी कैसे करता है। बैठक के दौरान राज्यपाल ने फंड उपयोग

की उचित निगरानी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण है। प्रभावी मॉनिटरिंग से यह सुनिश्चित होता है कि योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचे। इसलिए, संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के सफल परिणाम सुनिश्चित करने के लिए परिश्रमी निगरानी को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया। बैठक में प्रमुख सचिव, टीएंडडी विभाग, डॉ. एम आरिज अहमद; मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एसआईटीए एमएस मणिवन्नम; राज्यपाल के सचिव, स्वप्ना दत्ता डेका; सचिव, टीएंडडी विभाग, दीपिमा बी मालाकार; सचिव टीएंडडी विभाग, रीना मेक और टीएंडडी विभाग और राजभवन के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रंगिया में जैन समुदाय ने निकाली मौन रैली

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के रंगिया में आज जैन समुदाय के लोगों द्वारा एक मौन रैली निकाली गई। प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन भी भेजा गया। ज्ञात हो कि कर्नाटक के चिक्कुरी में जैन मुनि कामकुमार नंदी महाराज की हत्या करने वालों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग करते हुए जैन समुदाय ने रैली निकाली। दिगंबर जैन सकल समाज के सैकड़ों सदस्य रंगिया स्थित दिगंबर जैन मंदिर में एकत्र हुए और मौन विरोध मार्च निकाला। कार्यक्रम के अंत में रंगिया के अनुमंडल दंडाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भी भेजा गया।

नि:शुल्क कराटे स्कूल का लायंस उमंग ने किया शुभारंभ

कमजोर वर्ग के बच्चों को आत्मरक्षा के सिखाए जाएंगे गुर

गुवाहाटी (विभास)। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को शिक्षा के साथ साथ अन्य प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से नि:शुल्क कराटे स्कूल का शुभारंभ किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में नारंगी के फॉरेस्ट गेट इलाके में कराटे स्कूल का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्घाटन जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका ने किया। अध्यक्ष श्रीमती पोद्दार ने बताया कि प्रथम बैच में कुल 14 बच्चों को कराटे के माध्यम से आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सप्ताह में दो दिन इन बच्चों को नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया

कि जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका के मार्गदर्शन में क्लब की ओर से नारंगी बोंदा कॉलेज में विभिन्न तरह के फल-सब्जियों के करीब 60 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर क्लब की जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका, अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव स्वाती चौधरी, संयोजिका नीतू सराफ, विना जसरासरिया, स्वप्ना आर्या, सरोज जालान आदि सदस्याएं मौजूद थी।

प्रस्तावित पर्यटन अधिनियम लंबा रास्ता तय करेगा : मंत्री मल्लबरुवा

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के पर्यटन आदि मामलों के मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने राज्य में पर्यटन को एक विकसित उद्योग का दर्जा दिलाने के उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय बैठक की। राजधानी दिसपुर स्थित जनता भवन के अपने कक्ष में मंत्री मल्लबरुवा द्वारा आज बुलाई गई बैठक में पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही राज्य पर्यटन निगम के पदाधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में नए प्रस्तावित पर्यटन अधिनियम को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। बाद में मंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि आज पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक बुलाई गई और प्रस्तावित पर्यटन अधिनियम के बारे में विस्तार से चर्चा की।

लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर ने जीएमसीएच में चलाया आहार वितरण कार्यक्रम

गुवाहाटी। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322 जी के *एक जिला एक गतिविधि* कार्यक्रम के अंतर्गत भांगागढ़ स्थित *गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल* के प्रांगण में समाज सेवा में अग्रणी लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर द्वारा आहार वितरण का कार्यक्रम संपन्न किया गया। क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन प्रमोद हरलालका की अध्यक्षता में कार्यक्रम की संयोजिका लायन बबीता चौधरी सहित क्लब के सदस्यों ने भारी संख्या में भाग लेकर तकरीबन 285 जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम की सह संयोजिका लायन अमिता मोर और लायन रोमिल गग्गड़ सहित

लायन प्रह्लाद अग्रवाल, लायन विजय शर्मा, लायन मंजू जैन, लायन आशा बुराकिया, लायन रूपा गग्गड़ आदि सदस्यों ने उपस्थित होकर भरपूर सहयोग प्रदान किया। लायन गौरव हरलालका द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों ने भारी संख्या में उपस्थित होकर भरपूर सहयोग प्रदान किया। यह जानकारी क्लब के जनसंपर्क अधिकारी लायन रतन खाखोलिया ने प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा दी।

तीन मवेशी के साथ दो पशु तस्कर गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा (हिंस)। दक्षिण सालमारा-मानकचार जिलांतर्गत हाटशिंगीमारी में भारत-बांग्लादेश सीमा पर खुले ब्रह्मपुत्र नद के रास्ते बांग्लादेश को पशुधन की तस्करी का गोरखधंधा जारी है। सीमा की सुरक्षा में तैनात शिशुमारा सीमा सुरक्षा चौकी के 1 नंबर बीएस के जवानों ने बीती रात दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से तीन मवेशियों को बरामद किया है।

सेठ सांवरिया सत्संग समिति का भूमि पूजन के साथ पंडाल निर्माण कार्य शुरू

श्री गौहाटी गौशाला में नौ दिवसीय श्री राम चरित्र मानस तथा शिव चरित्र कथा का भव्य आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला के बृंदावन गार्डन प्रांगण में भूमि पूजन के साथ पंडाल निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ हुआ। पुरुषोत्तम मास के पावन पर्व पर सेठ सांवरिया सत्संग समिति के तत्वावधान में नौ दिवसीय श्री राम चरित्र मानस तथा शिव चरित्र कथा का भव्य आयोजन श्री गौहाटी गौशाला के वृंदावन गार्डन में आगामी 24 जुलाई से 1 अगस्त 2023 को आयोजित होने जा रहा है। कथा में परम् मनीषी, विद्धान पुज्य आचार्य श्री गौरवजी व्यास (श्री गोपालजी) द्वारा उनके सुमधुर कंठ से कथा का रस पान करवाया जाएगा। कथा स्थल में वैदिक मंत्रोचार के साथ पण्डाल का कार्य आरंभ हुआ, जिसमें समिति के बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। समिति की एक सभा का भी आयोजित की गई, जिसमें समिति के मंत्री शंकर बिड़ला ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। अध्यक्ष सुरेन्द्र लाठ ने सभी से अपील की कि सभी सदस्यों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधार कर आयोजन को सफल बनाए। कार्यक्रम के बारे में बताते हुए उन्होने जानकारी दी कि 24 जुलाई को प्रात 7 बजे से शराबभट्टी चाभीपुल स्थित

राम जानकी मन्दिर से कलश यात्रा आरम्भ हो कर आयोजन स्थल तक पंहुचेगी। इसके पश्चात श्री सुन्दरकांड का पाठ होगा। दोपहर 2.30 बजे से कथा आरम्भ होगी। दिनांक 25 जुलाई को प्रात: 9 बजे से श्री गोपाल सहस्त्रनाम के साथ लड्डू गोपाल का अभिषेक होगा, जिसमें सभी श्रद्धालु अग्रिम सुचना के साथ भाग ले सकते हैं। दिनांक 26 जुलाई से 1 अगस्त तक प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से श्री शिव रुद्राभिषेक तथा महामृत्युंजय पाठ होगा। अंतिम दिन 1 अगस्त को कथा के बाद रात्रि 6:30 बजे से हवन एवं पूर्णाहुति के पश्चात रात्रि 8:00 बजे से महाप्रसाद का भी आयोजक किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान वाराणसी के विद्वान पंडितों द्वारा महाआरती की की जाएगी। आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के सभी सदस्य एक जुट हो कर कार्य कर रहे है तथा सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधार कर आयोजन को सफल बनाए।

No. DVT-223/RIDF-XXVII (S)/Barpeta/2022-23/24

PRESS NOTICE INVITING TENDER

The Director of A.H. & Veterinary Deptt, Assam, on behalf of the Governor of Assam, invites bids for the following works under **RIDF-XXVII** in two Bid System from the eligible contractors duly registered under Animal Husbandry & Veterinary Department, Assam and Dairy Development, Assam with e- Tendering system provider through e-Tendering Portal **www.assamtenders.gov.in**. Detail may be seen in the website **www.assamtenders.gov.in** and also in the Engineering Cell of this Directorate during office hours from **20.07.2023 to 17.08.2023.**

Sl. No.	Work Description	Estimated Cost (Rs.)	Bid Processing Fee (Rs.)	Bid Security (Rs.)	Completion Period
1	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification, Water supply and sanitary works etc. at **Gahiya in Barpeta** Distric.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	180 days
2	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification, Water supply and sanitary works etc. at **Rampur in Barpeta** Distric.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	180 days
3	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification, Water supply and sanitary works etc. at **Sundaridia in Barpeta** Distric.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	180 days
4	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification, Water supply and sanitary works etc. at **Barnagar in Barpeta** Distric.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	180 days
5	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification, Water supply and sanitary works etc. at **Khudrakuchi in Barpeta** Distric.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	180 days

The Bid Processing Fee and Bid Security should be deposited through net banking before the expiry of online Bid submission date and time as mentioned in the Tender Schedule.

TENDER SCHEDULE

DATE OF AVALIBILITY OF BIDDING DOCUMENTS ON	**20.07.2023** (11.00 HRS) **17.08.203** (14.00 HRS)
E-PROCUREMENT PORTAL	
PRE-BID MEETING	**26.07.2023** AT 13.00 HRS
LAST DATE AND TIME FOR ONLINE BID SUBMISSION	Upto 14.00 HRS on **17.08.2023**
DATE AND TIME OF TECHNICAL BID OPENING	14.30 HRS ON **18.08.2023**
DATE AND TIME OF FINANCIAL, BID OPENING	Intimated later on

-- Janasanyog /C/7538/23

Director
A.H. & Vety. Department, Assam
Chenikuthi, Guwahati-3

दिल्ली में ट्रांसफर पोस्टिंग का मामला पांच जजों की संविधान बेंच को रेफर

अजय त्यागी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में ट्रांसफर पोस्टिंग के मामले में केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ दायर याचिका को पांच जजों की संविधान बेंच को रेफर कर दिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश जारी किया। सुनवाई के दौरान 17 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का संकेत दिया था कि वो दिल्ली में ट्रांसफर पोस्टिंग के मामले में केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका को संविधान बेंच को रेफर कर सकता है। इस मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया था। हलफनामा में केंद्र सरकार ने अध्यादेश का बचाव करते हुए कहा था कि संविधान की धारा 246(4) संसद को भारत के किसी भी हिस्से के लिए किसी भी मामले के संबंध में कानून बनाने का अधिकार देता है, जो किसी राज्य में शामिल नहीं है, इसके बावजूद ऐसा मामला राज्य सूची में दर्ज मामला है। केंद्र ने कहा था कि संसद सक्षम है और उसके पास उन विषयों पर भी कानून बनाने की सर्वोपरि शक्तियां हैं, जिनके लिए दिल्ली की विधान सभा कानून बनाने के लिए सक्षम होगी। केंद्र ने कहा था कि दिल्ली सरकार के मंत्रियों ने सोशल मीडिया पर आदेश अपलोड कर अफसरों के खिलाफ अभियान चलाया। इतना ही नहीं दिल्ली सरकार ने विजिलेंस अफसर को निशाना बनाया और रात 11 बजे के बाद फाइलों को अपने कब्जे में लेने के लिए विजिलेंस दफ्तर पहुंच गए। हलफनामे में कहा गया था कि दिल्ली सरकार की यह दलील कि अध्यादेश बिना किसी विधायी क्षमता के जारी किया गया है, जो बिल्कुल गलत है। दिल्ली सरकार की तरफ से कानूनी

या संवैधानिक आधार पर नहीं बल्कि राजनीतिक आधार पर बेतुका और निराधार दलीलें अध्यादेश के खिलाफ दी जा रही हैं। केंद्र सरकार का कहना था कि अध्यादेश संसद के मानसून सत्र में पेश होने की संभावना है, ऐसे में सुप्रीम कोर्ट को इस मुद्दे पर फैसले के लिए मानसून सत्र के खत्म होने का इंतजार करना चाहिए। कोर्ट ने 10 जुलाई को केंद्र सरकार और दिल्ली के उप-राज्यपाल को नोटिस जारी किया था। दिल्ली सरकार ने याचिका में केंद्र सरकार के अध्यादेश पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है। दिल्ली सरकार ने याचिका में कहा है कि केंद्र सरकार का 19 मई को लाया गया अध्यादेश असंवैधानिक है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान बेंच ने 11 मई को कहा था कि उप-राज्यपाल के पास केंद्रशासित प्रदेश दिल्ली से संबंधित सभी मुद्दों पर व्यापक प्रशासनिक पर्यवेक्षण नहीं हो सकता है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय बेंच ने सर्वसम्मत फैसले में कहा है कि उप-राज्यपाल की शक्तियां उन्हें दिल्ली विधानसभा और निर्वाचित सरकार की विधायी शक्तियों में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं देती हैं। यानी दिल्ली सरकार का पुलिस, कानून व्यवस्था और भूमि पर नियंत्रण नहीं है। कोर्ट ने कहा था कि नौकरशाह इस धारणा के तहत नहीं हो सकते कि वे मंत्रियों के प्रति जवाबदेह होने से अछूते हैं। अगर अधिकारी इस धारणा के तहत मंत्रियों को जवाब नहीं देते हैं तो वे लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार के लिए बेहिसाब हो जाएंगे। कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली विधानसभा के पास भूमि, लोक व्यवस्था और पुलिस को छोड़कर सूची 2 में सभी विषयों पर कानून बनाने की शक्ति है।

मानसून सत्र का बेहतरीन उपयोग करें राजनीतिक दल : प्रधानमंत्री

-मणिपुर की घटना से बेहद दुखी हूं, इसने 140 करोड़ भारतीयों को शर्मशार किया- नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि संसद का मानसून सत्र जनहित से जुड़े विधायकों के कारण महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और सांसदों से संसद के मानसून सत्र का बेहतरीन उपयोग करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को संसद के मानसून सत्र की शुरूआत से पहले पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सावन के पवित्र मास में लोकतंत्र के मंदिर में अनेक पवित्र कार्य करने का यह सर्वोत्तम अवसर है। इस बात पर विश्वास व्यक्त करते हुए कि सांसद इस सत्र का जनहित में सर्वाधिक प्रयोग करेंगे प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। कानूनों को बनाना और उन पर विस्तार से चर्चा करना बहुत ही आवश्यक है। चर्चा के महत्व पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जितनी ज्यादा और जितनी पेनी चर्चा होगी उतना ही जनहित में दूरगामी परिणाम देने वाले अच्छे निर्णय होंगे। उन्होंने कहा कि सांसद जमीन से जुड़े होते हैं और जनता का दुख दर्द समझने समझते हैं। चर्चा होने पर उनकी तरफ से आने वाले विचार जड़ों से जुड़े विचार होते हैं। इससे चर्चा समृद्ध होती है और निर्णय सशक्त और परिणामकारी होते हैं। वर्तमान सत्र में पेश होने वाले विधेयकों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सीधे सीधे जनता से जुड़े हैं। हमारी युवा पीढ़ी डिजिटल दुनिया के साथ नेतृत्व कर रही है। इस समय डाटा प्रोटेक्शन विधेयक देश के हर नागरिक को नया विश्वास देने वाला और विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार नेशनल रिसर्च फाउंडेशन विधेयक नई शिक्षा नीति के संदर्भ में एक बहुत अहम कदम है। इसका उपयोग अनुसंधान नवाचार और शोध को बढ़ावा देगा। उन्होंने विवाद को संवाद से समझाने की भारतीय परंपरा का उल्लेख किया और कहा कि अब कानूनी आधार देते हुए मध्यस्थता विधेयक लाने की दिशा में यह सत्र बहुत उपयोगी है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हुई अभद्रता की घटना को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह भले कुछ लोगों का कृत्य हो पर इसने देश के 140 करोड़ भारतीयों को शर्मसार किया है। वह देश को लोगों को भरोसा दिलाना चाहते हैं कि इसके आरोपितों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे इस घटना को लेकर बहुत ज्यादा दुखी और अक्रोशित है। उन्होंने सभी मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया कि वे अपने राज्य में कानून व्यवस्था को और मजबूत करें। विशेष रूप से हमारी माताओं और बहनों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाएं। चाहे वह राजस्थान हो, छत्तीसगढ़ हो, मणिपुर हो या देश का कोई भी हिस्सा हो, कानून व्यवस्था बनाए रखना और महिलाओं का सम्मान करना किसी भी राजनीतिक बहस से ऊपर रखा जाना चाहिए।

गृहमंत्री ने मणिपुर के मुख्यमंत्री से की बात, दो महिलाओं के साथ अमानवीयता पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हुए अमानवीय व्यवहार को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से बात कर दोषियों के खिलाफ तेज व सख्त कार्रवाई के लिए कहा है। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में दो महिलाओं को निवस्त्र घुमाए जाने और उनसे अश्लीलता किए जाने मामला सामने आया है। जबसे यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। विपक्ष लगातार केन्द्र और राज्य सरकार की आलोचना कर रही है। हालांकि सरकार का कहना है कि यह घटना 4 मई की है और इस मामले में उसी समय मुकदमा दर्ज

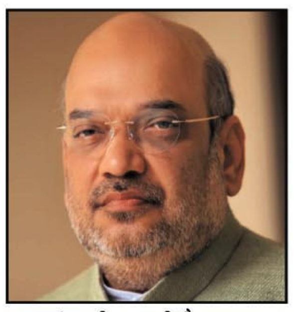

कर जांच की जा रही है। इस घटना में शामिल लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो चार मई का है, जिस समय मणिपुर में हिंसा की शुरूआत हुई थी। जिन महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार हुआ है वह कुकी समुदाय की बताई जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को रैली का आयोजन हुआ था। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने इस रैली का आयोजन किया था। रैली के दौरान हिंसा भड़क गई थी। उसके बाद से ही कुकी और मैतेई समुदाय के लोग एक दूसरे के खून के प्यासे बने हुए हैं। अभी तक इस हिंसा में 100 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है और उससे कहीं अधिक घरों को आग के हवाले किया जा चुका है।

लोकसभा की कार्यवाही आज तक के लिए स्थगित

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार को मणिपुर की घटना पर विपक्ष के हंगामे के चलते शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा की कार्यवाही सुबह दिवंगत पूर्व सदस्यों को श्रद्धांजलि देने के बाद 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर विपक्ष ने मणिपुर मद्दे को उठाना शुरू किया। सरकार की ओर से संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार दोनों सदनों पर मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। चर्चा के अंत में गृहमंत्री चर्चा का

उत्तर देंगे। वे विपक्ष से सदन की कार्यवाही चलाने में सहयोग करने की अपील करते हैं। सदन में कई महत्वपूर्ण विषयों और विधेयकों पर चर्चा होनी है। इसके बावजूद सदन में हंगामा न थमता देख पीठासीन अधिकारी कीर्ति प्रेमजीभाई सोलंकी ने कार्यवाही को शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

धनखड़ ने 50 प्रतिशत महिला सांसदों के साथ उप सभापति पैनल का पुनर्गठन किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने 50 प्रतिशत महिला सांसदों के साथ उप सभापति पैनल का पुनर्गठन किया है। आठ सदस्यीय पैनल में अब चार महिला सदस्य होंगी, जिनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद पीटी उषा और एस. फांगनोन कोन्याक, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सांसद फौजिया खान और बीजू जनता दल सांसद सुलता देव शामिल हैं। एक ऐतिहासिक कदम में, राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को घोषणा की कि उन्होंने 50 प्रतिशत महिला सांसदों के साथ उपाध्यक्षों के पैनल का पुनर्गठन किया है। उपराष्ट्रपति ने मानसून सत्र के पहले दिन उच्च सदन में यह घोषणा की। उच्च सदन के इतिहास में यह पहली बार है कि उपाध्यक्षों के पैनल

में महिला सदस्यों को समान प्रतिनिधित्व दिया गया है। धनखड़ ने कहा, सदन के सदस्यों को सूचित किया जाता है कि 17 जुलाई, 2023 से उपाध्यक्षों के पैनल का पुनर्गठन किया गया है। सदस्यों को यह जानकर खुशी होगी कि 50 प्रतिशत उपाध्यक्ष महिलाएं हैं। उन्होंने कहा, नामांकित सभी चार महिला सांसद पहली बार सदस्य बनी हैं। उल्लेखनीय है कि एस. फांगनोन कोन्याक नागालैंड से राज्यसभा सदस्य के रूप में चुनी जाने वाली पहली महिला हैं। धनखड़ ने ट्विटर पर उपाध्यक्षों के पैनल में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को "ऐतिहासिक" करार दिया। उल्लेखनीय है कि सभापति या उपसभापति की अनुपस्थिति में उपसभापति पैनल के सदस्य सदन की कार्यवाही संचालित करने के पात्र होते हैं। इसके अलावा अब राज्यसभा सभापति कार्य पूरी तरह से डिजिटल हो गया है। सदन में कामकाज के संचालन, सदन में उपस्थिति, बोलने वाले सदस्यों के विवरण और अन्य प्रासंगिक जानकारी से संबंधित मामलों के लिए इलेक्ट्रॉनिक टैबलेट का उपयोग किया जाएगा।

कोविड घोटाला में संजय राऊत के करीबी सुजीत पाटकर सहित दो गिरफ्तार

मुंबई, (हि. स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई नगर निगम में कोरोना के दौरान कथित कोविड घोटाला मामले में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के नेता संजय राऊत के करीबी सुजीत पाटकर और किशोर बिसुरे को गिरफ्तार किया है। ईडी इन दोनों से गहन छानबीन कर रही है। जानकारी के अनुसार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश उपाध्यक्ष किरीट सोमैया ने कोरोना के

दौरान मुंबई नगर निगम में कोविड सेंटर का काम दिए जाने में 100 करोड़ रुपये का घोटाला किए जाने का आरोप लगाया था । इस मामले की शिकायत किरीट सोमैया ने ईडी के समक्ष की थी। इसके बाद ईडी की टीम ने लाइफलाइन हास्पिटल मैनेजमेंट के सजीत पाटकर, दहिसर कोविड फील्ड हास्पिटल के डॉ. किशोर बिसुरे, मुंबई नगर निगम के अधिकारी संजीव जायसवाल, सुरेश चव्हाण से पूछताछ की थी। इसी पूछताछ के आधार पर ईडी की टीम ने गुरुवार सुबह संजय राऊत के करीबी सुजीत पाटकर और किशोर बिसुरे को गिरफ्तार किया है। इस मामले की गहन छानबीन जारी है।

मणिपुर के वायरल वीडियो का एनसीडब्ल्यू ने लिया संज्ञान, डीजीपी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, (हि.स.)। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने की घटना का राष्ट्रीय महिला आयोग ने संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिदेशक को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को आयोग की अध्यक्ष ने इस घटना की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ वीडियो के प्रसार की अनुमति देने के लिए आयोग ने ट्विटर को भी नोटिस भेजा है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने बताया कि मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है और शाम तक और भी दोषियों की गिरफ्तारी की संभावना है। हमने ट्विटर को भी अपने प्लेटफॉर्म पर ऐसे वीडियो के प्रसार की अनुमति देने के खिलाफ नोटिस दिया है। यह वास्तव में चौंकाने वाली घटना है। आयोग ने इस पर तुरंत संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान और मणिपुर से ऐसी कई

घटनाएं सामने आ रही हैं। दोनों घटनाओं के लिए राज्य के प्रशासन के साथ लगातार संपर्क किया जा रहा है। इन घटनाओं के आरोपितों को सजा दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में हिंसा के बीच अब एक वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाते दिखाया गया है। साथ ही वहां खड़ी भीड़ महिला के साथ हाथापाई भी कर रही है। इसके साथ भीड़ के कुछ लोग महिला के साथ अभद्रता करते भी दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद महिलाओं के साथ दुष्कर्म होने की बात भी कही जा रही है।

हिमाचल के किन्नौर के सांगला में बादल फटने से आई बाढ़, कई गाड़ियां बहीं

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में मानसून सीजन में बादल फटने से लोगों को बाढ़ जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। जनजातीय जिले किन्नौर की सांगला घाटी के कामरु गांव में बादल फटने के बाद टुंगतुंग नाले में अचानक आई बाढ़ ने तबाही मचा दी। गुरुवार सुबह करीब छह बजे टुंगतुंग नाले ने उफनती नदी का रूप धारण कर लिया। नाले का बहाव बदलकर कामरु गांव की ओर हो गया। इस नाले में उफान आने के कारण तेज धारा में कई गाड़ियां बह गईं। इसके अलावा लोगों के खेत और बगीचे भी तबाह हो गए। गनीमत यह रही कि फ्लैश फ्लड की वजह से कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। कामरु गांव के लोगों के घर भी सुरक्षित हैं। नुकसान का आंकलन करने के लिए जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं और राहत कार्य किया जा रहा है। मौके पर मौजूद सांगला के तहसीलदार हरदयाल सिंह ने बताया कि स्थिति काबू में है। उफनते

नाले की धारा कामरु गांव की ओर बदल जाने से नुकसान हुआ है। फ्लैश फ्लड में करीब 15 से 20 गाड़ियां बह गई हैं। इसके अलावा खेतों और बगीचों को भी भारी नुकसान पहुंचा है और इसका आंकलन किया जा रहा है। इस घटना में किसी के हताहत होने की रिपोर्ट नहीं है। मौसम विभाग ने अगले चार दिन राज्य में भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं पांच जिलों- मंडी, कूल्लु, चम्बा, शिमला और सिरमौर में फ्लैश फ्लड की चेतावनी दी गई है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक गुरुवार सुबह तक राज्य में भूस्खलन से पांच नेशलन हाइवे सहित 686 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा 1138 बिजली ट्रंसफार्मर और 315 पेयजल स्कीमें भी ठप हैं। राज्य में मानसून ने 24 जून को दस्तक दी थी और तब से लेकर अब तक वर्षाजनित विभिन्न हादसों में 130 लोगों की मौत हुई है। इनमें 38 लोगों की जान भूस्खलन, बाढ़ और बादल फटने की वजह से गई है। इसके अलावा विभिन्न हादसों में 12 लोग लापता हैं जबकि 153 लोग घायल हैं। मानसून सीजन के दौरान 572 घर ध्वस्त हुए वहीं 4703 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। 148 दुकानें और 1286 पशुशालाएं भी ध्वस्त हुईं। मानसून सीजन में अब तक चार हजार करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है।

कांग्रेस शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर मूकदर्शक क्यों बना विपक्ष : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को कहा कि सरकार मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हुई अभद्रता के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष इसपर राजनीति करना चाहता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष महिला और महिला के बीच अंतर क्यों कर रहा है। कांग्रेस शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों पर विपक्ष मूकदर्शक क्यों बना हुआ है। संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कड़े शब्दों में मणिपुर घटना की निंदा की है और कड़ी कार्रवाई किए जाने की बात कही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि मणिपुर, छत्तीसगढ़ और राजस्थान या किसी

अन्य राज्य में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। ठाकुर ने कहा कि सरकार संसद में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष मुद्दे पर केवल राजनीति करना चाहता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि गैर एनडीए शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध हो रहे हैं। अकेले राजस्थान में देशभर के 22 प्रतिशत बलात्कार के मामले दर्ज होते हैं। विपक्ष कांग्रेस शासित राज्यों में हो रहे अपराधों पर मूकदर्शक क्यों बना हुआ है।

जम्मू से 6,523 श्रद्धालु 262 वाहनों में सवार होकर अमरनाथ गुफा के लिए रवाना

जम्मू, (हि.स.)। बम बम भोले का जाप करते हुए जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से 6,523 श्रद्धालुओं का एक और जत्था 262 वाहनों में सवार होकर अमरनाथ की पवित्र गुफा के लिए गुरुवार सुबह रवाना हुआ। अधिकारियों के अनुसार कुल 6,523 श्रद्धालुओं में से 3746 श्रद्धालु 167 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए रवाना हुए, जिसमें 2,995 पुरुष, 665 महिलाएं, दो बच्चे, 75 साधु और नौ साध्वियां

हैं। इसी तरह बालटाल के लिए 2777 श्रद्धालु 97 वाहनों के काफिले में रवाना हुए हैं, जिनमें 1,750 पुरुष, 1020 महिलाएं, एक बच्चा और छह साधु हैं।

डीईआरसी अध्यक्ष के नाम पर नहीं बनी सहमति, अब सुप्रीम कोर्ट 28 को करेगा सुनवाई

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली के उप-राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) के अध्यक्ष पद के लिए किसी नाम पर सहमति नहीं बनी है, ऐसी स्थिति में वो तदर्थ चेयरमैन की नियुक्ति का आदेश देगा। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले पर अगली सुनवाई 28 जुलाई को करने का आदेश दिया। आज सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की ओर से वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने बताया कि कोर्ट के कहने पर हम उपराज्यपाल के पास गए। तीन नाम दिए गए। सिंघवी ने कहा कि यह संवैधानिक मामला है, लिहाजा कोर्ट जितने दिन बाद चाहे इसका निपटारा करे, परन्तु नियुक्ति करने के लिए नाम तय करें। तब कोर्ट ने कहा कि उप-राज्यपाल और मुख्यमंत्री हमें डीईआरसी के अध्यक्ष पद के लिए नाम दें, क्योंकि ये सिर्फ एक मामले का विषय नहीं है। इसका स्थाई समाधान होना चाहिए और कोर्ट

इसका समाधान करे। उधर, उप-राज्यपाल की ओर से वकील हरीश साल्वे ने कहा कि पिछली सुनवाई में सिंघवी ने खुद कहा था कि उनके पास चार-पांच नाम हैं। अब वो कुछ और कह रहे हैं। साल्वे ने कहा कि राष्ट्रपति ने जस्टिस उमेश कुमार की नियुक्ति की है। कोर्ट उसे अपने आदेश के जरिए चाहे तो रोक दे।

इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट फैसला दे। तब चीफ जस्टिस ने कहा कि हम इस तरह डीईआरसी के चेयरमैन नियुक्त नहीं कर सकते आखिर राष्ट्रपति ने उनको नियुक्त किया है। तब साल्वे ने कहा कि या तो कोर्ट अधिसूचना पर रोक लगाए या अंतरिम आदेश को जारी रखे। कोर्ट ने 17 जुलाई को कहा था कि दोनों संवैधानिक पदों पर बैठे हैं, लड़ाई छोड़कर राजनीति से ऊपर उठें। क्या सभी चीजें सुप्रीम कोर्ट ही तय करेगा। इसके पहले 4 जुलाई को कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस उमेश कुमार की डीईआरसी के अध्यक्ष के तौर पर शपथ लेने पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने डीईआरसी अध्यक्ष की नियुक्ति के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका पर केंद्र सरकार और उप-राज्यपाल को नोटिस जारी किया था।

वन हेल्थ दृष्टिकोण के तहत इको सिस्टम तैयार करना खाद्य नियामकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी : डॉ. मनसुख मांडविया

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को कहा कि वैश्विक सतत विकास के लिए खाद्यान्न, और खाद्य सुरक्षा के मुद्दों पर गहराई से विचार करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। वन हेल्थ दृष्टिकोण के तहत एक इको सिस्टम तैयार करना खाद्य नियामकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का काम है। संतुलित, सुरक्षित और पौष्टिक भोजन हमारे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करता है। डॉ. मांडविया गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित पहले वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन 2023 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस मौके पर केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र तोमर, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल और डॉ. भारती प्रवीण पवार भी उपस्थित थे। यह शिखर सम्मेलन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) का एक प्रयास है, ताकि खाद्य सुरक्षा प्रणालियों और नियामक ढांचे को मजबूत करने पर दृष्टिकोण का आदान-प्रदान करने के लिए खाद्य नियामकों का एक वैश्विक

मंच तैयार किया जा सके। डॉ. मांडविया ने कहा कि सुरक्षित भोजन और अच्छा स्वास्थ्य एक दूसरे के पूरक हैं। संतुलित, सुरक्षित और पौष्टिक भोजन निवारक देखभाल के रूप में कार्य करता है और हमारे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करता है। वन हेल्थ दृष्टिकोण के तहत एक इको सिस्टम बनाना खाद्य नियामकों का अत्यधिक जिम्मेदार काम है जो जलवायु, मानव, पशु और पौधों के स्वास्थ्य को सामूहिक रूप से देखने के लिए एक एकीकृत मंच प्रदान करता है। वैश्विक समुदाय के कल्याण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और एकजुटता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि यह सम्मेलन इस वर्ष के भारत के जी 20 प्रेसीडेंसी के विषय वसुधैव कुटुंबकम- एक पृथ्वी, एक राष्ट्र के साथ पूरी तरह से मेल खाता है और पूरक है।

डॉ. मांडविया ने खाद्य स्वास्थ्य के एक महत्वपूर्ण निर्धारक मिट्टी के स्वास्थ्य के पहलू पर हाल ही में घोषित पीएम-प्रणाम योजना की मुख्य विशेषताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि योजना किसानों को जैविक, प्राकृतिक और वैकल्पिक खेती करने के लिए प्रोत्साहित करती है। उन्होंने सभी देशों से वसुधैव कुटुंबकम (दुनिया एक परिवार है) की भावना से सामूहिक रूप से काम करने का आग्रह किया क्योंकि भोजन की कमी एक वैश्विक समस्या है, जिसके लिए सहयोगात्मक वैश्विक समाधान की आवश्यकता है। एफएसएसएआई के सीईओ जी कमला वर्धन राव ने कहा कि सुरक्षित और पौष्टिक भोजन अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है, जबकि असुरक्षित भोजन से हर साल 600 मिलियन संक्रमण और 4.2 लाख मौतें होती हैं। इस सम्मेलन में खाद्य सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार-विमर्श होगा और सुरक्षित खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नवीन समाधान लाएगी। उल्लेखनीय है कि वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन 2023 खाद्य सुरक्षा प्रणालियों से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर दृष्टिकोण और ज्ञान का आदान-प्रदान करने के लिए दुनिया भर के खाद्य नियामकों को एक साथ लाता है। वैश्विक शिखर सम्मेलन में विभिन्न तकनीकी सत्र होंगे, जो वैश्विक खाद्य नियामकों की भूमिका और जिम्मेदारियां, वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए चुनौतियां और समाधान, मजबूत मानक सेटिंग, खाद्य आपातकालीन प्रतिक्रिया में नवाचार जैसे कई विषयों पर केंद्रित होंगे।

मुरादाबाद में सड़क हादसे में हुई जनहानि पर मुख्यमंत्री योगी ने जताया शोक

– डीसीएम और ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से हुए हादसे में चार लोगों की मौत, कई घायल

मुरादाबाद/लखनऊ, (हि.स.)। मुरादाबाद के मैनाठेर के पास गुरुवार को डीसीएम और ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में कई लोग घायल हैं। घटना का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। उन्होंने मुरादाबाद में हुए सड़क हादसे में जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर घायलों को अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित इलाज कराए जाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के मैनाठेर के पास बघा गांव में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार मजदूरों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, डीसीएम और ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से यह हादसा हुआ है। सूचना पर जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और राहत कार्य किया। गंभीर हालत में घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें चार को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं कई घायलों का उपचार जारी है।

विदुर कुटी से पौधरोपण अभियान का शुभारम्भ करेंगे मुख्यमंत्री

–प्रदेश में 22 जुलाई को लगाये जायेंगे 30 करोड़ पौधे

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 22 जुलाई को बिजनौर में विदुर कुटी एवं मुजफ्फरनगर में शुकतीर्थ से पौधरोपण अभियान का शुभारम्भ करेंगे। इस अवसर पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह व वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना भी उपस्थित रहेंगे। वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना ने वन मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि पौधरोपण अभियान 2023 में प्रदेश का लक्ष्य 35 करोड़ है। समस्त विभागों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं तथा जनप्रतिनिधियों के सहयोग से 22 जुलाई को एक दिन में 30 करोड़ पौधों का रोपण किया जायेगा। इसके बाद 15 अगस्त 2023 को स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर पांच करोड़ पौधे लगाये जायेंगे। प्रदेश के सभी मंत्री नामित जनपद में प्रवास कर पौधरोपण में शामिल होकर कार्यक्रम का मार्गदर्शन करेंगे। शासन द्वारा अपर मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों को आवंटित जनपद में पहुंच कर पौधरोपण अभियान का संचालन करने का निर्देष दिया गया है। डॉ. अरुण सक्सेना ने बताया कि वृक्षारोपण कार्यक्रम में निर्वाचन की तरह इलेक्शन मोड में जोनल सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गयी है। 22 जुलाई को आधे दिन सभी कार्यालय, सभी विद्यालय तथा अन्य संस्थाएं केवल पौधरोपण कार्य में सहयोग देंगी। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा पौधरोपण किया जायेगा। स्कूलों में बच्चों को फलदार पौधे लगाने के लिए दिये जायेंगे।

परमहंस आश्रम पहुंचे आरएसएस प्रमुख भागवत, धुनी पर मत्था टेक किया पूजन-अर्चन

-अखंड भारत के निर्माण के लिए संघ प्रमुख भागवत हनुमानजी को चढ़ाएंगे 51 मन का लड्डू

मीरजापुर, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) के सरसंघचालक डा.मोहन भागवत गुरुवार की दोपहर दो दिवसीय प्रवास पर मीरजापुर पहुंचे। कड़ी सुरक्षा के बीच सक्तेशगढ़ स्थित परमहंस आश्रम पर आरएसएस प्रमुख का संतों ने स्वागत किया। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सबसे पहले परमहंस आश्रम परिसर में मौजूद धुनी पर मत्था टेका और पूजन-अर्चन किया। परिसर में मौजूद लोगों से बातचीत भी की। इसके बाद संघ प्रमुख विश्राम करने चले गए। वह दोपहर बाद 4:30 बजे स्वामी अड़गड़ानंद महाराज से मुलाकात करेंगे, फिर विंध्याचल के महुआरी कला स्थित देवरहा बाबा आश्रम के लिए प्रस्थान करेंगे। शाम 5:30 बजे देवरहा बाबा आश्रम पहुंचने के बाद मोहन भागवत रात्रि विश्राम करेंगे, फिर 21 जुलाई शुक्रवार की सुबह स्नान-ध्यान के बाद अखंड भारत के निर्माण के लिए देवरहा बाबा आश्रम में रामदूत हनुमानजी को चौथी बार शुद्ध देशी घी से निर्मित 51 मन लड्डू चढ़ाएंगे। इसके बाद देवरहा बाबा का आशीर्वाद लेंगे और 9:30 बजे काशी प्रस्थान करेंगे।

अखिलेश यादव ने कैप्टन अंशुमान सिंह की बहादुरी को किया नमन

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सियाचिन ग्लेशियर पर सैन्य शिविर में हुए अग्नि दुर्घटना पर दुख जताया है। उन्होंने इस हादसे में वीरगति को प्राप्त कैप्टन अंशुमान सिंह की वीरता को नमन किया है। अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट कर कहा कि सियाचिन ग्लेशियर पर हुई अग्नि दुर्घटना में सैनिकों को बचाते हुए वीर गति को प्राप्त होने वाले लखनऊ निवासी मेडिकल ऑफिसर कैप्टन अंशुमान सिंह की वीरता व साहस को नमन। सपा अध्यक्ष ने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि वह उन्हें सद्गति दें तथा दुर्घटना में घायल जवानों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि लद्दाख क्षेत्र के सियाचिन ग्लेशियर में बुधवार को एक घटना में उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित आलम नगर मोहान रोड स्थित एमरल्ड ग्रीन निवासी कैप्टन डॉ. अंशुमान सिंह वीरगति को प्राप्त हो गए थे। उनका पार्थिव शरीर गुरुवार को लखनऊ एयरपोर्ट पर पूर्वाह्न 9.40 बजे विशेष विमान से पहुंचा। उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद उनका पार्थिव शरीर पैतृक आवास देवरिया ले जाया जायेगा।

चार सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रहा गंगा जलस्तर, प्रशासन अलर्ट

- 69 मीटर के करीब पहुंचा जलस्तर, चेतावनी बिंदु 76.72 मीटर

मीरजापुर, (हि.स.)। मीरजापुर में गुरुवार को सुबह आठ बजे तक गंगा का जलस्तर 68.750 मीटर पहुंच गया। जबकि एक दिन पूर्व गंगा जलस्तर 68.130 मीटर था। देर रात चार सेंटीमीटर प्रतिघंटे की दर से गंगा का जलस्तर बढ़ने लगा था। तटवर्ती इलाके में रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने के साथ बाढ़ से संबंधित सूचना बाढ़ चौकी को देने की अपील की गई है, ताकि समय रहते सुरक्षा के साथ राहत पहुंचाई जा सके। उत्तर प्रदेश में कम बारिश होने के बावजूद लगातार गंगा जलस्तर बढ़ रहा है। मीरजापुर में चार सेंटीमीटर प्रतिघंटे से जलस्तर बढ़ रहा है। जबकि यहां बहुत ही कम बारिश हुई है। पानी बढ़ने के पीछे दूसरे प्रांतों में आई बाढ़ का कारण बताया जा रहा है। प्रशासन की मानें तो यमुना नदी ऊफान पर है।

वहीं उत्तराखंड में अधिक वर्षा हुई है। दोनों स्थानों का पानी अब गंगा में छोड़ा जा रहा है, जिससे उत्तर प्रदेश के जिले से गुजरी गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बताया गया कि आने वाले दिनों में और अधिक पानी बढ़ेगा, क्योंकि अभी भी दूसरे प्रांतों में वर्षा जारी है। संभावित बाढ़ के दृष्टिगत प्रशासन ने सभी को अलर्ट कर दिया है।

प्रतापगढ़ के तीन रेलवे स्टेशन का नाम बदला, सांसद ने जताई खुशी

प्रतापगढ़, (हि.स.)। प्रतापगढ़ जंक्शन को बेल्हा देवी, अंतू स्टेशन को मां चंद्रिका देवी धाम व विश्वनाथगंज रेलवे स्टेशन को शनिदेव धाम के नाम से अब जाना जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय से स्वीकृति मिलने के बाद इसका पत्र जारी हो गया है। जंक्शन समेत तीन स्टेशनों के नाम बदलने पर प्रतापगढ़ सांसद ने खुशी जाहिर की है। प्रतापगढ़ सांसद संगम लाल गुप्ता ने प्रतापगढ़ जंक्शन, अंतू और विश्वनाथगंज रेलवे स्टेशन नाम बदलने का प्रस्ताव दो वर्ष पूर्व रेल मंत्रालय को भेजा था। पत्र के आधार पर स्टेशन का नाम बदलने की पूरी कार्यवाही की गई। जनपद में डेढ़ साल पहले रानीगंज के दांदूपुर स्टेशन का नाम मां बाराही धाम हो चुका है। अब गृह मंत्रालय ने तीन और स्टेशनों का नाम बदलने की अनुमति दी है। जिले में प्रतापगढ़ जंक्शन सहित चार स्टेशन ऐसे हैं जो पौराणिक और ऐतिहासिक स्थलों के समीप हैं। इसमें प्रतापगढ़ जंक्शन के समीप मां बेल्हादेवी धाम, अंतू स्टेशन के पास मां चंद्रिकन देवी धाम, विश्वनाथगंज रेलवे स्टेशन के निकट शनिदेव धाम और पृथ्वीगंज रेलवे स्टेशन के समीप ऐतिहासिक हवाई अड्डा है। चारों स्थल जिले की पहचान हैं। ऐतिहासिक मंदिरों में जिले के साथ ही गैर जनपद के लोग भी दर्शन-पूजन करने के लिए आते हैं। सांसद संगम लाल गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रेल मंत्रालय का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन का नाम परिवर्तन जन आस्था से जुड़ा है। यह जनपद के पौराणिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले स्थल हैं। पर्यटन के विकास में मील के पत्थर साबित होंगे। उल्लेखनीय है कि कौशांबी सांसद व भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव विनोद सोनकर ने वर्ष 2020 में जगद्गुरु कृपालुजी महाराज की जन्मस्थली मनगढ़, कुंडा हरनामगंज रेलवे स्टेशन का बदलने का प्रस्ताव शासन को दिया था। इसके बाद रेल मंत्रालय और गृह मंत्रालय को भी पत्र भेजा था। अभी इसको लेकर प्रक्रिया चल रही है।

मायावती ने मणिपुर की घटना को बताया शर्मनाक

लखनऊ, (हि.स.)। मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनकी परेड कराने और यौन उत्पीड़न के मामले में बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष व उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने घटना कड़ी निंदा की है। उन्होंने भाजपा सरकार और मणिपुर के मुख्यमंत्री पर तीखी टिप्पणी की है। मायावती ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट कर कहा कि 'मणिपुर में अनवरत जारी हिंसा व तनाव से पूरा देश चिन्तित है। महिला के साथ अभद्रता की ताजा घटना खासकर भाजपा व उनकी सरकार को शर्मसार करने वाली है। वैसे तो राज्य में कानून-व्यवस्था काफी पहले से चरमराई हुई है, किन्तु क्या बीजेपी अभी भी ऐसे मुख्यमंत्री को संरक्षण देती रहेगी ?'

दिल्ली पुलिस का फर्जी सब इंस्पेक्टर गिरफ्तार

गाजियाबाद, (हि.स.)। पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को दिल्ली पुलिस के एक फर्जी सब इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया। वह दिल्ली पुलिस की वर्दी धारण कर फर्जी सब इंस्पेक्टर बनकर पुलिस का रौब दिखाकर विवादित भूमि पर कब्जा कराने, कब्जा छुड़ाने एवं अन्य विवादित मामलों को धमकाकर निपटाने और अवैध रूप से धन उगाही करने का काम करता था। उसके पास से सब इंस्पेक्टर का फर्जी परिचय पत्र, सफेद धातु के स्टार, दिल्ली पुलिस के शोल्डर बैज सफेद धातु और दिल्ली पुलिस की एक बेल्ट बरामद की। पुलिस उपायुक्त निपुण अग्रवाल के मुताबिक पूछताछ में अभियुक्त योगेश शर्मा ने बताया कि उसने हाईस्कूल तक शिक्षा ग्रहण की है। फिर उसने ड्राइविंग सीखी और दिल्ली मे प्राइवेट बस चलाने लगा फिर जब वो बस बंद हो गयी तो उधार पैसा लेकर अपनी बस खरीद ली और चलाने लगा, लेकिन उसमे काफी घाटा हो गया और उधारी नहीं चुका सका। इसके बाद वह हरिद्वार भाग गया और हरिद्वार में सत्संग आश्रम में रहने लगा। तीन वर्ष वहां रहने के बाद वापस आया और गाजियाबाद के इंदिरापुरम में सहरावत की बस चलाने लगा। इसकी गलत संगत व आदतों के कारण पत्नी ने भी छोड़ दिया। फिर ये ग्राम गोठरा थाना खेकड़ा बागपत में रहने लगा और इसने दिल्ली पुलिस के सब इंस्पेक्टर की कई वर्दियां बनवा लीं और गांव के लोगों को बता दिया कि मैं दिल्ली पुलिस मे सब इंस्पेक्टर हूं। गांव से वर्दी पहनकर मोटरसाइकिल से निकलता था और लोनी, ट्रोनिका सिटी, लोनी बॉर्डर व उससे लगे दिल्ली के आसपास के थानों में अपने एक साथी के साथ मिलकर विवादित प्रॉपर्टियों एवं प्रकरणों को डरा धमकाकर निपटारा करने लगा और अवैध उगाही करने लगा। फर्जी सब इंस्पेक्टर बनकर यह काम करीब 2-3 वर्षों से कर रहा है। पहले भी क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर धोखाधड़ी कर चुका है, जिसमें 11 मार्च 2021 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, विनोद सिन्हा और अनिल वास्तवडे ईडी कोर्ट में पेश

रांची, (हि.स.)। मनी लॉन्ड्रिंग केस के आरोपित पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, उनके सहयोगी मनोज पुनमिया, अनिल आदिनाथ वास्तावड़े समेत अन्य आरोपित गुरुवार को ईडी की विशेष कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए। अदालत में आज ईडी की ओर से गवाह प्रस्तुत किया जाना था लेकिन गवाह उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख पांच अगस्त को निर्धारित की है। मधु कोड़ा के मुख्यमंत्री काल में उनके मंत्रिमंडल में शामिल मंत्रियों और उनके सहयोगियों पर करोड़ों रुपये की अवैध कमाई करने का आरोप है। इस पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई और ईडी ने की है।

मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े अन्य मामलों में पूर्व मंत्री एनोस एक्का, बंधु तिर्की और हरिनारायण राय को कोर्ट सजा सुना चुका है। कई लोग अभी भी ट्रायल फेस कर रहे हैं।

सर्पदंश के बढ़ते मामलों पर स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

रांची, (हि.स.)। राज्य में सर्पदंश के बढ़ते मामलों पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने एडवाइजरी जारी की है। बताया गया है कि राज्य के विभिन्न जिलों में एंटी स्नेक वेनम की 9532 डोज उपलब्ध है। स्वास्थ्य विभाग ने रिम्स निदेशक समेत सभी मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य और सभी जिलों के सिविल सर्जन को पत्राचार करते हुए सर्पदंश से होने वाली आकस्मिक घटनाओं के बचाव, रोकथाम और उपचार से संबंधित मार्गदर्शिका का अनुपालन करने का निर्देश दिया है। विभाग की एडवाइजरी में कहा गया है कि सर्पदंश से लोगों की मौत का मुख्य कारण इलाज में देरी और समुदाय में जागरुकता की कमी है। राज्य में पाए जाने वाले सांप की 250 से अधिक प्रजाति में केवल 25 प्रतिशत ही जहरीली है।

बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री पर बोला हमला

रांची, (हि.स.)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हमला बोला है। सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्यमंत्री पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा है कि अपनी हरकतों के कारण वे जेल जा सकते हैं। सत्ता से हटने के पहले वे पूरे राज्य को लूटने पर आमादा हैं।उन्हें पता है कि वे अब कभी मुख्यमंत्री नहीं बनने वाले हैं। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार के लिए डूब मरने की स्थिति हो गयी है। अब हाई कोर्ट ने भी साफ कह दिया है कि रांची में बिल्डर और माफिया जमीन कब्जा कर बेच रहे हैं। ये हाल सिर्फ राजधानी रांची का ही नहीं, देवघर, गिरिडीह जैसे कई अन्य शहरों का भी है। जमीन माफिया अफसरों, सत्ताधारियों से मिलकर जमीन के गोरखधंधे में गंध मचाए हुए हैं। पीडितों पर कहर ढाना, अपराधियों की आवभगत करना, सरकारी करप्शन के खिलाफ आवाज उठाने वाले विरोधी दलों के लोगों, पत्रकारों तक पर फर्जी मुकदमा कर परेशान करना हेमंत सरकार का राजकीय धर्म बन गया है।

ऊर्जा विभाग जल्द अडाणी ग्रुप को भेजेगा पत्र, 400 मेगावाट बिजली की होगी मांग

रांची, (हि.स.)। गोड्डा में स्थित अडाणी ग्रुप को ऊर्जा विभाग जल्द एक पत्र भेजेगा। इस पत्र में झारखंड सरकार के पूर्व में हुए एमओयू के अनुसार 400 मेगावाट बिजली की मांग की जाएगी। इस संबंध में ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने बताया कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने अडानी ग्रुप के एमडी राजेश अडानी ने मुलाकात की थी। इसमें मुख्यमंत्री ने एमडी से शर्तों के तहत 400 मेगावाट बिजली सस्ती दर पर उपलब्ध कराने का मुद्दा उठाया था। इसके बाद ही विभाग अडाणी को पत्र भेजेगा। इतना नहीं जल्द ही अडाणी ग्रुप के अधिकारी और झारखंड बिजली वितरण निगम के अधिकारी बैठक कर इस मुद्दे का समाधान निकालेंगे। अदानी पावर प्लांट से बिजली उत्पादन शुरू हो गया है। उत्पादित बिजली बांग्लादेश को दी जा रही है। झारखंड का प्लांट से उत्पादित बिजली फिलहाल नहीं मिल रही है। पिछले कुछ समय से उर्जा विभाग, जेबीवीएनएल और अदानी पावर प्लांट के अधिकारियों के बीच इस मामले को लेकर लगातार बैठक हो रही है। अब उर्जा विभाग की ओर से अदानी समूह को पत्र भेजने की तैयारी की जा रही है, जहां राज्य के लिये 400 मेगावाट बिजली की मांग की जायेगी। पत्राचार के बाद इस मामले में बैठक कर समाधान निकाला जायेगा। पावर परचेस एग्रीमेंट के तहत किसी भी राज्य में पावर प्लांट लगाने पर 25 फीसदी बिजली उस राज्य को देने का प्रावधान है। अदानी पावर प्लांट के साथ पूर्व सरकार ने एग्रीमेंट तो किया लेकिन अदानी पावर प्लांट के गोड्डा स्थित प्लांट से बिजली दी जायेगी या कहीं और से इस पर स्पष्ट एग्रीमेंट नहीं किया। इसके बाद से ही प्लांट से उत्पादित बिजली से अटकलें शुरू हो गयी। ऐसे में राज्य उर्जा विभाग की ओर से इस पर आपसी सहमति की बात बनी है। अदानी पावर प्लांट में दो यूनिट है. दोनों से 800-800 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है, जिससे 1450 मेगावाट बिजली उत्पादन हो रही है। पावर प्लांट इस साल अप्रैल से शुरू है लेकिन इससे उत्पादित बिजली बांग्लादेश जा रही है। भारत और बांग्लादेश सरकार के बीच 2017 में हुए एमओयू के अनुसार, अदानी पावर प्लांट गोड्डा के पावर प्लांट से 1600 मेगावाट बिजली देता रहेगा। ऐसे में अदानी पावर प्लांट अब किसी अन्य राज्य से बिजली झारखंड को उपलब्ध करायेगा।

अवैध हथियार लहराने का आरोपी जिला पार्षद नीतीश कुमार गिरफ्तार

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय जिले की पुलिस ने गोलीबारी करने के आरोपी जिला परिषद सदस्य नीतीश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। नीतीश कुमार को चकिया क्षेत्र के रूपनगर गांव में गुप्ता-लखमीनिया बांध के समीप से गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि गुरुवार को चकिया सहायक थाना की पुलिस को सूचना मिली कि जिला परिषद सदस्य क्षेत्र संख्या-20 का सदस्य नीतीश कुमार अपने कुछ सहयोगियों के साथ गांव में गुप्ता-लखमीनिया बांध के समीप है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर नीतीश को गिरफ्तार कर लिया। मौके पर से उसके दो सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ जारी रहने के कारण पुलिस अभी इस संबंध में कुछ नहीं बोल रही है। उल्लेखनीय है कि रूपनगर गांव निवासी संजीव कुमार राय उर्फ खुरखुर ने नीतीश एवं उसके आठ सहयोगियों पर होली के दिन गोलीबारी और जानलेवा हमला करने का मामला थाना में दर्ज कराया था। उस समय नीतीश कुमार द्वारा किए जा रहे अवैध हथियार के प्रदर्शन का एक वीडियो भी वायरल हुआ था। मामला दर्ज होने के बाद नीतीश ने आरोप लगाया था कि अवैध खनन का विरोध करने पर उसे फंसाया जा रहा है। जिसके बाद मामला काफी हाई प्रोफाइल हो गया तथा चार महीने बाद पुलिस को आरोपित जिला पार्षद को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है।

बिहार में बूढ़ी गंडक नदी पर नवनिर्मित पुल उद्घाटन से पहले ही क्षतिग्रस्त

पटना/बेगूसराय, (हि.स.)। राष्ट्रीय उच्च पथ (एनएच)-31 फोरलेन के बेगूसराय-खगड़िया खंड पर गुरुवार को खगड़िया में बूढ़ी गंडक नदी पर नवनिर्मित पुल का एक हिस्सा धंस गया। सड़क के टूटे हिस्से का मलबा नदी में गिर रहा है तथा दरार भी बढ़ती जा रही है। फिलहाल पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। निर्माण एजेंसी के अधिकारी को भी बुलाया गया है। यदि यह पुल क्षतिग्रस्त हो जाता है तो बेगूसराय का पूर्णिया सहित देश के पूर्वी हिस्से से फोरलेन के माध्यम से सड़क संपर्क टूट जाएगा। बताया जा रहा है कि फोरलेन बनाने वाली एजेंसी पुंज लायड द्वारा इस पुल का निर्माण कराया गया है तथा अभी उद्घाटन भी नहीं हो सका है। उद्घाटन से पहले ही पुल का एक हिस्सा धंसने से इसके गुणवत्ता पर सवाल खड़ा हो गया है। इस पुल के बगल में स्थित पुराने पुल से भी परिचालन बंद हो चुका है तथा उसका मरम्मत चल रहा है। इस बीच नवनिर्मित पुल के उद्घाटन से पहले ही धंसने से लोग परेशान हैं तथा एक लेन आवागमन चल रहा है। बताया जा रहा है कि सिमरिया (बेगूसराय) से खगड़िया के बीच एनएचआई द्वारा 62.232 किलोमीटर लंबी सड़क के फोरलेन करने के दौरान इस पुल का निर्माण कार्य दिसम्बर 2017 में शुरू किया गया था। इस वर्ष के शुरूआत में पुल बनकर तैयार हुआ, लेकिन अभी उद्घाटन नहीं हो सका था।

भागलपुर में गैरकानूमी मिनी गन फैक्टरी का भंडाफोड, दो गिरफ्तार

भागलपुर, (हि.स.)। जिले के लोदीपुर थाना क्षेत्र के उस्तु गांव में पुलिस ने मिनी गन फैक्टरी का उद्भेदन किया है। इस मामले में पुलिस ने मो. अंजारूल और मो. सलमान उर्फ सलमी को गिरफ्तार किया है।साथ ही अवैध आग्नेयास्त्र एवं उपकरण बरामद हुआ है। यह जानकारी गुरुवार को एसएसपी आनंद कुमार ने दी। एसएसपी ने बताया कि बीते 19 जुलाई को सूचना प्राप्त हुई कि लोदीपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत उस्तु गांव में अवैध रूप से मिनी गन फैक्टरी का संचालन किया जा रहा है। इस पर पुलिस उपाधीक्षक विधि-व्यवस्था डॉ. गौरव कुमार के नेतृत्व में छापेमारी कर देशी पिस्तौल 05, अर्द्धनिर्मित दो नाली देशी राईफल 02, देशी कट्टा का अर्द्धनिर्मित बट बॉडी 07 पीस, अर्द्धनिर्मित देशी कट्टा का बैरल 02 पीस, बैरल 08 पीस, दो नाली बन्दूक का बैरल 01 पीस, एक नाली बन्दूक का बैरल 02 पीस, खोखा 03 पीस, हथियार के पाट्र्स बनाने में उपयोग होने वाली ट्रीगरनुमा लोहे का टुकड़ा 15 पीस, हैन्ड ब्लोवर (भांती) मशीन 01 पीस, लोहे का बना बेस 02 पीस, छेनी 02 पीस, हथौड़ा 01 पीस, हेक्सा ब्लेड 01 पीस, रेती 01 पीस, ड्रील मशीन 01 पीस और मोबाईल 02 पीस बरामद किया है।

संपादकीय

मोदी बनाम 'इंडिया'

विपक्षी दलों के गठबंधन ने अपना नया नाम रखा है-'इंडिया।' इसकी संपूर्ण शब्दावली है-'इंडियन नेशनल डिवेलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस।' इसी का संक्षिप्त नामकरण 'इंडिया' है। यकीनन यह एक राष्ट्रीय, कूटनीतिक, चुनावी लाभ और समझदारी का नामकरण है। यह सुझाव तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष एवं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रखा था। हालांकि नामकरण पर खूब चर्चा हुई। ममता ने नामकरण में 'डेमोक्रेटिक' शब्द जोड़ा था, जिसमें राहुल गांधी ने संशोधन कर 'डिवेलपमेंटल' कर दिया। यह 'विकासवाद' का प्रतीक-शब्द प्रधानमंत्री मोदी के विकास अभियान का मुकाबला करने को रखा गया। अब विपक्षी गठबंधन के चुनाव प्रचार, बैनर, पोस्टर, जनसभाओं के संबोधन में 'इंडिया' शब्द का ही इस्तेमाल किया जाएगा। ममता बनर्जी ने तो चुनौतीपूर्ण सवाल भी उछाल दिया है-'क्या भाजपा इंडिया को चैलेंज कर सकती है?' उन्होंने प्रचार का नारा भी बुलंद किया है-'भाजपा हारेगी, 'इंडिया' जीतेगा।' विपक्षी गठबंधन के 'इंडिया' को 'भारत देश' के पर्यायवाची के तौर पर पेश किया जा रहा है। यही 2024 के आम चुनाव की सियासत है, लेकिन 1950 के 'राष्ट्रीय प्रतीक और नाम (अनुचित उपयोग की रोकथाम) अधिनियम' के मुताबिक यह प्रयोग गलत और अवैध है। इस पर चुनाव आयोग खुद संज्ञान ले सकता है अथवा कोई सर्वोच्च अदालत में चुनौती दे सकता है, क्योंकि 'भारत' या 'इंडिया' किसी भी दल, व्यापार, पेशे, परियोजना आदि का नामकरण सिर्फ देश के नाम के समानार्थी नहीं रखा जा सकता। यह सिर्फ देश, राष्ट्र का नाम है और न ही 'तिरंगा' इस्तेमाल किया जा सकता है। उसमें एक और शब्द या कोई अन्य चित्र जोडना कानूनन अनिवार्य है। बहरहाल यह भविष्य या कानूनी चुनौती का सवाल है। फिलहाल 'इंडिया' के नेताओं ने घोषित कर दिया है कि 2024 की लड़ाई भाजपा की सोच, विचारधारा, प्रधानमंत्री मोदी, उनकी कथित तानाशाही और 'इंडिया' के बीच की होगी। अब लड़ाई 'इंडिया' के संविधान और लोकतंत्र को बचाने की होगी। अब लड़ाई 'इंडिया' की जनता की रक्षा के लिए, और बेरोजगारी, महंगाई, खस्ता अर्थव्यवस्था, किसानी, दलित, पिछड़ों और देश की आजादी की खातिर होगी। ऐसा विपक्ष के अलग-अलग नेताओं ने आह्वान किए हैं। बहरहाल बेंगलुरु की बैठक में विपक्ष के 26 दलों ने शिरकत की। इनमें से कमोबेश 10 दलों का लोकसभा में एक भी सांसद नहीं है। विपक्ष एकजुट होता जरूर दिखने लगा है, लेकिन अब भी रास्ता और मंजिल बहुत दूर हैं। अलबत्ता 'इंडिया' का दिल्ली में सचिवालय होगा। गठबंधन का संयोजक भी होगा। गठबंधन की 11 सदस्यीय समन्वय समिति भी बनाई जाएगी। ये निर्णय बैठक में लिए गए हैं। आगामी बैठक मुंबई में होगी, जिसमें संयोजक का नाम और साझा न्यूनतम कार्यक्रम के कुछ बुनियादी बिंदुओं की घोषणा की जा सकती है। इसके समानांतर नई दिल्ली में सत्तारूढ़ गठबंधन एनडीए के 38 दलों की भी बैठक हुई। इसमें भी 20-22 दल ऐसे हैं, जिनका प्रतिनिधित्व संसद में है ही नहीं। बहरहाल ये मुद्दे चुनाव के लिहाज से ज्यादा महत्त्वपूर्ण नहीं होते। आम चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर ही होगा, जो तीसरे कार्यकाल के लिए जनादेश मांगेंगे। उन्होंने एनडीए की बैठक से पहले और बाद में 2024 का चुनावी एजेंडा तय करने की कोशिश की है। प्रधानमंत्री ने विपक्ष के 'जातिवाद के जहर' और '20 लाख करोड़ रुपए के घोटालों' को लेकर विपक्ष पर तगड़े प्रहार किए और भ्रष्टाचार पर कार्रवाई की गारंटी देश को दी। उन्होंने एनडीए के साथियों को विश्वास दिलाया कि देश का जनमत उनके पक्ष में है। हमें 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिलेंगे। गौरतलब है कि 2019 में भी भाजपा को 234 सीटों पर 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। जनमत को लेकर देश ही नहीं, दुनिया के बड़े देश भी आश्वस्त हैं, लिहाजा वे हमें आमंत्रित कर रहे हैं और भारत के साथ बड़े-बड़े समझौते भी लिख रहे हैं। अक्सर सरकार के बाहर जाने वाली पार्टी के साथ वैश्विक स्तर पर ऐसा व्यवहार नहीं किया जाता। 2024 की 'मोदी बनाम इंडिया' की लड़ाई दिलचस्प होगी। हम भी लगातार दृष्टि बनाए रखेंगे, क्योंकि अंततः जनादेश भारत हित में होना चाहिए। नामकरण तो शुरुआती प्रयास भर है।

ममता ने नामकरण में 'डेमोक्रेटिक' शब्द जोड़ा था, जिसमें राहुल गांधी ने संशोधन कर 'डिवेलपमेंटल' कर दिया। यह 'विकासवाद' का प्रतीक-शब्द प्रधानमंत्री मोदी के विकास अभियान का मुकाबला करने को रखा गया। अब विपक्षी गठबंधन के चुनाव प्रचार, बैनर, पोस्टर, जनसभाओं के संबोधन में 'इंडिया' शब्द का ही इस्तेमाल किया जाएगा। ममता बनर्जी ने तो चुनौतीपूर्ण सवाल भी उछाल दिया है-'क्या भाजपा इंडिया को चैलेंज कर सकती है?' उन्होंने प्रचार का नारा भी बुलंद किया है-'भाजपा हारेगी, 'इंडिया' जीतेगा।' विपक्षी गठबंधन के 'इंडिया' को 'भारत देश' के पर्यायवाची के तौर पर पेश किया जा रहा है। यही 2024 के आम चुनाव की सियासत है, लेकिन 1950 के 'राष्ट्रीय प्रतीक और नाम (अनुचित उपयोग की रोकथाम) अधिनियम' के मुताबिक यह प्रयोग गलत और अवैध है। इस पर चुनाव आयोग खुद संज्ञान ले सकता है अथवा कोई सर्वोच्च अदालत में चुनौती दे सकता है, क्योंकि 'भारत' या 'इंडिया' किसी भी दल, व्यापार, पेशे, परियोजना आदि का नामकरण सिर्फ देश के नाम के समानार्थी नहीं रखा जा सकता।

कुछ अलग

एयरपोर्ट नगर बसाएं

हिमाचल में विस्थापन को अवसर में बदला जाए, तो जन सहमति और जन भागीदारी भी बढ़ेगी, लेकिन इसके लिए पहले से ही पुनर्वास की अधोसंरचना तय होनी चाहिए। फोरलेन परियोजनाओं के बाद कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार इस आशय के विकल्प तैयार कर सकता है ताकि विस्थापन के दंश भूलकर लोग खुशहाली के नए मार्ग पर आश्वस्त हो जाएं। कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के साथ एक नया आर्थिक संसार उभर रहा है, तो इसके प्रथम हकदार विस्थापित लोग होने चाहिएं। यानी आइंदा कांगड़ा में विकास परियोजनाओं की परिकल्पना में पुनर्वास को जोडना होगा। सरकार कांगड़ा को पर्यटन राजधानी बनाना चाहती है, तो गौर यह किया जाए कि सर्वप्रथम इनसे गगल एयरपोर्ट विस्तार की जद में आए विस्थापित लाभान्वित हों। यह संभव है। मसलन अब तक की प्लानिंग में जितनी भी पर्यटन परियोजनाएं सामने आई हैं, उनके साथ व्यापारिक संभावनाओं की जगह तय करते हुए व्यापारिक पुनर्वास किया जाए। चौबीस घंटे चलने वाले पर्यटन गांव को ही अगर एयरपोर्ट विस्तार का हिस्सा बना दिया जाए, तो गगल की व्यापारिक पीड़ा का हल निकल आएगा। इसी तरह टैंट कालोनी या फिल्म सिटी जैसी परियोजनाओं के तहत विस्थापित लोगों को आर्थिक बिछौने पर बैठाया जा सकता है। इस लिहाज से कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार को गति देते हुए यह भी तय करना जरूरी है कि विस्थापित लोगों को आश्रय के साथ-साथ पुनर्वासित व्यापार भी चाहिए। गगल के समीप चामुंडा व कांगड़ा के धार्मिक स्थलों पर कांगड़ा एयरपोर्ट पुनर्वास मार्किट बनाई जाएं, जिनका निर्माण हवाई अड्डा विस्तार के बजट से किया जाए। ऐसे में लाजिमी यह भी है कि एयरपोर्ट विस्तार की सीमा रेखा में गगल-इच्छी के उजड़ते व्यापार को फिर से आश्रय दिया जाए। इसके लिए एयरपोर्ट के समीप एक एयरपोर्ट नगर बसाया जा सकता है। यह किसी भी दिशा में फोरलेन या अन्य मार्ग से जुड़े स्थान पर एक आधुनिक व व्यापारिक शहर के प्रारूप में एक नया आर्थिक जोन बन सकता है। यानी धर्मशाला, कांगड़ा, शाहपुर व नगरोटा जैसे शहरों के बीच एयरपोर्ट नगर का महत्त्व पर्यटन, परिवहन, शिक्षा, चिकित्सा व प्रशासनिक दृष्टि से तो होगा, साथ ही यहां आवासीय बस्ती के तहत पुनर्वास भी संभव होगा। कांगड़ा अगर पर्यटन राजधानी बन रहा है, तो उसकी कुछ परियोजनाएं एयरपोर्ट नगर में विकसित की जा सकती हैं। यह शहर कई विभागीय अर्थों में भी समृद्ध हो सकता है। अगर एक दिशा में एयरपोर्ट नगर को पूरी जमीन नहीं मिलती, तो इसे विभक्त करके किसी एक स्थान पर ट्रांसपोर्ट नगर, कहीं पर्यटन नगर, कहीं आईटी पार्क, कहीं पुनर्वास बस्ती और कहीं व्यापारिक परिसर के रूप में स्थापित किया जा सकता है। कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के बचे-खुचे विरोध का भी मानवीय समाधान आवश्यक हो जाता है और इसे एक मॉडल के रूप में देखें, तो हिमाचल में विकास की अड़चनें खत्म होंगी जबकि पुनर्वास से आर्थिक संभावनाएं परिलक्षित होंगी। हम पहले भी कह चुके हैं कि प्रदेश सरकार को आवश्यकतानुसार कम से कम छह निवेश शहरों के लिए विभिन्न प्रमुख मार्गों के किनारे स्थल चयन कर लेना चाहिए। ये निवेश केंद्र हर विस्थापित को घर व रोजगार के बदले रोजगार देने का आश्वासन देंगे। हिमाचल को आगे बढ़ाने के लिए जिस जमीन की जरूरत है, वहां विस्थापन तय है। यह मुआवजा राशि से इतर छत की तलाश और नए रोजगार का विकल्प भी तराश ले, तो जन सहयोग और सहमित हासिल करना आसाना हो जाएगा। जिस प्राथमिकता से हिमाचल सरकार कांगड़ा एयरपोर्ट का विस्तार कर रही है, उससे बेशक आगामी सदियां बदल जाएंगी, लेकिन इस परियोजना के साथ एयरपोर्ट नगर का विकास नत्थी किया जाए, तो परिदृश्य में साधुवाद भी पैदा होगा।

परिणाम यह हुआ कि उन पर द वाइयों का असर एकदम से बंद हो गया और उनकी सेहत गिरती चली गई

झूठी दिलासा या झूठे डर

पीके खुराना

बीसवीं शताब्दी में अस्सी के दशक में लॉस एंजेलीस में स्थित यूनिवर्सिटी ऑव कैलिफोर्निया में एक अछूता प्रयोग शुरू हुआ जहां हमारे शरीर पर भावनाओं के असर का अध्ययन किया गया। युनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के सहयोग से कई अन्य मेडिकल विश्वविद्यालयों में भी इसी तरह के शोध आरंभ हुए और इन सबकी मिलीजुली खोज का परिणाम यही था कि हमारी भावनाएं हमारे स्वास्थ्य पर गहरा असर डालती हैं। कोई गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति अगर खुशनुमा माहौल में रहे, खुद खुश रहे और उसमें जीवन के प्रति उत्साह बना रहे तो वह अपनी बीमारी से जल्दी पार पा लेता है। बहुत से मरणासन्न मरीज इस प्रयोग के चलते जीवनदान पा गए और बहुत से अन्य मरीज डॉक्टरों की उम्मीद से ज्यादा जिए।

साइंस की रिसर्च से सिद्ध हुआ है कि हमारी सेहत पर हमारी भावनाओं का गहरा असर होता है। खुशी, उत्साह, आशा, निश्चय, विश्वास, स्नेह, उत्सव आदि जहां हमारे स्वास्थ्य के लिए वरदान सिद्ध होते हैं, वहीं निराशा, गुस्सा, तनाव, डर, आत्मग्लानि, अवसाद, अकेलापन, बोरियत जैसी भावनाएं हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। पौष्टिक भोजन हमें स्वस्थ बनाता है, व्यायाम हमें स्वस्थ बनाता है, लेकिन जिस एक तथ्य को हम नहीं जानते, वो ये है कि हमारी भावनाएं भी हमें स्वस्थ या बीमार बना सकती हैं। बीसवीं शताब्दी में अस्सी के दशक में लॉस एंजेलीस में स्थित यूनिवर्सिटी ऑव कैलिफोर्निया में एक अछूता प्रयोग शुरू हुआ जहां हमारे शरीर पर भावनाओं के असर का अध्ययन किया गया। युनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के सहयोग से कई अन्य मेडिकल विश्वविद्यालयों में भी इसी तरह के शोध आरंभ हुए और इन सबकी मिलीजुली खोज का परिणाम यही था कि हमारी भावनाएं हमारे स्वास्थ्य पर गहरा असर डालती हैं। कोई गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति अगर खुशनुमा माहौल में रहे, खुद खुश रहे और उसमें जीवन के प्रति उत्साह बना रहे तो वह अपनी बीमारी से जल्दी पार पा लेता है। बहुत से मरणासन्न मरीज इस प्रयोग के चलते जीवनदान पा गए और बहुत से अन्य मरीज डॉक्टरों की उम्मीद से ज्यादा जिए। इन प्रयोगों से ये भी पता चला कि जिन मरीजों को डॉक्टर ने यह कहा था कि बीमारी इतनी अधिक गहरी है कि उनका जीवन सीमित है, वे इस खबर से इतने निराश हुए कि उनमें जीवन जीने की इच्छा ही समाप्त हो गई। परिणाम यह हुआ कि उन पर द वाइयों का असर एकदम से बंद हो गया और उनकी सेहत गिरती चली गई। लेकिन ऐसे मरीजों में से कुछ ऐसे भाग्यशाली भी थे जो इस प्रयोग का हिस्सा बने, उनमें जीवन जीने की इच्छा का संचार हुआ और उनकी सेहत फिर से सुधरने लग गई। यह एक अकाट्य तथ्य है कि हम जो खाते हैं उससे हमारी सेहत प्रभावित होती है, हमारे लाइफस्टाइल से भी हमारी सेहत प्रभावित होती

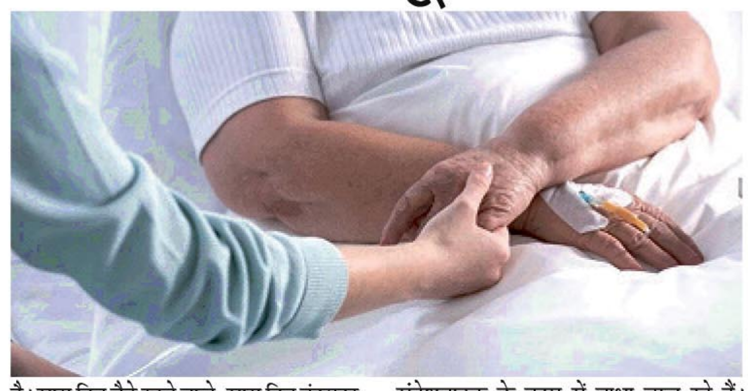

है। सारा दिन बैठे रहने वाले, सारा दिन कंप्यूटर पर काम करने वाले, सारा दिन खड़े रहकर काम करने वाले, सारा दिन भागदौड़ में व्यस्त रहने वाले, व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने वाले लोगों का स्वास्थ्य उनकी दिनचर्या से प्रभावित होता है। बिल्कुल इसी तरह हमारी भावनाओं का भी हमारी सेहत पर गहरा असर होता है। क्रोध, निराशा, हताशा, पछतावा, डर, घृणा, उदासी आदि भावनाओं से ग्रस्त व्यक्ति कई तरह की बीमारियां मोल ले लेता है और अगर बीमार हो तो या तो ठीक नहीं हो पाता या फिर ठीक होने में लंबा समय लेता है। इसके विपरीत खुशमिजाज व्यक्ति कम बीमार पड़ता है और बीमार हो जाए तो जल्दी ठीक होने के अवसर बढ़ जाते हैं। यही कारण है कि चिकित्सा जगत में यह महसूस किया गया कि कोई भी बीमारी सिर्फ शारीरिक या सिर्फ मानसिक नहीं होती बल्कि हर रोग का प्रभाव मन और शरीर, दोनों पर पड़ता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के इसी रिसर्च प्रोजेक्ट में यह भी पता चला कि मानवीय विकास के लाखों सालों के इतिहास के कारण हमारा शरीर इतना सशक्त हो गया है कि लगभग 85 प्रतिशत बीमारियों से खुद ही लड़ लेता है और अगर हम कोई दवा न लें तो भी कुछ समय के बाद खुद-ब-खुद ठीक हो ही जाएंगे। दर्द और साधारण बुखार दरअसल हमें यह संदेश देते हैं कि शरीर में कहीं कुछ गड़बड़ है। ये सिर्फ संदेशवाहक हैं, दूत हैं। पेनकिलर लेकर या बुखार की दवाई लेकर हम संदेशवाहक के काम में बाधा डाल रहे हैं। आयुर्वेद और नैचुरोपैथी में तो इसे एक नियम की तरह स्वीकार किया गया है कि दर्द, खांसी और साधारण बुखार को दबाने के बजाय कारण समझना चाहिए कि खांसी क्यों हुई या बुखार क्यों हआ और फिर उस कारण का इलाज करना चाहिए, न कि दर्द का या बुखार का। हमारा इम्यून सिस्टम हमारे जीवन का प्रतिबिंब है, हमारे लाइफस्टाइल का आईना है। बायोकैमिकल परिवर्तन से, माइक्रो आर्गेनिज्म से, हार्मोन की गड़बड़ी की वजह से जहां हमारी सेहत पर असर पड़ता है, वहीं हमारी खुशी और हमारे गम, हमारी आशा-निराशा, हमारा उत्साह या बोरियत, हमारी हंसी या आंसू, हमारी समस्याएं या अवसर आदि भी हमारी सेहत को प्रभावित करते ही हैं। हमारे चिकित्सा केंद्र, कॉस्मिक हैपीनेस सेंटर में आने वाले लोगों की समस्याओं का निदान करते हुए मुझे बार-बार यह अनुभव होता है कि खुद उनका अवचेतन मन अपने बारे में जितना जानता है, मैं उनके बारे में उतना जान पाने की बात सोच भी नहीं सकता। हमारा शरीर एक सुपर कंप्यूटर है तो हमारा अवचेतन मन उसकी हार्ड डिस्क है जिसमें जीवन की सभी घटनाओं का लेखा-जोखा मौजूद है। एक स्पिरिचुअल हीलर, यानी आध्यात्मिक चिकित्सक के रूप में जब मैं उनकी समस्याओं के निदान की प्रक्रिया आरंभ करता हूं तो मेरा काम सिर्फ इतना सा ही होता है कि मैं उन्हें उनके अवचेतन मन की राह दिखा दूं। अपने अवचेतन मन की गहराइयों में उतर कर वे खुद अपनी समस्या के सही रूप को समझते हैं और उसका निदान भी खुद करते हैं। व्यक्ति अपना चिकित्सक खुद बन जाता है, मैं सिर्फ एक पथ-प्रदर्शक का रोल अदा करता हूं। स्पिरिचुअल हीलिंग की इस प्रोसेस में दवा का प्रयोग न होने के कारण कोई साइड इफैक्ट भी नहीं है और कोई खतरा भी नहीं है। स्पिरिचुअल हीलिंग दवाई का बदल नहीं है, चिकित्सा का बदल नहीं है, डाक्टर का बदल नहीं है, इसलिए ऐसी कोई दिलासा नहीं दी जा सकती कि स्पिरिचुअल हीलिंग से शरीर की हर बीमारी ठीक हो जाएगी। ऐसी हर दिलासा झूठी दिलासा होगी। इसके साथ ही यह भी सच है कि किसी गंभीर बीमारी के कारण अगर किसी मरीज के मन में कोई डर बैठ जाए तो वह डर भी झूठा होगा क्योंकि एक तो हमारा शरीर ही बहुत सी बीमारियों का इलाज खुद कर सकता है, दूसरे अगर मरीज में जीवित रहने की भावना प्रबल हो, वह खुश रहे, उसके आसपास का वातावरण आशाजनक हो तो बहुत सी गंभीर मानी जाने वाली या जानलेवा मानी जाने वाली बीमारियों से भी निजात मिल सकती है। आशा के संचार से इलाज के दौरान या आपरेशन के बाद मरीजों के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार होता देखा गया है। अगर हमारी भावनाएं नेगेटिव हों तो हमारा दिमाग ऐसे रसायन पैदा करता है जो हमारी सेहत का कबाड़ा कर सकते हैं और भावनाएं पाजिटिव हों तो वही दिमाग शक्तिवर्धक रसायन पैदा करके इलाज में सहायक हो जाता है। स्पिरिचुअल हीलिंग के माध्यम से व्यक्ति को खुशमिजाज रहकर बीमार होने से बचाया जा सकता है या बीमारियों के इलाज में सहायक हुआ जा सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया की रिसर्च में जो बड़ी बात सामने आई वो ये थी कि मरीज कोई भी हो, बीमारी कोई भी हो, अगर इलाज के समय डॉक्टर सिर्फ क्लीनिकल टैस्ट और लैबोरेट्री टैस्ट तक ही सीमित न रहे, बल्कि बीमारी के समय की स्थितियों को भी समझे, मरीज की मानसिक दशा का भी अध्ययन करे तो इलाज बहुत प्रभावी होगा।

भारतीय संस्कृति में प्रकृति का महत्त्व

पिछला ज्ञान अगले ज्ञान प्राप्ति की सीढ़ी बन जाता है। इस प्रक्रिया में कई सारी बातें अपने कड़वे अनुभवों के कारण वह, छोडऩे या संशोधित करने का प्रयास करता रहता है और कई सारी बातों में उसे कुछ नया करने की जरूरत अनुभव होती है, जिसे वह कई तरह के नवाचारों से पूरा करने का प्रयास करता है। ये नवाचार भौतिक जरूरतों से लेकर सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, आध्यात्मिक, कलात्मक, सुरक्षात्मक, शासनात्मक आदि अनेक प्रकार के होते हैं। इन सबके मेल से एक संस्कृति का निर्माण होता है जिसमें कई अनायास और सप्रयास तत्व जुड़े रहते हैं। सप्रयास तत्व संशोधन की प्रक्रिया में से निकलते हैं और अनायास तत्व समाज की 'कम से कमतर संघर्ष' की जरूरत वाला मार्ग अनुसरण करने की सहज प्रवृत्ति का परिणाम होते हैं। जो समाज जितने ज्यादा स्वतंत्र रहे उतना ज्यादा सप्रयास संशोधन के प्रयास वहां ज्यादा हुए।

कोई भी संस्कृति विकास के दौर में अपने अनुभवों के आधार पर उत्पन्न जरूरतों और अपेक्षाओं की पूर्ति की दिशा में कार्यरत हो कर आगे बढ़ती है। समाज जाने-अनजाने अपने अनुभवों से सीखते हुए अपने क्रियाकलापों को संशोधित भी करता रहता है। पिछला ज्ञान अगले ज्ञान प्राप्ति की सीढ़ी बन जाता है। इस प्रक्रिया में कई सारी बातें अपने कड़वे अनुभवों के कारण वह, छोडऩे या संशोधित करने का प्रयास करता रहता है और कई सारी बातों में उसे कुछ नया करने की जरूरत अनुभव होती है, जिसे वह कई तरह के नवाचारों से पूरा करने का प्रयास करता है। ये नवाचार भौतिक जरूरतों से लेकर सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, आध्यात्मिक, कलात्मक, सुरक्षात्मक, शासनात्मक आदि अनेक प्रकार के होते हैं। इन सबके मेल से एक संस्कृति का निर्माण होता है जिसमें कई अनायास और सप्रयास तत्व जुड़े रहते हैं। सप्रयास तत्व संशोधन की प्रक्रिया में से निकलते हैं और अनायास तत्व समाज की 'कम से कमतर संघर्ष' की जरूरत वाला मार्ग अनुसरण करने की सहज प्रवृत्ति का परिणाम होते हैं। जो समाज जितने ज्यादा स्वतंत्र रहे उतना ज्यादा सप्रयास संशोधन के प्रयास वहां ज्यादा हुए। गुलामी के बंधन में फंसे समाज 'कम से कमतर संघर्ष' की जरूरत वाला मार्ग अपनाने पर विवश होते हैं क्योंकि उनके लिए अस्तित्व बचाए रखना ही बड़ी प्राथमिकता होती है। इस दृष्टि से भारतीय संस्कृति को देखें तो इसके लिए गुप्त काल तक स्वतंत्र रहने सोचने का जो लंबा अवसर मिला उसी में इसके साहित्य, ज्योतिर्विज्ञान, आयुर्वेद, गणित, कला, वास्तु शास्त्र आदि का विकास हुआ। उसके बाद के गुलामी का काल तो अपने अस्तित्व को बचाने के संघर्षों की भेंट ही चढ़ता रहा, जिसमें कई अच्छी चीजें मिट गईं और कई गलत चीजें मजबूत होती गईं क्योंकि संशोधन का समय ही कहां था। कई नए दोष भी पनप गए। इन सबके गुण-दोष विवेचन में कार्य-कारण की भूमिका की तलाश तो समाज शास्त्रियों और इतिहासकारों का कार्य क्षेत्र है। हम तो वर्तमान में अच्छा क्या है, गलत क्या है, उसी पर अपनी-अपनी समझ अनुसार नजर डाल सकते हैं और जो अच्छा है, उसे बचाने और जो गलत है उसे दूर करने के प्रयास कर सकते हैं। वर्तमान में हमें जातिवाद एक बड़ा दोष नजर आता है जिसके आधार पर छोटा और बड़ा निर्धारित करना, पूर्णतः अवैज्ञानिक और मानवतावाद की नजर से और आध्यात्मिक नजर से भी तर्कसम्मत कदापि नहीं है। इसे सारे अहंकार छोड़ कर समाप्त करने की दिशा में हम जितना ज्यादा प्रयास करेंगे उतना ही हमारा भविष्य उज्ज्वल होगा। जातिमुक्त समाज समय की मांग भी है। इसे ही हम सामाजिक न्याय कह रहे हैं। जाति, धर्म, संप्रदाय, लिंग, रंग, क्षेत्र, भाषा आदि के आधार पर कोई भी भेद सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकता। इस बात को हृदयंगम करने का आसान तरीका है समानुभूति। अर्थात पीड़ित की जगह अपने आपको रख कर सोचना। हमारे साथ कोई ऐसा करे तो हमें कैसा लगेगा। इससे बहुत बड़ी शक्ति मानसिक तौर पर मिलती है जिसके बल पर हम आत्म संशोधन के बड़े से बड़े कदम, समाज की निंदा स्तुति की परवाह किए बिना उठा सकते हैं। दहेज, बाल विवाह, जनसंख्या नियंत्रण का अभाव, प्रकृति विनाशक जीवन पद्धति आदि सांस्कृतिक दूषण भी समाज में विद्यमान हैं। इनसे मुक्ति सर्वांगीण प्रगति के लिए जरूरी है। लेकिन कुछ दोष आ जाने के कारण हमें किसी भी संस्कृति के गुणों से अनभिज्ञ होकर उसके साथ घृणा करने से भी बचना चाहिए। इससे हम दीर्घ कालीन अनुभव से संचित सकारात्मक संस्कार से अपने आप और समग्र समाज को वंचित कर देंगे। कोई भी संस्कृति ऐसी नहीं है जिसमें दोष न हों। और कोई भी संस्कृति ऐसी भी नहीं जिसमें गुण न हों। इसलिए गुण-दोष के आधार पर ही विवेचन होना चाहिए। आधुनिकता और प्रगतिशीलता के नाम पर भारतीय संस्कृति आजकल इस संकट को झेल रही है। बिना विवेचना के मनमर्जी से हम किसी भी बात को गलत ठहरा कर अपने आप को प्रगतिशील मानते हैं। निष्पक्ष विवेचना तो निष्पक्ष समाज या बुद्धि से ही की जा सकती है। इस तरह असंगत विरोध तो एक पक्षीय सोच का ही परिणाम हो सकता है। यदि हम भारतीय संस्कृति की रीढ़ या नींव को समझने का प्रयास करें तो हम पाएंगे कि प्रकृति के साथ समरसता पूर्वक जीने की कला को आत्मसात करते हुए भौतिक और आध्यात्मिक प्रगति की ओर अग्रसर होना ही भारतीय संस्कृति का मूल है। इसी आधार पर हमारे त्यौहार निर्धारित हुए हैं। हमारी दैनंदिन गतिविधियां भी तो प्रकृति की आराधना और संभाल के इर्द-गिर्द ही बनी रहती हैं। सुबह धरती का वंदन, सूर्य का धन्यवाद-वंदन, तुलसी-पीपल की पूजा, शादी-विवाह के संस्कार आदि प्रकृति के साथ घनिष्ठता स्थापित करने और प्रकृति की रक्षा के प्रति सजग रहने का संस्कार देने का काम करते हैं। पानी की शुद्धता बनाए रखने के लिए पानी और नदियों पर देवत्व आरोपित करने में यही समझ काम करती है। इसका असर लोक संस्कृति में भी अलग-अलग रूपों में देखने को मिलता है।

देश दुनीया से

मौत का उत्सव

इस देश के लोग उत्सवधर्मी हो गए हैं। सही है हमारी लोक संस्कृति का रुझान हमेशा पर्वों, त्योहारों और उत्सवों की ओर रहा है। दीवाली में दीये जला कर हर घर में रौशनी की बारात सजती है, होली पर हास्य और अट्टहास की दूधगंगा के साथ रंग, अबीर और गुलाल की फाग उड़ती है। और फिर बल्ले-बल्ले बैसाखी। जाट के भंगड़ा डालते कदम कहने लगे, 'फसलां दी मुक गई राखी, वे जट्टा आई बैसाखी।' लेकिन न जाने क्यों हुआ, पिछले बहुत से दिनों से उत्सवों को चेहरे धुंआखे गये। नंग-मनंग होकर एक दूसरे के प्रति स्नेह और सौहार्द की गंगा बहा देने के स्थान पर नकाबपोश अंधेरे में गुम हो जाना चाहते हैं। बहुत सी कतारें रहती हैं यहां जनाब। राजधानी में आंदोलन जीवी दनदनाते हैं। जो कल तक अपने कोने के फुटपाथ का किराया भी धाकड़ों को चुका नहीं पाते थे, आज अपने आंदोलनजीवी होने के कारण ही इन धाकड़ों को अपने पीछे लगा जिंदाबाद का जयघोष करवाते हैं और फुटपाथ की जगह अपने प्रासाद की बुर्जी से क्रांति घोष का स्वर निकाल हमें उपकृत करते हैं। आन्दोलन करके जो अब कुर्सी तक पहुंच गया, वह अब कुर्सीजीवी हो जाएगा। रूसी राष्ट्रपति पुतिन की तरह दो-तीन कुर्सी सत्र अपने नाम अग्रिम पारित करवा लेना चाहेगा। अपना गुजरता वक्त अंतिम पहर तक पहुंचता देखेगा, तो अपनी वंशावली के लिए देश का भविष्य सुरक्षित करने का पैगाम दे देगा। अजी, शासन सत्र आरक्षित करने की क्या बात है, यहां तो आने वाली पीढियों के लिए भी बर्थ आरक्षित होने लगी है। आजादी के इस अमृत महोत्सव आते-आते एक जमात पैदा हो गई। पीढ़ी दर पीढ़ी कुर्सियों को सज्जित करते हैं। इन्हें कुर्सीजीवी कह लो या कुर्सी धर्मी, लेकिन बन्धु यहां तो क्रांति भी एक उत्सव धर्मी हो गई, जोशीले नारों के पंखों पर तैरता हुआ क्रांति उत्सव, जो जब थमता है तो हम पाते हैं कि हम तो वहां ही खड़े रह गए, जहां से चले थे। अच्छे दिन ला देने का वायदा हमें उस कालपर्वत पर ले आया, जहां आम लोगों के लिए भुखमरी, बेकारी और महंगाई एक रवायत है और विश्व के खुशहाली सूचकांक में और भी नीचे हो जाने की गिरावट दर्ज हो जाना एक विकट और जाना-पहचाना सत्य, जो ऐसा कम्बल है, जिसे हम छोड़ते हैं, लेकिन वह ही हमें अपने बाहुपाश से निकलने नहीं देता। आओ, अपनी भूख से निजात पाने के लिए जिंदगी के खैराती हो जाने का उत्सव मनाएं, क्योंकि यहां कार्य संस्कृति नहीं भीख संस्कृति चलती है। देश को रोजगार पाना है तो मनरेगा के जाली कार्डों का अपने घर के दरवाजे तक पहुंचने का सहारा लो, भूख मिटानी है तो सस्ते राशन की दुकानों के बंद कपाटों के ताले खुलने की इंतजार करो। यह तो मौत का उत्सव है प्यारे, जिसे मनाने की दुंदुभि चौकस सायरन बजाने लगे, कि लो फिर सडक़ों पर दफा एक सौ चतालीस लग गयी। कफ्र्यू की घोषणा ने सडक़ों पर उतरती भीड़ को घर जाने के लिए कह दिया। सीख लो वापस लौटे इस मृत्यु उत्सव के नये आदाब। देखो बाजू में एक नहीं दो खुराक लगवाओ टीके की तो भी बार-बार हाथ धोते चलो, चेहरे को नकाब से ढंक लो, और एक दूसरे से छह फीट का अन्तर रख कर जीना सीख लो। ऐसा नहीं किया था न, तभी तो यह मौत के हरकारे वायरस का नया रूप धारण कर तुम्हारी गलियों और बाजारों में लौट आए। अब ऐसी गलती न हो बन्धु। समूहगान के दिन बीत गए, अब तो एकल गायन से ही इनका स्वागत होगा। जीने का नया अंदाज सीख लो। अपनी आत्मा तो इस मुखौटाधारी समाज ने पहले ही आवरण से ढक रखी थी, अब अपने चेहरे भी नकाब से ढक लो, क्योंकि यह मृत्यु उत्सव है। धूम मचाने का उत्सव नहीं, सहम कर एक-दूसरे से अलग रहने का उत्सव।

राजधानी में आंदोलन जीवी दनदनाते हैं। जो कल तक अपने कोने के फुटपाथ का किराया भी धाकड़ों को चुका नहीं पाते थे, आज अपने आंदोलनजीवी होने के कारण ही इन धाकड़ों को अपने पीछे लगा जिंदाबाद का जयघोष करवाते हैं और फुटपाथ की जगह अपने प्रासाद की बुर्जी से क्रांति घोष का स्वर निकाल हमें उपकृत करते हैं। आन्दोलन करके जो अब कुर्सी तक पहुंच गया, वह अब कुर्सीजीवी हो जाएगा। रूसी राष्ट्रपति पुतिन की तरह दो-तीन कुर्सी सत्र अपने नाम अग्रिम पारित करवा लेना चाहेगा। अपना गुजरता वक्त अंतिम पहर तक पहुंचता देखेगा, तो अपनी वंशावली के लिए देश का भविष्य सुरक्षित करने का पैगाम दे देगा। अजी, शासन सत्र आरक्षित करने की क्या बात है, यहां तो आने वाली पीढ़ियों के लिए भी बर्थ आरक्षित होने लगी है।

नागरिक बोध

मणिपुर में इंसानियत का कत्ल और निर्वस्त्र महिलाओं पर टूलकिट की घिनौनी मंशा

सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जा रहा है जिसमें पुरुषों की भीड़ दो निर्वस्त्र महिलाओं को ले जा रही है। कहा जा रहा है कि दोनों महिलाएं कुकी समुदाय की हैं और उनके साथ हैवानियत करने वाले पुरुष मैतेयी समुदाय से हैं। वीडियो की सच्चाई पर कोई सवाल नहीं है, लेकिन घटना मई महीने का बताया जा रहा है। फिर सवाल उठता है कि करीब 70-75 दिन के बाद अचानक यह वीडियो ट्विटर पर कैसे तैरने लगा? क्या यह महज संयोग है या सोचा-समझा प्रयोग? सबको पता है कि आज संसद का मॉनसून सत्र शुरू हुआ और ट्विटर पर मणिपुर के इस दर्दनाक वाकये को लेकर ट्रेंडिंग शुरू हुई बुधवार से। यानी संसद सत्र शुरू होने के ठीक एक दिन पहले। तो यह रही टाइमिंग की बात। तो क्या इसे वक्त और मौके की नजाकत देखकर मुद्दा उछालने के एक शानदार उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है? जवाब आप खुद सोचिए। मणिपुर में तो महिलाएं खुद ही कपड़े उतारने की धमकी सैनिकों को देती हैं और उतारती भी हैं। खुद सेना ने ऐसा वीडियो शेयर करते हुए अपनी मजबूरी का इजहार किया है। इसमें कोई दो राय नहीं कि मणिपुर में खासकर कुकी समुदाय ने महिलाओं को ढाल बनाकर इस्तेमाल किया है। सवाल है एक जगह बिना कपड़े में महिला की इज्जत चली जाती है तो फिर दूसरी जगह महिला खुद से कपड़े उतारकर आखिर किस तरह की इज्जत कमा रही होती हैं? महिला को निर्वस्त्र किया जाना अमानवीय है तो औरत के खुद से नग्न हो जाना घिनौना ही है। चूंकि टूलकिट का एक काम बात का बतंगड़ करना भी है, इसलिए स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी भी तरह से महिला की इज्जत से खिलवाड़ का बचाव नहीं किया जा सकता या उसे जायज नहीं ठहराया जा सकता। और फिर महिला ही क्यों, किसी भी इंसान की, किसी भी परिस्थिति में इज्जत तार-तार करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। इसलिए मणिपुर में दो महिलाओं के साथ जो हुआ, वह अमानवीय है। लेकिन इस तथ्य से नजर नहीं फेरा जा सकता है कि वहां महिलाओं ने कैसे खुद की इज्जत नहीं की। खैर, यह भी जानते हैं कि कुकी समुदाय है कौन? क्या वह सच में मणिपुर हिंसा का पीड़ित है या फिर मूल उत्पाती? मणिपुर के इतिहास से लेकर सभ्यता-संस्कृति तक, एक-एक चीज मैतेयी समुदाय से जुड़ी है। मैतेयी समुदाय ने ही मणिपुरी इतिहास और संस्कृति को संजोकर रखा है। कुकी के बारे में कहा जाता है कि आबादी में 35% की हिस्सेदारी वाले इस समुदाय का 90% जमीन पर कब्जा है। इसने हिंदू धर्म छोड़कर इसाइयत अपना ली है और अफीम धंधे में लिप्त है। कुकी के संप्रदाय का जिक्र करना इसलिए जरूरी है कि हिंदू बनाम अन्य की स्थिति बनती है तो देश-विदेश का टूलकिट कैसे बिहेव करता है, यह याद दिलाई जा सके। प्रॉपगैंडा के मामले में कुकी को भी इसाई समुदाय के होने का फायदा मिल रहा है। हिंदू मैतेइयों पर उसी मणिपुर में खूब अत्याचार हुए- कुकी समुदाय के लोगों ने मैतेई महिलाओं के रेप किए, बस्तियां जलाईं, बच्चे-बजुर्ग सबको बेरहमी से मारा, लेकिन तब कोई हो-हंगामा नहीं हो रहा था। सोशल मीडिया पर कुकी अत्याचार के सबूत आ रहे थे, लेकिन तब उसे मणिपुर हिंसा के बड़ी चादर के नीचे ढक दिया जा रहा था। टूलकिट की जादुई शक्ति समझिए- महीनों से अत्याचार और हिंसा की एक से बढ़कर एक अमानवीय घटनाओं को अंजाम देनेवाला कुकी समुदाय रातोंरात दुनिया की नजर में पीड़ित बन गया और मार खाने वाला मैतेई की छवि हिंसक और आततायी की हो गई। ये है प्रॉपगैंडा की ताकत, ये है मौका भुनाने का नायाब नमूना। जिस कुकी समुदाय ने मणिपुर के मैतेई समुदाय पर कहर ढाता रहा, वो आज दुनिया की नजर में बेचारा बन गया और असल में भुगतने वाला विलेन। टूलकिट ऐसे ही काम करता है। देश में हजारों दंगे हुए, लेकिन सबको सिर्फ गुजरात दंगा याद है। शायद ही कोई दिन बीत रहा हो जब देश के किसी ना किसी कोने में मुसलमान, किसी ना किसी हिंदू लड़की का रेप नहीं कर रहा है, लेकिन सबको याद है तो कठुआ रेप कांड। मुसलमानों के हाथों दर्जनों हिंदू मारे गए।

चीन के खिलाफ एकजुट हो रहे पश्चिमी देश : अब जर्मनी चीन पर निर्भरता खत्म करेगा, रिसर्च में भी साथ नहीं देगा

बर्लिन/न्यूयॉर्क/लंदन।
चीन की चुनौती से निपटने के लिए अमेरिका और ब्रिटेन के बाद अब एक और देश आगे आ गया है। यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी ने अपनी नई नीति का खुलासा किया है। उसने एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन को 'साझेदार, प्रतिस्पर्धी और ढांचागत प्रतिद्वंद्वी' बताया है। जर्मन सरकार ने 64 पन्ने का दस्तावेज जारी करते हुए कहा कि उसका उद्देश्य जर्मन अर्थव्यवस्था की चीन पर निर्भरता खत्म करना है। नई नीति में वह चीन के साथ रिसर्च में सहयोग बंद करेगा। उन रिसर्च परियोजनाओं को जर्मन सरकार समर्थन नहीं देगी, जिनसे जर्मनी को बौद्धिक खतरा पैदा हो। साथ ही जर्मन शिक्षाविदों को सहयोग के सुरक्षा जोखिमों के बारे में और जागरूक किया जाएगा। 'प्रमुख क्षेत्रों' में चीनी प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता कम करने के लिए जर्मनी प्रमुख प्रौद्योगिकियों की लिस्टिंग करेगी। जर्मनी चीन के साथ उन परियोजनाओं से पैसा निकालना चाहता है, जिनमें नॉलेज ट्रांसफर हो सकता है।

अमेरिका भारत को चीन के प्रतिद्वंद्वी के तौर पर देखता है, यही वजह है कि पिछले कुछ सालों में भारत और अमेरिका के बीच में व्यापार काफी बढ़ गया है। चीन के विकल्प के लिए अमेरिका ने चीन प्लस वन पॉलिसी शुरू की है। इसका उद्देश्य कंपनियों को चीन के बाहर ऑपरेशंस का विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करना है। अमेरिका का चीन के प्रति रुख ट्रम्प के कार्यकाल के बाद बदल गया। ब्रिटेन की राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रिटेन की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चीन बड़ा खतरा है। चीन अब तक ब्रिटेन को आक्रामकता से निशाना बनाने में सफल रहा है, क्योंकि सरकार की तरफ से इस खतरे से निपटने के लिए बेहतर नीति नहीं है। इस रिपोर्ट से पहले ब्रिटेन ने सरकारी इमारतों से चीन-निर्मित निगरानी कैमरे हटवाए थे, ताकि जासूसी का खतरा कम किया जा सके। जापान ने चीन से मुकाबला करने के लिए गत अप्रैल में योजना पेश की है। वह मुख्य रूप से एशिया में समान विचारधारा वाले देशों को सैन्य मदद पेश करेगा, क्योंकि जापान ताइवान और दक्षिण चीन सागर के मुद्दों को लेकर चीन के आक्रामक रुख का मुकाबला करने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने प्रभाव का विस्तार करना चाहता है। जापान का ये कदम उसकी पिछली नीति को तोड़ता है। चीन से निपटने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी सेना में दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अब तक का सबसे बड़ा बदलाव शुरू किया है। वह अब लंबी दूरी तक हमला करने की क्षमता हासिल करने की दिशा में बढ़ गया है। उसने ऑकस संधि की घोषणा भी की है।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिकी सैनिक बॉर्डर पार कर नॉर्थ कोरिया में घुसा: किम जोंग की सेना ने पकड़ा; साउथ कोरिया में भी 2 महीने जेल में रहा चुका

सियोल/ वॉशिंगटन। साउथ कोरिया में तैनात अमेरिका का एक सैनिक 18 जुलाई को बॉर्डर पार कर नॉर्थ कोरिया चला गया। यहां उसे तानाशाह किम जोंग उन के अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रेविस किंग नाम का ये सैनिक साउथ

कोरिया में भी मारपीट के आरोपों के चलते 2 महीने जेल में काट चुका था। उसे जल्द ही अमेरिका वापस भेजा जाना था। साउथ कोरिया में अमेरिकी फोर्सेस के प्रवक्ता कर्नल इसाक टेलर ने बताया है कि ट्रेविस ने नॉर्थ कोरिया में घुसने का काम अपनी मर्जी से और बिना इजाजत किया है। ह कमांड के मुताबिक जब ट्रेविस नॉर्थ कोरिया में घुसा तो वो साउथ कोरिया की एक टीम के साथ जॉइंट सिक्योरिटी एरिया के टूर पर पानमुनजोम गांव में था। ये वहीं गांव है जहां कोरिया में हुई जंग के बाद युद्ध विराम हुआ था। वहीं, अब नॉर्थ कोरिया की सेना ये मामला सुलझाने को लेकर बातचीत की जा रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रेविस किंग ने सितंबर में नाइट क्लब में एक युवक के साथ मारपीट की थी। उसने पुलिस की कार के साथ तोड़-फोड़ की और उनके खिलाफ भद्दे शब्दों का इस्तेमाल किया। इस मामले में उस पर 3,950 डॉलर यानी 3 लाख रुपए का जुर्माना लगा था। दो महीने की सजा के बाद उसे 10 जुलाई को रिहा किया गया था। ट्रेविस को सेना की निगरानी में भी रखा गया था।

इराक में स्वीडन के दूतावास पर हमला, उपद्रवियों ने लगाई आग; कुरान जलाए जाने की घटना से थे नाराज

स्टॉकहोम । इराक के बगदाद में गुरुवार सुबह सैकड़ों की संख्या में इकट्ठा हुए उपद्रवियों ने स्वीडन के दूतावास पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं भीड़ ने दूतावास में आग भी लगा दी। सूत्रों के हवाले से इस घटना की जानकारी दी। बताया गया है कि हमले में दूतावास के स्टाफ को नुकसान नहीं पहुंचाया गया, हालांकि इससे आगे की जानकारी नहीं दी गई है। बताया गया है कि दूतावास पर यह हमला शिया धर्मगुरु मुकतदा सद्र के समर्थकों की ओर से प्रदर्शनों के बाद हुआ। सद्र के समर्थक स्वीडन में मुस्लिमों के पवित्र धर्मग्रंथ कुरान को जलाए जाने का विरोध कर रहे थे। गौरतलब है कि स्वीडन में कुरान जलाए जाने की घटना की पहले ही कई इस्लामिक देश आलोचना कर चुके हैं। इराक के एक लोकप्रिय टेलीग्राम चैनल वन बगदाद जो कि मुकतदा सद्र का समर्थक माना जाता है, में बुधवार देर रात (करीब 1 बजे) स्वीडन के दूतावास के बाहर जुटी भीड़ के कई वीडियो पोस्ट किए गए। इसमें कुछ उपद्रवियों को दूतावास में घुसते भी देखा गया। वीडियो में कुछ देर बाद दूतावास के परिसर से धुएं का गुबार उठते देखा जा सकता है। हालांकि, इन वीडियो की पुष्टि नहीं की जा सकी है। अभी यह भी साफ नहीं है कि हमले के वक्त दूतावास में कितने लोग मौजूद थे।

पाकिस्तानी पासपोर्ट का निकला दमः दुनिया भर में नीचे से चौथे पायदान पर आया, 33 देशों तक सिमटा वीजा फ्री ट्रैवल

इस्लामाबाद । हेनले पासपोर्ट इंडेक्स ने सबसे ताकतवर पासपोर्ट की नई रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में सिंगापुर ने इस बार जापान को पछाड़ कर एक नंबर पर आ गया है। सूची के अनुसार, भारत का पड़ोसी देश पाकिस्तान का वीजा दुनिया का चौथा सबसे कमजोर पासपोर्ट है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, पहले पाकिस्तानी नागरिक 35 देशों में बिना वीजा के यात्रा कर सकते थे। मतलब 35 देशों में पाकिस्तानियों को ऑन-अराइवल वीजा सुविधाएं उपलब्ध थी। हालांकि, नई रिपोर्ट के बाद, ऑन-अराइवल वीजा की सुविधा घटकर 33 देशों तक सिमट कर रह गई है। पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान (27 देशों) , इराक (29 देशों) और सीरिया (30 देशों) में ऑन-अराइवल वीजा की सुविधा उपलब्ध है। वहीं, सिंगापुर की जनता के 193 देशों में ऑन-अराइवल वीजा की सुविधा उपलब्ध है। सूची के अनुसार, भारतीय पासपोर्ट को 103 देशों की लिस्ट में 80वें स्थान पर रखा गया है। इसी के साथ भारत की रैंकिंग में इस साल सुधार हुआ है। भारत ने इस साल पांच अंकों का सुधार दर्ज किया है। इंडेक्स के नवीनतम रैंकिंग में भारत, टोगो और सेनेगल को 80वें स्थान पर रखा गया है। भारत, टोगो और सेनेगल के पासपोर्ट धारकों को 57 देशों में वीजा-फ्री ट्रैवल की अनुमति है।

चांद पर इंसान के कदम रखने के 54 साल

नासा ने खर्च किए 2 लाख करोड़ ; अमेरिकी नेवी अफसर ने ही मिशन पर सवाल उठाए

वॉशिंगटन।
20 जुलाई 1969, ये वो तारीख है जब अमेरिक की स्पेस एजेंसी नासा ने इतिहास रचा था। अपोलो मून मिशन के तहत पहली बार किसी इंसान ने चांद पर कदम रखा था। नील आर्मस्ट्रॉन्ग वो पहले एस्ट्रोनॉट थे जिन्होंने चांद पर पहुंचने के साथ ही इतिहास में अपना नाम दर्ज करवा दिया। उनके बाद उनके साथी बज एल्ड्रिन चांद पर उतरे थे। इस स्पेस मिशन में तब 25 अरब डॉलर, यानी आज के मुताबिक करीब 2 लाख करोड़ रुपए खर्च हुए थे। अमेरिका में 29 जुलाई 1958 को नासा का गठन हुआ था और इसके 11 साल बाद ही स्पेस एजेंसी ने कीर्तिमान रच दिया। इसी के साथ स्पेस वॉर में अमेरिका ने दूसरे सभी देशों को पीछे छोड़ दिया। अपोलो-11 मिशन को मिलाकर अब तक कुल 12 बार लोग चांद पर पहुंच चुके हैं। हालांकि, कई थ्योरीज ऐसी भी हैं, जिनके मुताबिक, नासा का मशहूर अपोलो मिशन एक बहुत बड़ा झूठ था। रूस की रोसकोमोज स्पेस एजेंसी के पूर्व चीफ दिमित्री रोगोजिन ने इसी साल मई में कहा था कि अब तक इस बात के पर्याप्त सबूत मौजूद नहीं हैं कि अमेरिका कभी चांद पर पहुंचा भी था।

दूसरे विश्व युद्ध के बाद अमेरिका-सोवियत संघ में शुरू हुआ स्पेस वॉर

1950 के बाद से ही दुनिया की दो ताकतवर शक्तियों अमेरिका और सोवियत संघ के बीच स्पेस वॉर छिड़ चुकी थी। सोवियत संघ ने लूना मिशन के जरिए अंतरिक्ष में अपनी दखलअंदाजी बढ़ानी शुरू की। जनवरी 1966 में लूना-9 ने चांद की सतह पर सफलतापूर्वक लैंड किया। ऐसा करने वाला वो पहला स्पेसक्राफ्ट था। उधर, अमेरिका भी अब तक स्पेस में कई स्पेसक्राफ्ट भेज चुका था। 1962 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी घोषणा कर चुके थे कि 60 के दशक के अंत तक अमेरिका चांद पर इंसान को भेजेगा। कैनेडी की इस घोषणा के बाद नासा मिशन की तैयारियों में लग गया। एक कठिन ट्रेनिंग के बाद नील आर्मस्ट्रॉन्ग, बज एल्ड्रिन और माइकल कॉलिंस को इस मिशन के लिए चुना गया।

कैनेडी स्पेस सेंटर की आग में 3 एस्ट्रोनॉट्स की मौत

5 साल बाद टेस्टिंग के लिए 1966 में नासा ने अनमैन्ड स्पेसक्राफ्ट को अंतरिक्ष में भेजा, लेकिन इसके अगले साल ही कैनेडी स्पेस सेंटर में भीषण आग लग गई और 3 एस्ट्रोनॉट की मौत हो गई। इसके बाद भी नासा अपने मिशन में जुटा रहा।

16 जुलाई को शुरू हुआ अपोलो-11 मिशन

आखिरकार 16 जुलाई 1969 में अपोलो-11 स्पेसक्राफ्ट में नील आर्मस्ट्रॉन्ग, बज एल्ड्रिन और माइकल कॉलिंस को कैनेडी स्पेस सेंटर से चांद के सफर पर भेजा गया। अमेरिकी समयानुसार सुबह 9 बजकर 32 मिनट पर अमेरिका के कैनेडी स्पेस सेंटर से अपोलो-11 ने उड़ान भरी। नासा के मुताबिक, करीब 65 करोड़ लोगों ने इस नजारे को टीवी पर देखा। 76 घंटे में स्पेसक्राफ्ट 2 लाख 40 हजार किलोमीटर की दूरी तय कर चुका था। 19 जुलाई को स्पेसक्राफ्ट चांद के ऑर्बिट में पहुंच गया। अगले दिन नील आर्मस्ट्रॉन्ग और बज एल्ड्रिन ईगल मॉड्यूल के जरिए स्पेसक्राफ्ट से अलग हो गए और चांद की सतह पर जाने की तैयारी करने लगे। उनके मॉड्यूल में केवल 30 सेकेंड का ईंधन ही बचा था और अभी भी दोनों चांद की सतह से दूर थे।

चांद की सतह पर पड़ा इंसान का पहला कदम

दुनियाभर के लोगों की धड़कनें बढ़ने लगीं थीं। 20 जुलाई को शाम 4 बजकर 17 मिनट पर स्पेस सेंटर में वैज्ञानिकों को नील आर्मस्ट्रांग की तरफ से एक मैसेज मिला। इस मैसेज में आर्मस्ट्रांग ने कहा, 'हम लैंड कर चुके हैं।' इसी के साथ पूरा अमेरिका खुशी से झूम उठा। चांद की सतह पर कदम रखते हुए आर्मस्ट्रांग ने कहा, एक इंसान के लिए यह एक छोटा कदम है, लेकिन सम्पूर्ण मानव जाति के लिए एक बड़ी छलांग है। इसके कुछ देर बाद एल्ड्रिन भी चांद की सतह पर उतरे। दोनों वहां करीब ढाई घंटे रहे। उन्होंने चांद की सतह पर अमेरिका का झंडा भी लगाया। इसके बाद कुछ फोटो खींचे और रिसर्च के लिए सतह से मिट्टी इकट्ठी की।

धरती पर लौटना बड़ा टास्क

अब अपोलो-11 के लिए अगला टास्क था वापस धरती पर आना। स्पेस कैप्सूल को बहुत ही सटीक एंगल पर पृथ्वी के एटमॉस्फियर में दाखिल होना था। जब कोई चीज 24,000 मील प्रति घंटे की रफ्तार से वायुमंडल से टकराती है, तो इससे एक भयानक आग का गोला बनता है। ऐसे में चैलेंज ये था कि अगर उनकी स्पीड ज्यादा होगी, तो स्पेसक्राफ्ट तेजी से हीट-अप होकर जल जाएगा। वहीं अगर उनकी स्पीड बहुत कम हुई तो स्पेसक्राफ्ट वायुमंडल से बाहर निकल जाएगा। तीन मिनट के कम्युनिकेशन ब्लैकआउट के बाद, आर्मस्ट्रॉन्ग ने एक सफल एन्ट्री का सिग्नल दिया।

नॉर्थ कोरिया ने दो बैलिस्टिक मिसाइल दागीं

जापान की समुद्री सीमा में गिरीं; चंद घंटे पहले ही यूएस ने साउथ कोरिया में सबमरीन तैनात की थी

सियोल।
नॉर्थ कोरिया ने बुधवार को दो बैलिस्टिक मिसाइल दागीं। दोनों ही जापान के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में गिरीं। तानाशाह किम जोंग उन की इस हरकत की वजह साउथ कोरिया में अमेरिकी सबमरीन की तैनाती मानी जा रही है। चंद घंटे पहले ही अमेरिका ने इस न्यूक्लियर आर्म्ड बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस सबमरीन को साउथ कोरिया के पोर्ट पर तैनात किया था। जापान और साउथ कोरिया ने नॉर्थ कोरिया की इस हरकत को उकसावे वाली कार्रवाई करार दिया है। साउथ कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने नॉर्थ कोरिया से कहा है कि वो इस तरह की लॉन्चिंग बंद करे।

जापान के डिफेंस मिनिस्टर ने क्या कहा

जापान के रक्षा मंत्री यासूकाजू हमादा ने मीडिया से कहा- पहली मिसाइल 50 किलोमीटर की ऊंचाई तक गई और इसकी रेंज 550 किलोमीटर थी। दूसरी मिसाइल भी 50 किलोमीटर की ऊंचाई तक गई और इसकी रेंज 600 किलोमीटर थी। हमने टॉप डिप्लोमैटिक चैनल्स के जरिए नॉर्थ कोरिया के सामने अपना प्रोटेस्ट दर्ज करा दिया है। करीब एक हफ्ते पहले ही नॉर्थ कोरिया ने लेटेस्ट ह्वासोंग-18 सॉलिड फ्यूल इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का टेस्ट किया था। तब उसकी तरफ से दावा किया गया था कि ये अमेरिका और नॉर्थ कोरिया के दुश्मनों के लिए वॉर्निंग है। बुधवार को नॉर्थ कोरिया की मिसाइल फायरिंग अमेरिका और साउथ कोरिया के बीच न्यूक्लियर कन्सलटेटिव ग्रुप की मीटिंग के बाद की गई। इस मीटिंग का मकसद इस इलाके में अमेरिका सेना की मौजूदगी को बढ़ाना था। इनमें न्यूक्लियर वेपन्स की तैनाती भी शामिल है।

साउथ कोरिया में अमेरिकी सबमरीन

अमेरिका ने नॉर्थ कोरिया की हरकतों से निपटने के लिए साउथ कोरिया के बुसान नेवल बेस पर अपनी सबमरीन यूएसएस केंटुकी भी तैनात कर दी है।

कनाडा में भारतीय मूल के 15 लोग गिरफ्तार, 90 लाख डॉलर की संपत्ति बरामद, कार्गो चोरी गिरोह चलाने का आरोप

टोरंटो।
कनाडाई पुलिस ने एक बड़े संगठित कार्गो चोरी गिरोह को चलाने के आरोप में भारतीय मूल के 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही चोरी के सामान के साथ 90 लाख डॉलर से अधिक की संपत्ति बरामद की गई है। पील्स क्षेत्रीय पुलिस की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बुधवार को कहा गया कि पील क्षेत्रीय नगर पालिका और ग्रेटर टोरंटो एरिया (जीटीए) में ट्रैक्टर-ट्रेलर और कार्गो चोरी की एक श्रृंखला की जांच के लिए मार्च में एक संयुक्त टास्क फोर्स का गठन किया गया था। जांच को प्रोजेक्ट ट्रैक्टर-ट्रेलर नाम दिया गया, जिसने आपराधिक गिरोह को नष्ट कर दिया और जीटीए के विभिन्न शहरों से भारतीय मूल के 15 व्यक्तियों की गिरफ्तारी की। गिरफ्तार किए गए लोगों की उम्र 22 से 45 वर्ष के बीच है और उन पर 73 आरोप लगाए गए हैं। कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (सीबीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, जांचकर्ताओं ने कहा कि चोरी किए गए माल में विभिन्न वाणिज्यिक सामान, एटीवी और वाहन शामिल थे, जिन्हें संदिग्धों ने कथित तौर पर विभिन्न कबाड़ी बाजारों और दुकानों में बेच दिया था। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कुल 92 लाख कनाडाई डॉलर की संपत्ति बरामद की गई,

जिसमें 69 लाख डॉलर की चोरी का माल और 22 लाख डॉलर की चोरी के ट्रैक्टर-ट्रेलर शामिल हैं। पील क्षेत्रीय पुलिस जासूस मार्क हेवुड ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, जांच के दौरान अधिकारियों को पता चला कि संदिग्धों के एक ही समूह ने छह जीटीए स्थानों में विभिन्न आकारों के कार्गो और 28 ट्रैक्टर-ट्रेलरों को निशाना बनाया था, जिसने बाड़ को तोड़कर ट्रकों को लेकर भाग गए या सड़क के किनारे खड़े ट्रकों को चुरा लिया।

सीबीसी ने हेवुड के हवाले से कहा, चोरों के समूह ने कई परिसरों को निशाना बनाया... पहले वे बाड़ को काट देते, अंदर जाते, उत्पाद चुराते, आमतौर पर ट्रक चुराते और बाड़ के ऊपर से गाड़ी चला देते थे। उन्होंने कहा, कुछ को ट्रक को स्टॉप से चुराया गया था और कुछ को सड़क के किनारे से उठाया था।

ब्रिक्स समिट में शामिल नहीं होंगे पुतिन : रूस के फॉरेन मिनिस्टर अटैंड करेंगे मीटिंग; रूसी राष्ट्रपति को गिरफ्तारी की आशंका थी

जोहान्सबर्ग।
साउथ अफ्रीका में 22 से 24 अगस्त तक होने वाली ब्रिक्स समिट में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन शिरकत नहीं करेंगे। होस्ट कंट्री साउथ अफ्रीका ने बुधवार को खुद यह ऐलान कर दिया। पुतिन की जगह रूस के फॉरेन मिनिस्टर सर्गेई लावरोव समिट में शामिल होंगे।

दरअसल, ब्रिक्स समिट में पुतिन के शामिल होने को लेकर होस्ट साउथ अफ्रीका पशोपेश में था। इसकी वजह यह है कि यूक्रेन पर हमले और वॉर क्राइम्स को लेकर रूसी राष्ट्रपति के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट वॉरंट जारी कर चुका है और अगर वो जोहान्सबर्ग आते तो उनकी गिरफ्तारी का खतरा था। लिहाजा, साउथ अफ्रीकी और रूसी सरकार के बीच एग्रीमेंट हुआ और इसके बाद पुतिन की गैरमौजूदगी के बारे में जानकारी दी गई। ब्रिक्स उभरती हुई इकोनॉमीज का प्लेटफॉर्म है।

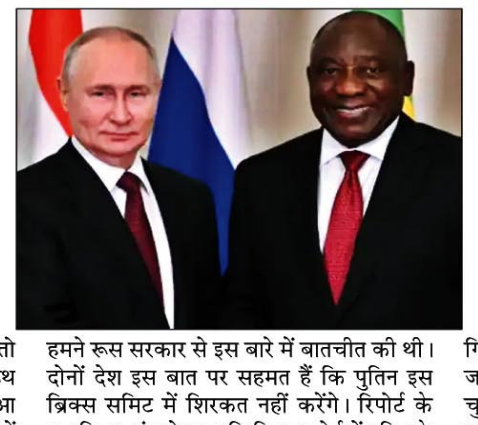

इसमें पांच देश शामिल हैं और पांचों देशों के नाम के पहले अल्फाबेट को लेकर शब्द बना है। ये पांच देश हैं- ब्राजील, रूस, इंडिया, चीन और साउथ अफ्रीका। फिलहाल, ब्रिक्स की चेयरमैनशिप साउथ अफ्रीका के पास है। पुतिन के शामिल न होने के बारे में साउथ अफ्रीका ने कहा- हमने रूस सरकार से इस बारे में बातचीत की थी। दोनों देश इस बात पर सहमत हैं कि पुतिन इस ब्रिक्स समिट में शिरकत नहीं करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक- इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट में पुतिन के खिलाफ वॉर क्राइम्स को लेकर केस दर्ज है और अगर वो जोहान्सबर्ग आते तो मेंबर कंट्री होने के नाते साउथ अफ्रीकी सरकार को पुतिन को गिरफ्तार करना पड़ता। लिहाजा, दोनों देशों ने यह तय किया कि पुतिन इस समिट में हिस्सा ही न लें। इसी साल मार्च में पुतिन के खिलाफ अरेस्ट वॉरंट जारी किया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने यूक्रेन पर हमले के दौरान गैरकानूनी तौर पर यूक्रेनी बच्चों को रूस डिपोर्ट किया। दूसरी तरफ, रूस का दावा है कि वो मेंबर ही नहीं है तो फिर पुतिन के खिलाफ वॉरंट भी गैरकानूनी माना जाएगा। साउथ अफ्रीकी मीडिया में मंगलवार को एक रिपोर्ट पब्लिश हुई थी। इसमें बताया गया था कि प्रेसिडेंट सिरिल रामफोसा के सामने एक अपील दायर की थी। इसमें कहा गया था कि अगर पुतिन जोहान्सबर्ग आते हैं तो उन्होंने अरेस्ट न किया जाए। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद रूस ने कहा- हमने साउथ अफ्रीका से कभी नहीं कहा कि वो इस तरह की अपील दायर करे या अगर हमारे प्रेसिडेंट के खिलाफ गिरफ्तारी की कोशिश हुई तो इसे जंग समझा जाएगा। साउथ अफ्रीकी सरकार कई बार साफ कर चुकी है कि रूस-यूक्रेन जंग में वो किसी देश के साथ नहीं है। हालांकि, अमेरिका और यूरोपीय देश उस पर रूस का समर्थक होने के आरोप लगाते रहे हैं।

पाकिस्तान के साथ-साथ सऊदी अरब, ईरान समेत 19 देशों ने ब्रिक्स का सदस्य बनने के लिए पेशकश की है। ब्रिक्स देशों ने भी संगठन को मजबूत करने के लिए और सदस्यों को जोड़ने की बात कही है। हालांकि, इसमें पाकिस्तान को जगह मिलना लगभग नामुमकिन है।

अमेरिका ने नहीं गिराई थी इमरान की सरकार

खान के चीफ सेक्रेटरी रहे आजम बोले- पूर्व पीएम झूठे, वो मुल्क के खिलाफ साजिश रच रहे

इस्लामाबाद।
इमरान खान के पूर्व चीफ सेक्रेटरी आजम खान ने साफ कर दिया है कि खान का यह दावा झूठा और मुल्क के खिलाफ साजिश है कि उनकी सरकार को अमेरिका ने गिराया था। करीब एक महीने तक लापता रहने के बाद आजम खान ने जांच एजेंसी के सामने पेश होकर 'अमेरिकी साजिश' वाले इमरान के प्रोपेगेंडा का खुलासा कर दिया। खान की सरकार पिछले साल अप्रैल में गिरी थी। बाद में वो हर रैली में एक कागज लहराकर दावा करते थे कि अमेरिका ने पाकिस्तानी फौज के साथ मिलकर उनकी सरकार को गिराया है और इसके बारे में पाकिस्तानी एम्बेसेडर ने उन्हें पहले ही आगाह कर दिया था।

पहले मामला समझिए

इमरान की तरफ से लगातार दावा किया गया कि यह लेटर (डिप्लोमैटिक टर्म में सायफर) अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट यानी फॉरेन मिनिस्ट्री की तरफ से पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय को भेजा गया। इमरान का दावा रहा कि बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन उनको प्रधानमंत्री की कुर्सी पर नहीं देखना चाहती थी और अमेरिका के इशारे पर ही उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। सबसे जरूरी यह जानना है कि इमरान जो कागज दिखा रहे था, वो वास्तव में है क्या। पाकिस्तान के सीनियर जर्नलिस्ट रिजवान रजी के मुताबिक- यह कागज झूठ के सिवाए कुछ नहीं था। कुछ महीनों पहले तक अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत थे असद मजीद। उनके बारे में ये जानना बेहद जरूरी है कि वो इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ के सदस्य और इमरान के खास दोस्त थे। रजी आगे कहते हैं- इमरान ने मजीद को एक मिशन सौंपा कि किसी तरह जो बाइडेन एक

फोन इमरान को कर लें। यह हो न सका। फिर खान ने मजीद से कहा कि वो ये बताएं कि बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन इमरान सरकार और पाकिस्तान को लेकर क्या सोच रखती है। जवाब में मजीद ने एक बढ़ाचढ़ाकर इंटरनल मेमो लिखा। इसमें बताया कि व्हाइट हाउस को लगता है कि इमरान सरकार के रहते पाकिस्तान से रिश्ते बेहतर नहीं हो सकते। पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी वकील और पॉलिटिकल एनालिस्ट साजिद तराड़ के मुताबिक- पहली बात तो यह कि यह ऑफिशियल कम्युनिकेशन नहीं था। यह एक एम्बेसेडर का अपने विदेश मंत्रालय को लिखा इंटरनल मेमो है, जिसकी कोई कानूनी या डिप्लोमैटिक हैसियत नहीं। दूसरी बात, अमेरिका को अब पाकिस्तान की कोई जरूरत नहीं है। अगर होगी भी तो वो इमरान से मंजूरी क्यों मांगता वो फौज से बात करता है और करता रहेगा। इसे आप इंटरनल मेमो, इंटरनल केबल, वायर या बहुत हुआ तो डिप्लोमैटिक नोट कह सकते हैं। ये तो बेहद आम चीज है। आजम खान इमरान के चीफ या प्रिंसिपल सेक्रेटरी थे। कुछ महीने पहले उनका और इमरान का एक ऑडियो टेप वायरल हुआ था। इसमें आजम खान, इमरान खान और खान की सरकार में फॉरेन मिनिस्टर रहे शाह महमूद कुरैशी की आवाजें थीं। इसमें इमरान बाकी लोगों से कहते हैं कि सरकार तो गिर चुकी है, अब इस डिप्लोमैटिक नोट को अमेरिकी साजिश बताकर लोगों को फौज और अमेरिका के खिलाफ उकसाया जाए।

अब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक टीवी चैनल पर खुलासा किया है कि इमरान की पार्टी ने साजिश के मनगढ़ंत आरोपों के लिए अमेरिका से माफी मांगी है।

बकौल ख्वाजा आसिफ- सरकार के पास इस बात के सबूत हैं कि अमेरिकी डिप्लोमैट डोनाल्ड लू से माफी मांगी है। खान पहले अपनी सभाओं में अमेरिका के खिलाफ नारे लगा रहे थे, अब गलतियों के लिए माफी मांग रहे हैं। ख्वाजा आसिफ ने यह भी खुलासा किया कि, इमरान खान ने अमेरिका को मैसेज भेज कर संबंध सुधारने की ख्वाहिश जाहिर की है।

सीमा सुरक्षा बल ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर मार गिराया पाकिस्तानी ड्रोन

जैसलमेर (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने बुधवार रात रायसिंहनगर, सेक्टर श्रीगंगानगर से लगी भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की ओर से आ रहे ड्रोन को फायरिंग कर मार गिराया। गुरुवार सुबह सघन जांच के दौरान इलाके से तीन पैकेट्स हेरोइन एवं एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया गया। बीएसएफ राजस्थान फ्रंटियर के अधिकृत सूत्रों की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार इस ऑपरेशन के तहत लगभग 2.3 किलोग्राम वजन की तीन पैकेट्स हेरोइन बरामद की गयी, जिसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लगभग 12 करोड़ रुपए आंकी गयी है। सीमा सुरक्षा बल द्वारा बरामद हेरोइन की विस्तृत जांच के लिए सम्बधित एजेंसी को सुपुर्द किया जाएगा।

पीएसपीसीएल व पीएसटीसीएल ने अब तक 3972 लोगों को दी नौकरियां : बिजली मंत्री

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने कहा है कि पंजाब सरकार के राज्य के नौजवानों को अधिक से अधिक रोजगार के मौके देने के मिशन के अंतर्गत पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) और पंजाब स्टेट ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड (पीएसटीसीएल) ने अप्रैल 2022 से अब तक नौजवानों को 3972 नौकरियां दी हैं। गुरुवार को चंडीगढ़ में ईटीओ ने बताया कि पीएसपीसीएल ने राज्य के 3224 योग्य और हुनरमंद नौजवानों को रोजगार मुहैया करवा कर सरकार मुहिम में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि पीएसपीसीएल ने अपने खप्तकारों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के उदेश्य के साथ अप्रैल 2022 से जून 2023 तक सीधी भर्ती के अंतर्गत 2630 नौकरियां

और तरस के आधार पर 463 नौकरियां प्रदान की हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 6 जुलाई को एक समारोह में पीएसपीसीएल के 131 क्लर्कों को नियुक्ति पत्र सौंपे थे। बिजली मंत्री ने बताया कि पीएसटीसीएल ने अप्रैल 2022 से जून 2023 तक सीधी भर्ती के अंतर्गत 748 नौकरियां दी हैं। उन्होंने बताया कि पीएसपीसीएल ने एसडी ओज के 139 पदों पर भर्ती का इश्तिहार भी दिया गया है, जिसकी भर्ती प्रक्रिया इस साल सितंबर तक पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) में एसडी ओज के खाली पद भी इस भर्ती के द्वारा भरे जाएंगे। बिजली मंत्री ने कहा कि पीएसपीसीएल, जो कि अलग-अलग श्रेणियों के एक करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं के घरों को बिजली पहुंचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के बिजली विभाग की सार्थक कदमों से ही संभव हो सका है कि इस साल 15325 मेगावाट बिजली की रिकार्ड सबसे अधिक मांग पूरी की गई है।

दो चालक डीजल चोरी करते गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने बताया कि विभाग में भ्रष्ट गतिविधियों को रोकने के लिए गठित मिनिस्टर फ्लाइंग स्क्वाड ने सरकारी बसों से डीजल चोरी करने के आरोप में दो ड्राइवरों को रंगे हाथों पकड़ा है। इसके अलावा एक कंडक्टर पर सवारियों से पैसे लेकर टिकट न देने के आरोप में कार्रवाई की गई है। इसके इलावा तीन प्राइवेट बसों के चालान भी किए गए हैं और एक बस जब्त की गई है। परिवहन मंत्री ने गुरुवार को बताया कि मिनिस्टर फ्लाइंग स्क्वाड ने बुधवार रात सरहिंद में छापामार कर पनबस डीपू चंडीगढ़ की बस से डीजल चोरी करते ड्राइवर सुखवीर सिंह को रंगे-हाथों पकड़ा। उससे बरामद 22 लीटर डीजल को मौके पर कब्जे में ले लिया गया। इसी तरह राजपुरा में पनबस डीपू अमृतसर साहिब-2 की बस के ड्राइवर गगनदीप सिंह को काबू किया गया है। उसके पास से चोरी का 20 लीटर डीजल बरामद हुआ। इसके इलावा फ्लाइंग स्क्वाड ने कुप्प में चेकिंग के दौरान लुधियाना डीपू की बस के कंडक्टर करमजीत सिंह को सवारियों से 180 रुपए लेकर उनको टिकट न देने पर कार्रवाई की गई है। मिनिस्टर फ्लाइंग स्क्वाड ने लुधियाना बस स्टैंड में चैकिंग के दौरान बिना जरूरू दस्तावेज, टैक्स और इंश्योरेंस के चल रहीं प्राइवेट बसों के चालान भी किए हैं। इस मुहिम के दौरान जेआर कोच की बस को बिना टैक्स, इंश्योरंस और प्रदूषण सर्टिफिकेट से चलाने पर उसका चालान किया गया, जबकि इसी कंपनी की बिना दस्तावेजों से चलाई जा रही दूसरी बस को जब्त किया गया है। इसी तरह मालवा हाईवेज मोगा की बस को बिना इंशोरेंस और मालवा रोडवेज गिद्दड़बाहा की बस को बिना प्रदूषण सर्टिफिकेट के चलाने के लिए चालान किया गया है। फ्लाइंग स्क्वाड ने अनाधिकृत रूट पर चलती छह बसों को भी रिपोर्ट किया है। फ्लाइंग स्क्वाड ने उच्चा पिंड में चैकिंग के दौरान पट्टी डीपू की बस, गुरदासपुर व जालंधर-1 डीपू की बस, फगवाड़ा में पट्टी डीपू की बस, तरन तारन डीपू की बस और करतारपुर में चैकिंग के दौरान पट्टी डीपू की बस को अनाधिकृत रूट पर चलता पाया गया। उन्होंने बताया कि सरहिंद में छापेमारी के दौरान एक सिक्योरिटी गार्ड ड्यूटी से अनुपस्थित पाया गया है।

लिपिकों ने शक्ति प्रदर्शन करके फिर उठाई वेतनमान बढ़ाने की मांग

हिसार (हिंस)। वेतनमान बढ़ाने की मांग पर लघु सचिवालय के समक्ष धरने पर बैठे लिपिकों ने सरकार से फिर अपील की है कि उनकी एकमात्र मांग को पूरा किया जाए। गुरुवार को लिपिकों ने कहा कि जब तक सरकार उनकी मांग नहीं मानेंगी, तब तक वे काम पर नहीं लौटेंगे। लघु सचिवालय के समक्ष पिछले 15 दिनों से धरने पर बैठे लिपिकों ने गुरुवार को शक्ति प्रदर्शन किया। सेंकड़ों की संख्या में एकजुट होकर सभी लिपिक लघु सचिवालय से चलकर आईजी कार्यालय तक पहुंचे तथा वहां सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उसके बाद आईजी कार्यालय से वापिस धरनास्थल पर पहुंचे। शक्ति प्रदर्शन के चलते पुलिस प्रशासन ने हिसार राजगढ़ राजमार्ग को वन-वे किया वहीं शहर में जाम की स्थिति बनी रही। लिपिकों द्वारा अपनी एकमात्र जायज मांग को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग की। क्लेरिकल

एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी (सीएडब्ल्यूएस) के जिला प्रधान जितेंद्र श्योराण तथा उपायुक्त कार्यालय के प्रधान राजेश घोटिया ने बताया कि लिपिकीय वर्ग पिछले 15 दिनों से धरने पर बैठा है परंतु सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। सरकार को ये भी पता है कि प्रदेश का एक भी लिपिक कार्यालय में नहीं है और प्रतिदिन करोड़ों रूपए का नुकसान हो रहा है वहीं धरने के कारण आम जनता के सभी काम रूके हुए है। राज्य मीडिया प्रभारी यशवीर चौहान ने कहा कि लिपिकों के प्रति सरकार की मंशा खराब है। यदि सरकार जल्द से जल्द हमारी मांग को पूरा नहीं करती है तो आगे राज्य कार्यकारिणी के आह्वान पर बड़ा आंदोलन करने से भी नहीं चुकेंगे। धरने की अध्यक्षता शिक्षा विभाग के देवेन्द्र कुमार तथा स्वास्थ्य विभाग से सरोज द्वारा की गई। मंच संचालन उपायुक्त कार्यालय के अनिल रूहेल ने किया। इस अवसर पर एसोसिएशन के राज्य कोषाध्यक्ष सुनील गुज्जर, गुजवि से सोनू बांडाहेड़ी, संदीप मजौका, उपायुक्त कार्यालय से सविता, भावना, नगर निगम से गीता मोर, दीक्षा, रेखा, अंजू, निहाल सिंह मताना, नरेश गोयल, संदीप पंघाल, संदीप सिवाच, अनिल मान तथा राजवीर बैनीवाल ने संबोधित किया।

अलवर में जैन मुनि को हत्या के विरोध में समाज ने निकाला मौन जुलूस

अलवर (हिंस)। शहर के मनी का बड़ स्थित दिगंबर जैन मंदिर से गुरुवार को सकल जैन समाज ने कर्नाटक में जैन मुनि की हत्या के विरोध में मौन जुलूस निकालकर जिला कलेक्टर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा है। श्री दिगंबर जैन नंदीश्वर बरतला पंचायती मंदिर के अध्यक्ष राजेंद्र जैन एडवोकेट ने बताया कि करीब दो माह पूर्व कर्नाटक राज्य के चिकोड़ी तालुक के हीरे खोड़ी गांव में नंदी पर्वत आश्रम में जैन समाज के मुनि काम कुमार नंदी की हत्या कर दी गई थी। जिसके विरोध में आज सकल जैन समाज द्वारा मौन जुलूस निकाला गया

है। उन्होंने बताया कि यह मौन जुलूस शहर के होप सर्कस बजाजा बाजार, मालाखेड़ा बाजार होते हुए महावीर भवन पहुंचा एवं यहां विद्यांजलि सभा हुई। सकल जैन समाज मुनि की हत्या का खुलासा करने, कर्नाटक बीजेपी की ओर से वीडियो मैसेज जारी करने, हत्या के मामले की फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई पूरे देश में तीर्थ स्थलों और जैन संतों की सुरक्षा के लिए जैन संरक्षण बोर्ड की स्थापना करने की मांग रखी गई है। इन मांगों पर जल्द ही सुनवाई नहीं की जाती है तो जैन समाज हुंकार रैली करेगा।

बाढ़ प्रभावित जिलों में जल्द होंगे हालात सामान्य : भगवंत मान

बाढ़ से हुए नुकसान के एक-एक पैसे की भरपाई करेगी राज्य सरकार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के बाढ़ प्रभावित जिलों में लोगों को संकट से बाहर निकालने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि वह पठानकोट से सरदूलगढ़ तक राज्य भर में बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ से लोगों को हुए नुकसान के एक-एक पैसे की भरपाई करेगी। गुरुवार को जारी बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से राज्य में बाढ़ की स्थिति पर नजर रखी हुई है। राज्य सरकार बाढ़ पीड़ितों को समय पर राहत पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस नेक काम के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। भगवंत मान ने कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें जरूरी मदद दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और अन्य प्रशासनिक मशीनरी लोगों की मदद के लिए पहले से ही पूरी तरह सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिलों में बड़े पैमाने पर राहत और बचाव कार्य चलाए जा रहे हैं, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। भगवंत मान ने इस कठिन समय में लोगों की सेवा में लगे गैर सरकारी संगठनों की भरपूर सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रभावित क्षेत्रों में बचाव एवं राहत कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि

लोगों की तकलीफें कम हो सकें। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ से लोगों को हुए नुकसान के एक-एक पैसे की भरपाई करेगी। उन्होंने आगे बताया कि भारी बारिश के कारण फसलों, घरों और अन्य चीजों को हुए नुकसान का पता लगाने के लिए विशेष गिरदावरी के आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि फसलों, घरों, पशुओं आदि की गिरदावरी प्राथमिकता के आधार पर करने के लिए संबंधित उपायुक्तों को विस्तृत निर्देश दिए जा चुके हैं।

पंजाब के कैबिनेट मंत्री ने बाढ़ प्रभावितों को दिया एक माह का वेतन

चंडीगढ़ (हिंस)। राज्य में बाढ़ की चपेट में आए लोगों की मदद के लिए राज्य के खाद्य, सिविल सप्लाई, उपभोक्ता मामले, वन और वन्य जीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने अपना एक महीने का वेतन दे दिया। गुरुवार को मंत्री कटारूचक्क ने अपने वेतन का 1.10 लाख रुपए का चेक मुख्यमंत्री भगवंत मान को सौंपा। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के योग्य और दूरदर्शी नेतृत्व वाली राज्य सरकार बाढ़ से प्रभावित हुए लोगों को हरसंभव सहायता देने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि राज्यभर में सम्बन्धित जिला प्रशासन लोगों को अपेक्षित सहायता जैसे फूड पैक्ट, दवाएं, पीने वाला पानी, तिरपालें और अन्य जरूरू वस्तुएं सक्रियता के साथ उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लोगों की दिक्कतों से भलीभांति अवगत हैं और जन-जीवन को फिर राह पर लाने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जा रही है।

कलाकारों ने लोकगीत व नृत्य की प्रस्तुति से मेहमानों को हरियाणवी संस्कृति से जोड़ा

हिसार (हिंस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में हरियाणा के स्वयंसेवकों ने हरियाणवी नृत्य, गायन व वादन में बेहतरीन प्रस्तुति देकर समां बांधा। कलाकारों ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से लोक गीतों, वेश भूषा, संस्कृति का परिचय देकर 16 राज्यों से आए स्वयं सेवकों सहित अन्य दर्शकों को हरियाणवी संस्कृति से जोड़ा, जिससे कलाकारों ने खूब तालियां बटोरीं। इसके अलावा कलाकारों ने रैंप वॉक कर हरियाणवी रहन-सहन से लेकर जीवन शैली का परिचय दिया। शिविर के दूसरे दिन गुरुवार को विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में युवा व प्राचीन भारत विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर समाजसेवी कृष्ण कुमार रहे। उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को यदि जिम्मेदार नागरिक बनाना है तो शुरू में ही उनको कर्त्तव्यों का बोध करवाना आवश्यक है। इसके अलावा मुख्य वक्ता ने संस्कृति के दो पहलू त्याग व सेवा को आधार बताया। उन्होंने बताया कि हमें आर्थिक ढांचे को सुधारने की बजाय सर्व-प्रथम सांस्कृतिक ढांचे को सुधारने की जरूरत है। इससे पूर्व छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने धन्यवाद किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, डॉ. चंद्रशेखर डागर सहित अन्य एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी भी मौजूद रहे।

राजकीय स्कूल में सीएम फ्लाइंग रेड, कई गड़बड़ियां मिलीं

फरीदाबाद (हिंस)। सीएम फ्लाइंग ने गुरुवार को मुजेसर गांव स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में रेड की। स्कूल के कई टीचर तो गैर मौजूद मिले ही, खुद स्कूल प्रिंसिपल भी नदारद मिले। टीम रिपोर्ट बना कर उच्चाधिकारियों को प्रेषित करेगी। सीएम फ्लाइंग को सूचना मिल रही थी कि स्कूल में स्टाफ समय पर नहीं आता है और इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। डीएसपी राजेश चेची ने बताया कि स्कूल में कुल 27 शिक्षक व अन्य स्टाफ तैनात है। निरीक्षण के दौरान 11 शिक्षक समय पर स्कूल में पहुंचे। 3 अध्यापक 8.10 बजे तक, 4 अध्यापक 8:30 तक पहुंचे। प्रिंसिपल सहित 4 अध्यापक गैर हाजिर मिले। सीएम फ्लाइंग की जांच में कुछ अन्य अनियमितताएं भी सामने आई हैं। इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट बना कर उच्चाधिकारियों को सौंपी जाएगी। फरीदाबाद में सीएम फ्लाइंग टीम द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है।

शरारती तत्वों ने मनोहर लाल मार्ग का शिलालेख तोड़ा

हिसार (हिंस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा के पैतृक गांव प्रभु वाला में स्थापित मुख्यमंत्री मनोहर लाल मार्ग का शिलालेख शरारती तत्वों को रास नहीं आया। भाजपा जिलाध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र द्वारा स्थापित इस शिलालेख को कुछ शरारती तत्वों ने तोड़ दिया है। गांव निवासी एवं भाजपा किसान मोर्चा के जिला सचिव डॉ. शम्मी नागपाल ने गुरुवार को बताया कि सरकारी कोष से गांव के एक मार्ग का नामकरण मनोहर लाल मार्ग करके 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष ने इस शिलालेख की स्थापना की थी।

उदयपुर में दो समुदायों के बीच झगड़ा, कई गाड़ियों में तोड़फोड़

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर के अंबामाता थाना क्षेत्र के गांधी नगर और उससे सटी फारूक-ए-आजम कॉलोनी में बुधवार शाम को दो समुदायों के बीच में झगड़ा हो गया। झगड़े में दो लोगों के घायल होने की भी सूचना है और कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई है। पुलिस आरंभिक तौर पर इसे आपसी रंजिश का मामला बता रही है, लेकिन वहां के रहने वाले कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। वहां रहने वालों का आरोप है कि पिछले दिनों से कुछ बदमाश युवा गाड़ियों पर चलते हुए लोगों को थप्पड़ मार कर भाग रहे थे। घरों के बाहर खड़े वाहनों को भी नुकसान पहुंचा रहे थे। इसकी शिकायत भी वाल्मीकि समाज ने पुलिस को की थी, लेकिन पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया। एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें दुपहिया सवार युवक पैदल चल रहे युवक को थप्प ? मारकर भाग रहे हैं। बुधवार को 20 से 24 बदमाश युवकों ने सड़कों पर खड़े दुपहिया और चार पहिया वाहनों को नुकसान पहुंचाया। इसके बाद क्षेत्र में रहने वाले वाल्मीकि समाज का गुस्सा फूट पड़ा। समाज आक्रोशित होकर सड़कों पर आ गया। महिलाएं भी बड़ी संख्या में सड़कों पर उतर आईं। पत्थरबाजी, लठबाजी और तलवार बाजी की जानकारी आई है। पुलिस ने अधिकृत तौर पर कोई जानकारी दी है। मामला अलग-अलग समुदायों का होने के कारण माहौल गरमाने से वहां बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। इधर, फारूक ए आजम कॉलोनी में रहने वालों का कहना है कि 2 दिन पहले जिस युवक को थप्पड़ मारी गई थी, शायद उसी घटना को लेकर यह बदले की कार्रवाई की गई है और उधर से आए युवकों ने उनकी कॉलोनी में गाड़ियों के साथ तोड़फोड़ की। जिस युवक को थप्पड़ मारी गई थी, उस युवक ने मीडिया के सामने यह बताया कि उसे भी नहीं पता कि उसे थप्पड़ क्यों मारी थी। पुलिस सूत्रों से पता चला है कि इस मामले में वाल्मीकि समाज से शिकायत मिलने के बाद महज एक पुलिसकर्मी को भेज कर समझाइश का प्रयास किया गया था। फिलहाल पुलिसबल क्षेत्र में तैनात है और क्षेत्रवासियों को घरों में रहने की हिदायत दी जा रही है।

राजपूत समाज का अनशन तीन दिन स्थगित

झालावाड़ (हिंस)। राजपूत समाज की ओर से चल रहे आंदोलन के तहत किए जा रहे आमरण अनशन को बुधवार रात समाज के वरिष्ठ लागों के आग्रह पर तीन दिन स्थगित कर दिया गया। जबकि धरना गुरुवार को पांचवें दिन जारी रहा। साथ ही करीब दो दर्जन गांवों में युवकों की टोलियों ने विरोध प्रदर्शन किए। जिलाध्यक्ष संजय जैन ताउ को हटाए जाने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के तहत पांचवें दिन दर्जनों युवक पूरे दिन धरने पर बैठे। इससे पूर्व दो दिन आमरण अनशन चला। जिसे बुधवार रात को हुई समाज के प्रमुख लोगों की बैठक के बाद तीन दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। आंदोलन के अगुवा जीवन सिंह शेरपुर ने बताया कि बुधवार रात करीब 9 बजे समाज के वरिष्ठ जनों की बैठक हुई। जिसमें कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। बैठक में वरिष्ठ जनों का कहना था कि भाजपा नेतृत्व को निर्णय लेने के लिए समय देना चाहिए। तब तक आमरण अनशन जैसा कठोर निर्णय स्थगित किया जाना चाहिए। उनके आग्रह पर तीन दिन के लिए अनशन स्थगित किया गया। जबकि धरना गुरुवार को जारी रहा। राजपूत समाज के युवकों की टोलियों ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के झालरापाटन विधानसभा क्षेत्र के करीब दो दर्जन गांवों में गुरुवार को जनसंपर्क कर विरोध प्रदर्शन किए। इस दौरान युवकों की टोलियां रायपुर, सोयला, सेमली, खेरखेडा, सालरी, गादिया, गुराडिया, कलोतिया, सिरपोई, कांगडिया, हेमडा सहित अन्य गांवों में प्रदर्शन किए। जबकि पिडावा क्षेत्र के पिडावा, हेमडा, करमाखेडी, नानोर, बकानी, माथनिया के अलावा गंगधार में भी पुतले जलाकर प्रदर्शन किए।

अलवर में 11 सूत्रीय मांगों को लेकर नर्सिंग कर्मियों का धरना तीसरे दिन भी जारी

अलवर (हिंस)। राजस्थान संयुक्त नर्सेज संघर्ष समिति की ओर से प्रदेशव्यापी आह्वान पर 11 सूत्रीय मांगों को लेकर राजीव गांधी सामान्य अस्पताल के मुख्य द्वार पर अनिश्चितकालीन धरना तीसरे दिन गुरुवार को भी जारी रहा। यहां नर्सिंग कर्मियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। जिला अध्यक्ष राजपाल यादव ने बताया कि आज धरने पर राकेश जैन, राकेश गुप्ता, सुखपाल वर्मा, संजय शर्मा, रचना चौधरी बैठे है। रोजाना 5 लोग धरने पर बैठ रहे है। इस दौरान बड़ी संख्या में नर्सिंग कर्मी मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष राजपाल ने बताया कि नर्सेज की प्रमुख मांगे वेतन विसंगति दूर करना, पृथक से निदेशालय की स्थापना, कैडर रिव्यू, समयबद्ध पदोन्नति, नर्सिंग ट्यूटर, एलएचवी, एएनएम का पद नाम परिवर्तन, सविंदकर्मिको के नियमितीकरण, ग्रामीण भत्ता, अतिरिक्त वेतन वृद्धि, नर्सिंग शिक्षा का सुदृढ़ीकरण, नर्सिंग स्टूडेंट्स के स्टाइफण्ड में वृद्धि, राजमेस के मेडिकल कॉलेजों में नियमित पदों का सृजन आदि मांगे शामिल है।

पंजाब की नदियों में आई दरारों को जल्द भरने के निर्देश

जल संसाधन मंत्री ने बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के जल स्रोत मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने गुरुवार को समीक्षा बैठक करके पंजाब और पहाड़ी इलाकों में रिकार्ड तोड़ बारिश से कई जिलों में पैदा हुई बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बचाव और राहत कामों के काम में तेजी लाने के लिए विभाग के अधिकारियों को निर्देश भी दिए। मीत हेयर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की नजर बाढ़ की स्थिति पर है और वह निरंतर विभाग से रिपोर्ट ले रहे हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर विभाग डैमो, नदियों, नहरों में पानी की स्थिति पर नजर रख रहा है और दरार भरने के काम को तेजी के साथ किया जा रहा है। बैठक के दौरान प्रमुख सचिव जल स्रोत कृष्ण कुमार ने मौजूदा स्थिति के बारे में रिपोर्ट पेश की और चल रहे कामों का ब्योरा दिया। जल स्रोत मंत्री ने आंकड़े देते हुए बताया कि रोपड़ में जुलाई महीने में कुल औसतन 288 मिलीमीटर बारिश पड़ती है, परन्तु इस बार सिर्फ दो दिनों में ही मिलीमीटर बारिश हुई। इसी तरह मोहाली में

जुलाई महीने कुल औसतन 208. 6 मिलीमीटर बारिश पड़ती थी, लेकिन इस बार दो दिनों में 266 मिलीमीटर पड़ी। पूरे पंजाब की बात करें तो राज्य में जुलाई महीने 161.4 मिलीमीटर बारिश होती थी और इस बार दो दिनों में ही 83.4 मिलिमीटर बारिश हुई। पंजाब के नदियों में आए पानी के पीछे हिमाचल प्रदेश में हुई बारिश भी मुख्य कारण है। हिमाचल प्रदेश में औसतन जुलाई महीने 255. 9 मिलीमीटर बारिश होती है, जबकि 9 और 10 जुलाई को दो दिनों में ही 195.8 मिलीमीटर बारिश हुई। उन्होंने बताया कि आज सुबह की रिपोर्ट के अनुसार भाखड़ा डैम में इस समय पानी का स्तर 1648.12 फुट है, जबकि क्षमता 1680 फुट है। पौंग डैम में पानी का स्तर 1374 फुट है, जबकि क्षमता 1390 फुट है। रणजीत सागर डैम में पानी का स्तर 1721.4 फुट है, जबकि क्षमता 1731.99 फुट है। पहाड़ी इलाकों में हुई मूसलाधार बारिश और बादल फटने की घटनाओं के कारण पिछले 11 दिनों में तीनों ही डैमों में पानी के स्तर की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 9 जुलाई से 20 जुलाई तक भाखड़ा डैम में पानी का स्तर 41.46 फुट, पौंग डैम में 35.13 फुट और रणजीत सागर डैम में 33.9 फुट बड़ा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस सीजन के दौरान भाखड़ा डैम से एक बार भी फलड्ड गेट नहीं खोले गए।

देश में 70/किलो टमाटर बेच रही सरकार : दिल्ली-राजस्थान, यूपी समेत कई शहरों में बिक्री जारी, तीसरी बार घटाई कीमतें

नई दिल्ली।
नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन ऑफ इंडिया और नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने (20 जुलाई) से 70 रुपए प्रति किलो टमाटर बेचना शुरू कर दिया है। इसके लिए बुधवार को कंज्यूमर अफेयर्स डिपार्टमेंट ने एनसीसीएफ को निर्देश दिए थे। सरकार ने 14 जुलाई को टमाटर की बढ़ती कीमतें कम करने का प्लान लागू था। इस प्लान के तहत एनसीसीएफ ने 90 रुपए प्रति किलो की दर से टमाटर बेचना शुरू किया था। इसके बाद सरकार ने 16 जुलाई को टमाटर की कीमत 10 रुपए प्रति किलो कम करते हुए 80 रुपए कर दिया था। वहीं, अब एक बार फिर टमाटर की कीमत को कम किया गया है।

10 जुलाई तक एनसीसीएफ ने 391 मीट्रिक टन टमाटर खरीदे

सरकार के आदेश के बाद दोनों एजेंसियों ने 120-130 प्रति किलो के रेट से टमाटर खरीद कर कम कीमत में बिक्री शुरू की थी। 10 जुलाई तक एनसीसीएफ ने टोटल 391 मीट्रिक टन टमाटर खरीदा था। यह टमाटर दिल्ली-राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रमुख केंद्रों के जरिए बेचे जा रहे हैं। एनसीसीएफ के मैनेजिंग डायरेक्टर एनीस जोसेफ ने बताया था कि इससे होने वाले नुकसान को केंद्र सरकार उठाएगी।

दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों का कुल उत्पादन में लगभग 60प्रतिशत योगदान

टमाटर का उत्पादन लगभग हर राज्य में होता है। वहीं दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों का देश के कुल उत्पादन में लगभग 60प्रतिशत योगदान होता है। इन क्षेत्रों में हुए ज्यादा उत्पादन का उपयोग भारत के अन्य हिस्सों में टमाटर की निरंतर सप्लाई को सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है।

बीते 3 सालों में भी दिखा बारिश में टमाटर के दाम बढ़ने का ट्रेंड

बीते तीन सालों में भी बारिश में टमाटर के दामों में बढ़ोतरी का ट्रेंड दिखा है। पिछले साल यानी 2022 के जून में टमाटर के दाम 60-70 रुपए किलो तक पहुंच गए थे।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी म्यूजियम में दिखेगा भारत का 600 साल का इतिहासः ट्री एंड सर्पेंट एग्जीबिशन में शोकेज होंगी 125 से ज्यादा कलाकृतियां

नई दिल्ली । अमेरिका के नामी मेट म्यूजियम में 21 जुलाई से भारतीय इतिहास पर एक एग्जीबिशन शुरू हो रहा है। ट्री एंड सर्पेंट नाम के एग्जीबिशन में बौद्ध काल के शुरुआती वर्षों से लेकर 600 साल तक के सफर को शोकेज किया जाएगा। इसमें ईसा से 200 वर्ष पूर्व से ईसा के 400 वर्ष बाद तक का भारतीय बौद्ध इतिहास शामिल होगा। बुधवार (19 जुलाई) को ट्री एंड सर्पेंट एग्जीबिशन का एक प्रिव्यू प्रोग्राम रखा गया था। इसमें रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर और चेयरपर्सन नीता अंबानी, अमेरिकी भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू, भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी, एग्जीबिशन के क्यूरेटर जॉन गॉय और कला जगत के अन्य नामी सेलेब्रिटीज शामिल हुईं। इस मौके पर नीता अंबानी ने कहा, मैं बुद्ध की धरती भारत से आती हूं। प्रारंभिक बौद्ध काल के 600 वर्षों की 125 से ज्यादा कलाकृतियां इस एग्जीबिशन में देखी जा सकेंगी। हमारा प्रयास है कि भारतीय संस्कृति की खूबियों को हम दुनिया तक पहुंचाएं। नीता अंबानी प्रतिष्ठित 'द मेट' संग्रहालय की पहली भारतीय ट्रस्टी हैं। 2019 में उन्हें मेट का ऑनररी ट्रस्टी बनाया गया था। तभी से विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अंबानी भारत की गौरवशाली कला परंपरा को दुनिया के सामने प्रस्तुत करती रहती हैं। रिलायंस ने भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में 'नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर' की ओपनिंग की थी। इसमें हर दिन 5 से 6 हजार लोग पहुंच रहे हैं।

एक महान शक्ति के रूप में भारत का उभरना रहेगा जारी, विशेषज्ञ बोले- पश्चिमी देश सोच-समझकर लगा रहे दांव

नई दिल्ली । जाने-माने आर्थिक टिप्पणीकार मार्टिन वुल्फ का मानना है कि भारत वास्तव में एक उभरती हुई महान शक्ति बन सकता है और 2050 तक उसकी अर्थव्यवस्था का आकार अमेरिका के बराबर हो जाएगा। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि भारत 2050 तक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर को पांच प्रतिशत सालाना पर बनाए रखने में सक्षम होगा। भारत में बेहतर नीतियों के साथ विकास थोड़ा अधिक हो सकता है, हालांकि यह कम भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य को देखते हुए पश्चिम के देश सोच-समझकर भारत पर दांव लगा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चीन प्लस वन रणनीति का पालन करने वाली कंपनियों के लिए भारत एक ब्राइट स्पॉट है और बड़े घरेलू बाजार के स्पष्ट प्रतिस्पर्धियों की तुलना में इसे बढ़त हासिल है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और क्रय शक्ति के मामले में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। संयुक्त राष्ट्र ने 2050 तक देश की आबादी 1.67 अरब तक पहुंचने का अनुमान लगाया है और वर्तमान में यह 1.43 अरब है। वुल्फ ने कहा कि देश की बैंक बैलेंस शीट की मरम्मत की गई है और कुल मिलाकर, क्रेडिट इंजन (देश के बैंक) एक बार फिर काफी अच्छी स्थिति में हैं।

क्रिप्टो करेंसी के बनेंगे नए नियम जी-20 की बैठक में उठा मुद्दा

गांधीनगर । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यहां जी-20 बैठक में क्रिप्टो करेंसी के लिए एक व्यापक और समन्वित वैश्विक नीति तथा नियामकीय व्यवस्था बनाने को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि जी-20 के सदस्य देशों ने अंतरराष्टीय आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिये अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी। यह समूह दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का अंतर-सरकारी मंच है। सीतारमण गांधीनगर में जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नर (एफएमसीबीजी) की तीसरी बैठक समाप्त होने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में यह कहा कि कि बैठक में जी-20 के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नर ने लोगों और दुनिया की बेहतरी को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया. साथ ही अंतरराष्टीय आर्थिक सहयोग बढ़ाने, सभी के लिये वैश्विक विकास को मजबूत करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था की मजबूत, संतुलित तथा समावेशी वृद्धि को लेकर प्रतिबद्धता दोहाराई।

वेदांता से डील तोड़ने के बाद फॉक्सकॉन ने शुरू की नई तैयारी, तमिलनाडु व कर्नाटक के सीएम से मिले सीईओ

नई दिल्ली ।
कर्नाटक और तमिलनाडु के आर्थिक परिदृश्य के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में फॉक्सकॉन के सीईओ ब्रांड चेंग ने सोमवार कर्नाटक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और मंगलवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश योजना पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की। मुलाकात के दौरान फॉक्सकॉन इंडस्ट्रियल इंटरनेट (एफआईआई) की ओर से राज्य की अर्थव्यवस्था में 8,800 करोड़ रुपये के निवेश पर चर्चा की गई

स्टालिन के अलावा, तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा भी राज्य में आईफोन निर्माता की निवेश योजनाओं पर चर्चा करने के लिए बैठक में मौजूद थे। कर्नाटक कर्नाट सीएम के साथ बातचीत में भी फॉक्सकॉन इंडस्ट्रियल इंटरनेट (एफआईआई) की 8,800 करोड़ रुपये की निवेश योजना पर चर्चा की गई। इस पर्याप्त निवेश से प्रौद्योगिकी क्षेत्र को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलने और स्थानीय कार्यबल के लिए 14,000 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

राज्य के वाणिज्य और उद्योग मंत्री, एमबी पाटिल ने आगामी निवेश के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया, राज्य के लिए इसके संभावित लाभों पर प्रकाश डाला। पाटिल ने निवेश और रोजगार सृजन के प्रभावशाली आंकड़ों का खुलासा करते हुए ट्वीट किया, कर्नाटक औद्योगिक इंटरनेट कंपनी के मेगा निवेश, तकनीकी क्षेत्र और नौकरी के अवसरों को बढ़ावा देने का स्वागत करता वेदांता से डील तोड़ने के बाद फॉक्सकॉन ने शुरू की नई तयारी, तमिलनाडु व कर्नाटक के सीएम से मिले सीईओ।

कर्नाटक सीएम से भी मिले फॉक्सकॉन सीईओ कर्नाटक कर्नाटक सीएम के साथ बातचीत में भी फॉक्सकॉन इंडस्ट्रियल इंटरनेट (एफआईआई) की 8,800 करोड़ रुपये की निवेश योजना पर चर्चा की गई। इस पर्याप्त निवेश से प्रौद्योगिकी क्षेत्र को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलने और स्थानीय कार्यबल के लिए 14,000 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

राज्य के वाणिज्य और उद्योग मंत्री, एमबी पाटिल ने आगामी निवेश के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया, राज्य के लिए इसके संभावित लाभों पर प्रकाश डाला।

फॉक्सकॉन की विस्तार योजनाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए, कर्नाटक सरकार ने विनिर्माण इकाई के लिए उपयुक्त भूमि की पेशकश करके पूर्ण समर्थन का वादा किया है। राज्य ने तुमकुरु के पास जापानी औद्योगिक पार्क में 100 एकड़ जमीन निर्धारित की है, जो कंपनी के महत्वाकांक्षी संचालन के लिए आदर्श स्थान प्रदान करती है।

कंपनी आईआईओटी आधारित नेटवर्क उपकरणों के विनिर्माण में एक वैश्विक लीडर यदि सब कुछ योजना के अनुसार होता है तो तमिलनाडु व कर्नाटक में फॉक्सकॉन का संभावित निवेश वैश्विक प्रौद्योगिकी परिदृश्य में दोनों राज्यों की स्थिति को काफी मजबूत कर सकता है। दोनों राज्यों में फॉक्सकॉन का निवेश आर्थिक विकास को आगे बढ़ा सकता है और कुशल कार्यबल के लिए कई नौकरी के अवसर पैदा कर सकता है। बातचीत के दौरान सीईओ ब्रांड चेंग और उनकी टीम ने फॉक्सकॉन इंडस्ट्रियल इंटरनेट के लिए अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

कंपनी आईआईओटी-आधारित नेटवर्क उपकरणों के विनिर्माण में एक वैश्विक लीडर है। कंपनी का लक्ष्य आईफोन के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बाहरी कवर विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करके तकनीकी उद्योग को बढ़ाना है।

सोना-चांदी के दामों में तेजीः 60 हजार के करीब पहुंचा सोना, चांदी साढ़े 75 हजार रुपए के पार निकली

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 152 रुपए चढ़कर 59,908 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 54,876 रुपए हो गई है। चांदी की कीमत में भी बड़ी बढ़त देखने को मिली है। ये 187 रुपए महंगी होकर 75,686 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले बुधवार को ये 75,499 रुपए पर थी। इस महीने यानी जुलाई में अब तक सोने में बढ़त देखने को मिली है। इस महीने की शुरुआत यानी 3 जुलाई (1 और 2 जुलाई को मार्केट बंद था) को ये 58,139 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 59,908 रुपए पर है। यानी इसके दाम में 1,769 रुपए की तेजी आई है। सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि आने वाले दिनों में सोने की कीमत में फिर बढ़त देखने को मिल सकती है। अनुज गुप्ता के अनुसार साल के आखिर तक सोना फिर 62 हजार तक जा सकता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की जून में जारी साल की पहली सीरीज ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अब तक की सबसे ऊंची कीमत 5,926 रुपए प्रति ग्राम के बावजूद रिकॉर्ड 77.69 लाख यूनिट (1 यूनिट में 1 ग्राम) गोल्ड बॉन्ड का सब्सक्रिप्शन हुआ। यानी वर्चुअल तरीके से लोगों ने 7.77 टन सोने में निवेश किया।

नेटफ्लिक्स ने भारत में पासवर्ड शेयरिंग पर रोक लगाई

अब दोस्तों के साथ पासवर्ड शेयर नहीं कर सकेंगे, जून तिमाही में 59 लाख नए यूजर्स जुड़े

नई दिल्ली ।
ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने भारत में पासवर्ड शेयरिंग पर रोक लगा दी है। अब नेटफ्लिक्स यूजर्स अपने दोस्तों के साथ अपने अकाउंट का पासवर्ड शेयर नहीं कर सकेंगे। हालांकि, यूजर्स अभी भी अपने परिवार के सदस्यों के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म 5 पासवर्ड शेयर कर सकते हैं। कंपनी ने बताया कि उसने आज से ऐसे मौजूदा यूजर्स को मेल भेजना शुरू किया है, जो पहले से दूसरों के साथ पासवर्ड शेयर कर रहे हैं। इससे पहले कंपनी ने मई महीने में ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, आस्ट्रिया, सिंगापुर, मैक्सिको सहित 100 से अधिक देशों में पासवर्ड शेयरिंग पर रोक लगा दी थी।

अकाउंट शेयरिंग से यूजर नहीं बढ़ रहे थे

इससे पहले नेटफ्लिक्स के प्रोडक्ट इनोवेशन डायरेक्ट चेंगई लॉन्ग ने कहा था कि उनके मेंबर्स नेटफ्लिक्स की फिल्म और टीवी शो को बहुत ज्यादा पसंद करते हैं। इतना ज्यादा कि वे उन्हें ज्यादा से ज्यादा सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं। लेकिन, दोस्तों के बीच अकाउंट शेयरिंग के चलते ज्यादा मेंबर्स नेटफ्लिक्स का सब्सक्रिप्शन नहीं लेते हैं। इससे यूजर्स नहीं बढ़ते और कंपनी को घाटा होता है।

अकाउंट एक्टीविटी जरिए नेटफिलक्स पासवर्ड शेयरिंग के बारे में पता लगाता है

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नेटफ्लिक्स यूजर्स के डिवाइस के आईपीएड्रेस, डिवाइस और अकाउंट एक्टीविटी के जरिए पता लगाता है कि उसके अकाउंट का पासवर्ड शेयर किया गया है या नहीं। जून तिमाही में नेटफ्लिक्स से 59 लाख नए यूजर्स जुड़े भारत से पहले नेटफ्लिक्स ने जिन देशों में पासवर्ड शेयरिंग पर रोक लगाई थी उससे कंपनी को काफी फायदा हुआ है। नेटफ्लिक्स ने बताया है कि जून तिमाही में प्लेटफॉर्म में 59 लाख नए यूजर्स जुड़े हैं। इसके साथ ही अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 3प्रतिशत बढ़कर 819 करोड़ डॉलर और नेट इनकम 3प्रतिशत बढ़कर 149 करोड़ डॉलर पहुंच गया है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री से मिले टाटा ग्रुप के चेयरमैनः यूके में ग्लोबल बैटरी सेल गीगाफैक्ट्री लगाएगा टाटा ग्रुप, 42 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश

लंदन।
यूके में ग्लोबल बैटरी सेल गीगाफैक्ट्री स्थापित करने की घोषणा के बाद, टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने गुरुवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से मुलाकात की। ब्रिटेन के वार्विकशायर में जगुआर लैंड रोवर गेडन सेंटर में ये मुलाकात हुई है। कंपनी 4 बिलियन पाउंड यानी करीब 42 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश करेगी। टाटा ग्रुप के अनुसार, बैटरी गीगाफैक्ट्री मोबिलिटी और एनर्जी सेक्टर्स के लिए हाई-क्वालिटी, हाई परफॉर्मेंस, सस्टेनेबल बैटरी सेल्स और पैक प्रोड्यूज करेगी। नई गीगाफैक्ट्री में सालाना 40त्ख्र सेल का उत्पादन करने की क्षमता होगी। 4 बिलियन पाउंड के इन्वेस्टमेंट का मकसद ऑटोमोटिव सेक्टर को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलने में मदद करना है।

4,000 से ज्यादा जॉब्स पैदा होंगे

नई गीगाफैक्ट्री यूरोप में सबसे बड़ी फ्रैक्ट्रीज में से एक होगी। इससे हाइली स्किल्ड और सप्लाई चेन में 4,000 से ज्यादा जॉब्स पैदा होने की उम्मीद जाताई जा रही है। टाटा ग्रुप के इस निवेश पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुनक ने कहा कि टाटा ग्रुप का यूके में अपनी नई गीगाफैक्ट्री लगाने का फैसला यूके के ऑटोमोटिव सेक्टर में अब तक के सबसे बड़े निवेशों में से एक होगा। भारत के बाहर टाटा की पहली नई गीगाफैक्ट्री में उत्पादन 2026 में शुरू होगा। लोकल लेवल पर बैटरी प्रोडक्शन सेटअप जमाने के बाद शुरुआत में यहां से टाटा मोटर्स और जगुआर लैंड रोवर को बैटरी सप्लाई की जाएगी। ग्रुप वर्तमान में जगुआर और लैंड रोवर लक्जरी कारों और की मैन्युफैक्चरिंग करता है। टाटा के ईवी बैटरी प्लांट की कैपेसिटी 40जीडब्लूएच होगी। फैराडे इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि ईवी प्रोडक्शन की मांग को पूरा करने के लिए 2030 तक कुल 100जीडब्लूएच स्थानीय क्षमता की आवश्यकता है, जो 2040 तक बढ़कर 200जीडब्लूएच हो जाएगी।

गूगल अपने नए एआई प्रोडक्ट जेनेसिस की टेस्टिंग कर रहा : यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल लेटेस्ट न्यूज स्टोरीज लिखेगा

नई दिल्ली।
गूगल अपने नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोडक्ट जेनेसिस की टेस्टिंग कर रहा है। यह एआई टूल रिलेवेंट इंफॉर्मेशन और करेंट इवेंट्स को प्रोसेस कर लेटेस्ट न्यूज स्टोरीज जनरेट कर सकता है। गूगल अपने इस नए टूल को द न्यूयॉर्क टाइम्स, द वॉशिंगटन पोस्ट और न्यूज कॉर्प जैसे न्यूज ऑर्गेनाइजेशन के सामने प्रेजेंट भी कर चुका है।

क्या है जेनेसिस एआई

जेनेसिस एआई एक राइटिंग असिस्टेंट है। जिसका उद्देश्य जर्नलिस्टों की मदद करना और उनके काम को आसान और सुव्यवस्थित करना है। जिससे रिपोर्टरों को टफ टास्क पर फोकस करने के लिए ज्यादा समय मिल सके। गूगल इस टेक्नोलॉजी को पब्लिशिंग इंडस्ट्री को जेनरेटिव एआई से जुड़े नुकसान से दूर रखने की दिशा में एक जिम्मेदार कदम के रूप में देख रहा है। रिपोर्ट

के अनुसार, जेनेसिस एक वर्किंग नेम है और अभी इस टूल का नाम फाइनल नहीं किया गया है।

गूगल के स्पोक्सपर्सन का क्या कहना है

गूगल स्पोक्सपर्सन जेन क्राइडर ने इस टूल को लेकर कहा कि इस टूल का उद्देश्य केवल पत्रकारों के काम को आसान बनाना है। यह टूल पत्रकारों की जगह लेने के लिए नहीं बनाया गया है और न ही यह पत्रकारों की जगह ले सकता है। इवेंट की रिपोर्टिंग, आर्टिकल क्रिएट करना और तथ्यों की जांच करने जैसे काम पत्रकारों तक ही सीमित हैं। यह टूल पत्रकारों को केवल राइटिंग स्टाइल देने में मदद करेगा। इसके अलावा, यह टूल पत्रकारों को खबरों के लिए हेडलाइन भी सजेस्ट करेगा।

जर्नलिस्टिक इंटीग्रिटी को प्रभावित कर सकता है यह एआई टूल

एक रिपोर्ट के अनुसार, गूगल पिच के समय मौजूद कुछ अधिकारियों ने जेनेसिस एआई के संभावित प्रभावों के बारे में चिंता व्यक्त की है। उन्होंने एक्यूरेट और आर्टफुल न्यूज स्टोरीज को तैयार करने में ह्यूमन एफर्ट्स की वैल्यू पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि यह एआई टूल जर्नलिस्टिक इंटीग्रिटी को प्रभावित कर सकता है। न्यूज-राइटिंग एआई में गूगल की एंट्री ने जर्नलिज्म के फ्यूचर को आकार देने में टेक्नोलॉजी के रोल के बारे में चल रही बहस में एक नया आयाम जोड़ा है।

रिलायंस का फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस अलग हुआ

जियो फाइनेंशियल का शेयर प्राइस 261 तय, आरआईएल का शेयर 2580 पर सेटल हुआ

मुंबई।
रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड यानी आरआईएल का फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस जियो फाइनेंशियल सर्विसेज अपनी मूल कंपनी से अलग हो गया। डीमर्जर के बाद प्राइस डिस्कवरी मैकेनिज्म के तहत जियो फाइनेंशियल के शेयर का भाव 261.85 रुपए तय हुआ। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का भाव तय करने के लिए एक घंटे के लिए आरआईएल के शेयर के लिए स्पेशल ट्रेडिंग सेशन रखा गया था। सुबह 9 बजे से 10 बजे तक रखे गए इस सेशन में ऑर्डर लगाया जा सकता था। इसे मॉडिफाई और कैंसिल भी कर सकते थे। रिलायंस के शेयर पर सबसे ज्यादा ऑर्डर जिस रेट पर आए उस हिसाब से जियो फाइनेंशियल का रेट तय हुआ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज एनएसई पर सुबह 10 बजे 2,580 रुपए प्रति शेयर पर सेटल हुआ, जो कल 2,841.85 प्रति शेयर पर था। इसी हिसाब से जियो फाइनेंशियल का रेट तय हुआ है। 2,841.85 रुपए में से 2,580 घटाने पर होता है 261.85 रुपए। डीमर्जर के बाद रिलायंस के शेयर 1.50प्रतिशत से ज्यादा चढ़कर 2620 रुपए के करीब ट्रेड कर रहे हैं।

अगले 2-3 महीने में लिस्ट हो सकता है शेयर

जियो फाइनेंशियल को प्रमुख इंडेक्स में शामिल किया गया है, लेकिन लिस्टिंग तक इस शेयर में ट्रेडिंग नहीं होगी। अगले दो से तीन महीने में इस शेयर की लिस्टिंग हो सकती है। डीमर्जर के बाद यह रिलायंस की नई इंडिविजुअल कंपनी बन गई है, जिसके एमडी और सीईओ हितेश कुमार सेठी होंगे। इससे पहले इस कंपनी का नाम स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट लिमिटेड था।

आरआईएल के 100 शेयर हैं तो 100 शेयर मिलेंगे

19 जुलाई को कारोबारी दिन के अंत में जिन-जिन शेयरहोल्डर्स के पास रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर्स थे उन्हें 1:1 के रेश्यो में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर मिलेंगे। उदाहरण के लिए, यदि आपके पास आरआईएल के 100 शेयर हैं, तो आपको 100 शेयर दिए जाएंगे, लेकिन आप स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट होने की तारीख तक शेयरों में ट्रेड नहीं कर सकते।

कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का प्लान

जियो फाइनेंशियल का प्लान कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का है। ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की दिग्गज कंपनी मैक्केरी ने पिछले साल अपनी रिपोर्ट में रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस को मार्केट ग्रोथ के मामले में पेटीएम और अन्य फिनटेक कंपनियों के लिए एक बड़ा खतरा बताया था।

पिछले साल मुकेश अंबानी ने किया था ऐलान

पिछले साल मुकेश अंबानी ने जियो फाइनेंशियल को एक अलग यूनिट बनाने का ऐलान किया था। उन्होंने इस बात की घोषणा करते हुए कहा था कि जियो फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी बेस्ड बिजनेस होगा, जो देशभर में डिजिटल तरीके से फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स ऑफर करेगा।

रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस में 6 कंपनियां शामिल हैं...

रिलायंस इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट्स एंड होल्डिंग्स लिमिटेड, रिलायंस पेमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड, जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड, रिलांयस रिटेल फाइनेंस लिमिटेड, जियो इंफॉर्मेशन एग्रीगेटर सर्विसेज लिमिटेड, रिलायंस रिटेल इंश्योरेंस ब्रोकिंग लिमिटेड का इन्वेस्टमेंट

नतीजे जारी करेगी रिलायंस

रिलायंस इंडस्ट्रीज शुक्रवार को पहली तिमाही के नतीजे जारी करेगी। वहीं आरआईएल ने 21 अप्रैल को चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे जारी किए थे। कंपनी का साल-दर-साल नेट प्रॉफिट 19.10प्रतिशत बढ़कर 19,299 करोड़ रुपए रहा था।

फिर साथ आएंगे शरमन जोशी व साहिल खान

-दो दशक बाद फिर साथ करने वाले है काम

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर शरमन जोशी और साहिल खान दो दशक बाद एक बार फिर साथ काम करने वाले हैं। दोनों एक्टर्स को अपनी फिल्मों स्टाइल और एक्सक्यूज मी में साथ-साथ देखा गया था। अभिनेताओं का नया प्रोजेक्ट शुरू होने के लिए पूरी तरह तैयार है। अबू धाबी में बड़े पैमाने पर शूट की जाने वाली इस फिल्म में चार ट्रैक होंगे जो चार्टबस्टर लिस्ट में टॉप पर पहुंचने और सभी रिकॉर्ड तोड़ने में आगे रहेंगे। शरमन ने कहा, फिल्म पूरी तरह से तैयार है, मैं बिल्कुल उत्साहित हूं। साहिल और मैंने पहले जो फिल्में कीं, उनमें स्क्रीन पर हमारे बीच की केमिस्ट्री को काफी सराहना मिली। यह हमारी पहली व्यावसायिक हिट थी जिसे राजू हिरानी सर ने भी देखा था, जिन्होंने फिर मुझे 3 इडियट्स के लिए साइन किया। साहिल ने साझा किया, लेखक और निर्देशक सैम खान और मैं एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं और उनके निर्देशन में काम करने को लेकर मैं बेहद खुश हूं। साथ ही, यह फिल्म मुझे और शरमन को एक बार फिर साथ लाती है। वह एक शानदार अभिनेता और साथ काम करने के लिए एक अद्भुत इंसान हैं।

डायलॉग्स और कहानी लिखने वाले लेखक मिलाप जावेरी ने कहा, फिल्म पूरी तरह से मनोरंजक होगी। इसमें दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखने वाली सभी बातें हैं। अभी तक बिना शीर्षक वाली फिल्म में सैम खान का निर्देशन और कहानी, मिलाप जावेरी की पटकथा और डायलॉग्स हैं। इसे व्हाइट लायन मोशन पिक्चर प्रोडक्शन, निमार्ता हितेश खुशालानी द्वारा निर्मित किया गया है। भुवी खुशालानी, जफर मेहदी और ईशान दत्ता सह-निमार्ता हैं।निमार्ता हितेश खुशालानी ने कहा, शरमन और साहिल को एक फिल्म के लिए एक साथ वापस लाना हमारा उस सौहार्द को फिर से बनाने का प्रयास है जो उन्होंने एक बार स्क्रीन पर साझा किया था। शरमन की कॉमिक टाइमिंग बहुत अच्छी है और साहिल का सेंस ऑफ ह्यूमर नेचुरल है। ये दोनों दर्शकों को हंसा-हंसाकर लोट-पोट कर देंगे।

इंग्लिश की ट्यूशन ले रही हैं अर्चना गौतम

-बिग बॉस 16 से घर-घर में मशहूर हुई अर्चना

मुंबई (ईएमएस)। बहुचर्चित शो बिग बॉस 16 की कंटेस्टेंटस अर्चना गौतम ने कहा है कि वह फिलहाल खुद पर ध्यान दे रही हैं, इंग्लिश की ट्यूशन ले रही हैं, किताबें पढ़ रही हैं और नया लुक अपना रही हैं। अर्चना गौतम बिग बॉस-16 से घर-घर में मशहूर हो गई है। अर्चना शो की सबसे मजबूत कंटेस्टेंट्स में से एक बनकर उभरीं और अब उनके फैंस खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में उन्हें खतरनाक स्टंट करते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। खतरों के खिलाड़ी 13 के पहले एपिसोड की स्पेशल स्क्रीनिंग में सभी कंटेस्टेंट एक साथ नजर आए। अर्चना ने अपने अनुभव और भी बहुत कुछ के बारे में बताया। अर्चना, जो इन दिनों बिल्कुल अलग अवतार में नजर आ रही हैं, ने कहा, मुझे लगता है कि जब कोई व्यक्ति किसी चीज में कदम रखता है, तो उसे हमेशा बढ़ना चाहिए। इसलिए वर्तमान में, मैं बढ़ रही हूं। मैं इंग्लिश ट्यूशन ले रही हूं, किताबें पढ़ रही हूं, खुद को क्लासी दिखाने के लिए नया लुक अपना रही हूं। मैं अब एक बेहतर एक्ट्रेस बनना चाहती हूं। उन्होंने कहा, चूंकि शो की शूटिंग केपटाउन में है, विदेशी क्रू केवल इंग्लिश में बातचीत कर रहा है, जिससे मुझे कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। इसलिए मुझे एहसास हुआ कि अगर आप विदेश यात्रा कर रहे हैं तो अंग्रेजी जरूरी है।शूटिंग के दौरान बनाए गए दोस्तों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं ऐश्वर्या और नायरा के सबसे करीब हो गई। लोग हमें त्रिमूर्ति कहते थे। शो में मैंने कई अच्छे दोस्त बनाए हैं। ऐसी चर्चा है कि वह शो की फाइनलिस्ट में से हैं। उन्होंने कहा, इसके लिए सभी को एपिसोड देखना होगा। लेकिन हां, मैं कहूंगी कि मेरे फैन बिल्कुल भी निराश नहीं होंगे। मैंने अपने सभी स्टंट बहुत अच्छे से किए हैं।

वेलकम 3 को लेकर चर्चाओं का बाजार गरम

-अरशद के साथ नजर आएंगे अक्षय कुमार, संजय दत्त

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म वेलकम के तीसरे भाग यानि की वेलकम 3 को लेकर चचाओं का बाजार गरम है। बताया जा रहा है कि फिरोज नाडियाडवाला ने अपनी इस फ्रेंचाइजी के 3रे भाग पर काम करना शुरू कर दिया है। हाल ही प्रदर्शित हुई वेब सीरीज असुर-2 से चचाओं में आए अभिनेता अरशद वारसी ने अपने हाल ही में दिए अपने एक साक्षात्कार में बताया कि इस फिल्म में उनके अलावा अक्षय कुमार और संजय दत्त भी लीड रोल निभाते नजर आएंगे। वेलकम 3 की स्केल, उसकी कोस्ट, उसका क्लाइमेक्स सब कुछ अनरियल सा लगता है। यह लाइफ से कहीं अधिक बड़ी थिएटेरिकल फिल्म है, जिसका मैं हिस्सा बनने वाला हूं। इस फिल्म में मैं, अक्षय कुमार, संजय दत्त, परेश रावल और भी बहुत सारे लोग होंगे। अरशद वारसी ने आगे कहा, सिनेमा का अब पूरा परिदृश्य बदल गया है। अब थिएटरों में रिलीज होने वाली सभी फिल्में सुपरहीरो फिल्में हैं। वह बहुत बड़ी और लारजर देन लाइफ होती हैं और यह विचित्र है। मैं खुद को उसी तरह देख रहा हूं। इन बड़ी फिल्मों में छोटा-मोटा काम करना मुझे पसंद नहीं है। मेरे लिए नौकरी में संतुष्ट होना सबसे महत्वपूर्ण है। ये ऐसी फिल्में हैं जो मुझे ढेर सारा पैसा देंगी। मुझे जो प्रस्ताव मिले हैं, वह मुझे कुछ खास पसंद नहीं आए। और अब जो मैं कर रहा हूं वह वेलकम-3 है। अरशद वारसी इन दिनों अपनी वेबसीरीज असुर 2 को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। अरशद वारसी, अनुप्रिया गोयनका, रिद्धि डोगरा और वरुण सोबती स्टारर यह फिल्म 1 जून को जियो सिनेमा पर रिलीज हुई थी। इस सीरीज में अरशद वारसी एक पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आ रहे हैं। यह सीरीज दर्शकों को काफी पसंद आई है और इसमें अरशद वारसी के किरदार की काफी सराहना भी हुई है। बता दें कि बीते दिनों रिलीज हुई अक्षय कुमार, कटरीना कैफ, नाना पाटेकर और अनिल कपूर स्टारर फिल्म वेलकम बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। साल 2015 में वेलकम का सीक्वल रिलीज हुआ वेलकम बैक, जिसमें अक्षय कुमार की जगह एक्टर जॉन अब्राहम लीड रोल में नजर आए थे।

मेरी क्रिसमस 15 दिसंबर को रिलीज के लिए तैयार

बालीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ, विजय सेतुपति की अपकमिंग फिल्म मेरी क्रिसमस 15 दिसंबर को रिलीज होगी। रमेश तौरानी-जया तौरानी, संजय रौट्रे और केवल गर्ग द्वारा निर्मित मेरी क्रिसमस एक कोलैबोरेशन है, जो दो प्रतिष्ठित प्रोडक्शन हाउस, टिप्स फिल्म्स और मैचबॉक्स पिक्चर्स के विजन और विशेषज्ञता को जोड़ती है। फिल्म को अलग-अलग सपोर्टिंग एक्टर्स के साथ दो भाषाओं में शूट किया गया है। हिंदी वर्जन में को-स्टार संजय कपूर, विनय पाठक, प्रतिमा कन्नन और टीनू आनंद हैं, जबकि तमिल वर्जन में राधिका सरथकुमार, शनमुगराजा, केविन जय बाबू और राजेश विलियम्स भी हैं। फिल्म में अश्विनी कालसेकर और राधिका आप्टे का कैमियो हैं।

प्रियंका को परिणीति ने खास अंदाज में किया बर्थडे विश

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा का आज जन्मदिन है। इस मौके पर प्रियंका की कजिन सिस्टर परिणीति चोपड़ा ने भी उन्हें खास अंदाज में बर्थडे विश किया है और एक अनसीन फोटो भी शेयर की है। प्रियंका आज अपना 41वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। इस खास मौके पर एक्ट्रेस को फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े तमाम लोग ढेर सारी बधाइयां दे रहे हैं। परिणीति चोपड़ा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर अपनी सगाई की एक अनसीन तस्वीर शेयर की है। इस प्यारी सी फोटो में प्रियंका लाइट ग्रीन कलर की साड़ी में नजर आ रही हैं और वह परिणीति के माथे का मांग टीका ठीक कर रही हैं। वहीं परिणीति भी अपनी बहन को बड़े प्यार से निहार रही हैं। इस तस्वीर के कैप्शन में परिणीति ने लिखा जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं मिमी दीदी... सभी चीजें जो आपने की, उसके लिए थैंक यू! आई लव यू। बता दें कि सिटाडेल के बाद प्रियंका चोपड़ा अपनी अपकमिंग हॉलीवुड फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस जॉन सीना और इद्रिस एल्बा के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। फिल्हाल इसकी शूटिंग लंदन में चल रही है। ऐसे में एक्ट्रेस के पति निक जोनस भी लंदन पहुंचे हुए हैं।

असिस्टेंट से स्टार बनी भूमि पेडनेकर, याद किया स्ट्रगल तो सामने आई सच्चाई

-पढ़ाई के लिए बैंक से लिया लोन, किश्त भरने के लिए ढूंढी असिस्टेंट की जॉब

मुंबई (ईएमएस)। आर्ट फिल्मों की सुपर स्टार भूमि पेडनेकर का स्ट्रगल भी कम नहीं है। उन्हें मातापिता ने जब ड्रामा स्कूल में डाला तो बैंक से लोन लेकर फीस भरी गई, लेकिन किश्त भरने के लिए भूमि को ही जॉब ढूढनी पड़ी। और उसी असिस्टेंट की जॉब के बाद भूमि सुपर स्टार बन गई। बता दें कि 34 साल की हो चुकीं भूमि पेडनेकर ने 8 सालों में अपनी एक खास पहचान बनाई है। उनकी स्ट्रगल स्टोरी शायद ही किसी को पता हो। भूमि आज बॉलीवुड की तमाम बड़ी एक्ट्रेस को टक्कर देती हैं। उनका स्टाइलिश और फैशन अब देखते ही बनता है। यही नहीं उनकी लाइफस्टाइल भी काफी लग्जीरियस है। साल 2015 में आई आयुष्मान खुराना की फिल्म दम लगा के हईशा से अपने करियर की शुरूआत की थी। इसके बाद टॉयलेट एक प्रेम कथा और शुभ मंगल सावधान सोन चिड़िया, पति पत्नी और वो, बाला, सांड की आंख बधाई दो और रक्षाबंधन जैसी फिल्में कर चुकी हैं। बता दें कि बहुत कम लोग जानते होंगे कि भूमि जब एक्टिंग स्कूल में पढ़ाई कर रही थीं, तो उन्हें वहां से निकाल दिया गया था। क्योंकि उनके माता- पिता बैंक से लोन लेकर उन्हें पढ़ा रहे थे। ऐसे में भूमि बैंक का लोन भरने के लिए पढ़ाई के साथ ही साथ काम भी कर रही थीं। इसलिए स्कूल में उनकी अटेंडेंस कम होने लगी तो एक बार उन्हें स्कूल से बाहर कर दिया गया था। एक इंटरव्यू में भूमि ने बताया था कि वह बैंक का लोन भरने के लिए यशराज फिल्म्स में बतौर असिस्टेंट फिल्म डायरेक्टर काम किया। वहां से जो सैलरी मिलती थी, उससे वह अपना खर्चा निकालती और फीस भरती थीं। हालांकि आज वक्त बदल चुका है। तमाम असुविधाओं के बीच रहने वाली भूमि ने खुद को सुपरहिट एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल कर लिया है। भूमि ने अपने इतने कम वक्त में बॉलीवुड के तमाम बड़े अभिनेताओं के साथ काम किया है। भूमि पेडनेकर ने बताया था उनका एक्ट्रेस बनना कोई एक्सीडेंट नहीं था। एक्ट्रेस बनने से पहले फेमस कास्टिंग डायरेक्टर की असिस्टेंट की जाब ऑफर हुई और उन्होंने उसे एक्सेप्ट भी कर लिया। बता दें कि करियर के शुरूआती दिनों में भूमि कास्टिंग डायरेक्टर शानो शर्मा की असिस्टेंट थीं और शानो यश राज फिल्म्स के लिए काम कर रहे थे। इसी बैनर तले काम करते हुए भूमि एक्ट्रेस बनी थीं। फिल्म दम लगा के हईशा को बनाने के दौरान एक दिन शानो ने उनसे कहा कि तुम्हें माक ऑडिशन देना चाहिए और वह ऑडिशन के लिए तैयार हो गई। इसके बाद शानो ने उनसे फिल्म के चार सीन करने को दिए और उन्होंने वो सीन बेहद शानदार तरीके से किये। साथ बैठे फिल्म के डायरेक्टर शरत कटारिया को उनका ऑडिशन काफी पसंद आया। ऑडिशन पसंद आन के बाद डायरेक्टर शरत कटारिया ने उन्हें बताया कि ये कोई माक ऑडिशन नहीं था हम तुम्हें ही फिल्म में कास्ट करना चाहते थे लेकिन ऑडिशन के बाद। बस उसी दिन से भूमि की तकदीर ही बदल गई और आज एक से बढ़कर एक फिल्में दे रहीं हैं।

'बाल ब्रह्मचारी छुई कइसे नारी' में अरविन्द का जबरदस्त अंदाज

-रामांटिक मूड में फिल्माया गया गाना यूट्यूब चैनल पर हुआ है रिलीज

लखनऊ, (हि.स.)। भोजपुरी के सुपर स्टार अरविंद अकेला कल्लू और ऋचा दीक्षित भोजपुरी फिल्म 'कलयुगी ब्रह्मचारी' का रोमांटिक सांग 'बाल ब्रह्मचारी छुई कइसे नारी' वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस गाने के वीडियो में अरविंद अकेला कल्लू का जबरदस्त अंदाज देखने को मिल रहा है। वहीं एक्ट्रेस ऋचा दीक्षित अपनी रोमांटिक अदा की बिजली गिरा रही हैं। यह रोमांटिक मूड में फिल्माया गया है। इस गाने के वीडियो में दिखाया गया है कि अरविंद अकेला कल्लू घर में हरमोनिया बजाकर गाने का रियाज करना चाहते हैं। तभी रंभा-उर्वशी की तरह ध्यान भंग करने के लिए रोमांटिक अंदाज में ऋचा दीक्षित आती हैं और कल्लू को रिझाने की कोशिश करती हैं। वह रिझाते हुए कहती हैं कि 'आवा ना पांजा में ए राजा जानी, भागेला कहाँ देखिके जवानी, देला टाइम गवाई मजामारी...इसके बाद ऋचा से छुटकारा पाने के लिए कल्लू अपना बचाव करते हुए कहते हैं कि 'बाल ब्रह्मचारी छुई कइसे नारी...' इस गाने में दोनों स्टार की रोमांटिक केमेस्ट्री बहुत ही मजेदार दिख रही है। उनके फैंस और ऑडियंस को यह गाना खूब पसंद आ रहा है। ये गाना फिल्म कलयुगी ब्रह्मचारी के सीन से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है, जो कि कथानक में आगे ट्विस्ट लाने का कार्य करेगा। यह सांग अरविन्द अकेला कल्लू ने गाया है और उनके स्वर में स्वर में मिलाया है सिंगर अलका झा ने। अरविंद अकेला कल्लू स्टारर फिल्म 'कलयुगी ब्रम्हचारी' के निमार्ता और निर्देशक अनिल कुमार उपाध्याय द्वारा इस फिल्म का यह गीत लिखा है गीतकार आशुतोष तिवारी ने, साजन मिश्रा ने संगीत दिया है। काशवी आर्ट्स बैनर के तले निर्मित की गई भोजपुरी फिल्म 'कलयुगी ब्रह्मचारी' के प्रेजेंटर राम कृष्ण उपाध्याय, कलावती उपाध्याय हैं। मुख्य कलाकार अरविंद अकेला कल्लू, ऋचा दीक्षित, मनोज टाइगर, सुकेश मिश्रा, राम मणि त्रिपाठी आदि हैं। फिल्म निमार्ता और निर्देशक अनिल कुमार उपाध्याय हैं। कहानी संजय राय ने लिखा है। डीओपी आर आर प्रिंस, संगीतकार साजन बी मिश्रा, वैभव-राजू हैं।

अमिताभ ने पुराना लुक किया शेयर, आई शहंशाह की याद

बिग बी यानि की अमिताभ बच्चन ने अपना एक पुराना फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। शेयर की गई फोटो में बॉलीवुड के शहंशाह का जबरदस्त लुक देख सकते हैं। यह फोटो काफी पुरानी है। फोटो में अमिताभ बच्चन हाई बूट्स, डेनिम जीन्स, लाइट शर्ट और लेदर जैकेट पहने नजर आ रहें हैं। एक्टर ने एक हाथ में दूरबीन पकड़ी हुई है। ब्राउन शेड्स लगाए अमिताभ का अंदाज खास लग रहा है। अमिताभ की इस फोटो पर फैंस भी लगातार कमेंट्स कर रहें हैं। फैंस उनकी तारीफ कर रहें हैं। अमिताभ बच्चन ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा अच्छे दिन थे यार!! फैंस भी एक्टर की फोटो पर दिल खोल कर कमेंट कर रहें हैं। एक यूजर ने लिखा ह्यजियो अमित सर जियो कौन है ये 18 साल का लड़का? दूसरे ने लिखा अँधेरी रातों में सुनसान राहों पर जब कोई मसीहा निकलता है तो उसे शहंशाह कहते हैं।

बता दें कि अमिताथ बॉलीवुड के मोस्ट रिस्पेक्टेड और मौस्ट टैलेंटेड एक्टर हैं। एक्टर अपनी बात लोगों तक पहुंचाना खूब अच्छे से जानते हैं। अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और फैंस के साथ लाइफ अपडेट शेयर करते रहते हैं।

बिग बॉस मेरे लिए एक भावना है: सलमान खान

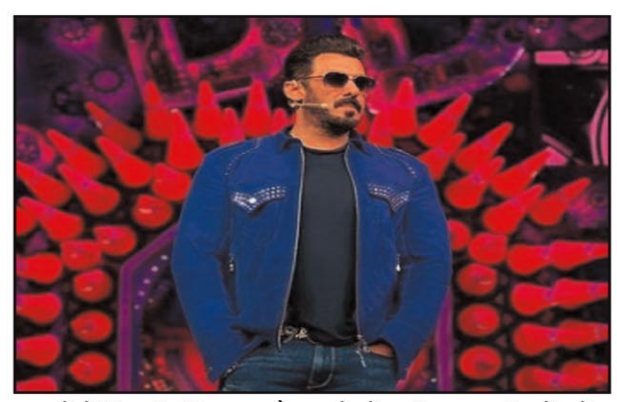

एक तरफ जहां बिग बॉस ओटीटी 2 होस्ट के रूप में सलमान के शो छोड़ने की खबरें चल रही हैं, वहीं ओटीटी वर्जन के लॉन्च के दौरान दबंग स्टार ने शो के बारे में यह कहा। सलमान खान ने कहा, बिग बॉस मेरे लिए एक भावना है; मैं हमेशा कहता हूं कि मैं अटैचमेंट से दूर रहता हूं लेकिन बिग बॉस अलग है ! मैंने इस शो को इतने सालों तक होस्ट किया है कि यह मेरे जीवन का एक हिस्सा बन गया है !बिग बॉस एक भारतीय रियलिटी शो फ्रेंचाइजी है जो डच रियलिटी शो बिग ब्रदर पर आधारित है। इसकी शुरूआत मूल रूप से हिंदी भाषा में हुई थी, और तब से इसे कन्नड़, बंगाली, तमिल, तेलुगु, मराठी और मलयालम सहित भारतीय उपमहाद्वीप में बोली जाने वाली सात भाषाओं में विस्तारित किया गया है। सलमान पिछले 13 सीजन से बिग बॉस के होस्ट रहे हैं और इस सीजन में उन्होंने बिग बॉस ओटीटी के होस्ट की कमान संभाली है। उन्होंने पहली बार 2010 में शो के चौथे सीजन को होस्ट किया था, जिसमें श्वेता तिवारी विजेता बनी थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो, सलमान जल्द ही कैटरीना कैफ के साथ टाइगर 3 में नजर आएंगे। यह फिल्म 21 अप्रैल 2023 को रिलीज होगी।

सूडोकु नवताल- 6498

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6497 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7245

शब्दजाल में 10 शहरों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

जयपुर, जामनगर, बेंगलोर, सोनीपत, जलगांव, नासिक, वाराणसी, सूरत, जबलपुर, शिमला

म	अ	मु	न	सी	जा	म	न	ग	र	ट
रा	वि	ली	प्रे	क	ना	स	द	ज	कां	ड़
सू	र	त	बा	दी	छ	सि	आ	ब	वृ	ज
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	क	ल	ष	ल
वा	अ	मी	ल	ज	चा	न	क्रो	न	भ	गां
रा	ल	न	र	य	ब	ली	ती	बैं	घ	व
ण	सिं	र्निं	ग	पु	न	ल	स	ग	व	स
सी	ह	ऊ	ई	र	ब	क	पु	लो	श	क
रा	म	तु	ला	रा	म	स	या	र	र	आ
क	गॉ	सो	नी	प	त	कुं	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	क	र्त	शि	म	ला	म

शब्दजाल - 7244 का हल

न	ख	रे	बा	ज	द	रि	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	चा	इ	ता	प
कि	स्से	बा	ज	बा	छ	ची	ल	रा	क	त्ते
री	ज	र	दो	पु	धो	खे	बा	ज	त	बा
क	खु	दो	भा	लू	लं	का	ज	ग	व	ज
अ	द	फि	प	य	ख	पू	ना	हि	र	को
खा	ले	म	क	या	झा	र	जां	बा	ज	ल
ड़े	र्ज	ल्जा	ई	रे	से	क	गो	लो	श	ण
बा	बा	म	न	ब्र	बा	य	री	श	प	क
ज	दु	आ	प	व	ज	ज	ऐ	बें	हा	त
क	ब	ल्ले	बा	ज	ल	गा	य	द	प	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6198

	2		3		1	
2	32	4	39	7	34	4
		7	4			
5	30	3	38	6	31	1
			6	4		
3	27	2	25	1	31	6
	6		4		3	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6197 का हल

7	6	1	4	2	3	5
2	28	4	33	7	35	4
1	2	5	6	4	7	3
5	28	3	38	6	34	1
4	2	6	3	5	1	7
3	31	2	31	1	30	6
6	1	7	4	3	5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

गोवा चैलेंजर्स ने रोका टेबल टॉपर यू मुंबा का विजय रथ, हरमीत और रीथ का शानदार प्रदर्शन

पुणे ।
भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष टेबल टेनिस खिलाड़ी हरमीत देसाई और रीथ रिशिया टी के शानदार प्रदर्शन के दम पर गोवा चैलेंजर्स ने यू मुंबा टीटी को 9-6 से हराकर उसका विजय रथ रोक दिया। अल्टीमेट टेबल टेनिस सीजन 4 में बुधवार को गोवा को मिली शानदार जीत के साथ ही यू मुंबा के अजेय रहने का सिलसिला खत्म हो गया। चेन्नई में जन्मी रीथ ने लिली झांग को 2-1 (6-11, 11-6, 11-9) से हराया, वहीं हरमीत ने मानव ठक्कर को 2-1 (10-11, 11-7, 11-8) से हराकर गोवा को यादगार जीत दिलाई। रीथ को लिली के खिलाफ पहले गेम में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन दूसरे गेम में उन्होंने आश्चर्यजनक वापसी की। रीथ ने सटीक बैकहैंड के साथ अपनी तेज मूवमेंट का इस्तेमाल किया। तीसरे गेम में दोनों पैडलर्स के बीच रोमांचक जंग देखने को मिली। हालांकि, अंत में रीथ ने इसे जीतकर अपनी टीम के लिए टाई जीत ली। इससे पहले, हरमीत को मानव के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। यू मुंबा टीटी के इस पैडलर ने मैच की धमाकेदार शुरुआत की और गेम प्वाइंट के जरिए पहला गेम अपने नाम कर लिया। हरमीत ने दूसरे गेम में वापसी की और फिर अगला गेम भी जीतकर अपनी फ्रेंचाइजी को काफी अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया। कादरी अरुणा ने अल्वारो रॉबल्स को 2-1 से हराकर दो मूल्यवान टीम प्वाइंट अर्जित किए। रॉबल्स ने मुकाबले की शुरुआत में तेजी से कुछ अंक जुटाए। इससे के बाद कादरी ने जोरदार वापसी की और जल्द ही अच्छी बढ़त ले ली। इसके बाद उन्होंने अपने जबरदस्त फोरहैंड का इस्तेमाल करते हुए पहला गेम 11-6 से जीत लिया। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। विश्व चैंपियनशिप के पूर्व रजत पदक विजेता अल्वारो ने कादरी को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने नाइजीरियाई पैडलर के फोरहैंड शॉट्स को रिटर्न करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और जल्द ही मैच गोल्डन प्वाइंट पर पहुंच गया, जहां कादरी ने अपने अनुभव के दम पर इसे जीत लिया। रॉबल्स ने हालांकि तीसरे गेम में शानदार वापसी की और इसे 11-8 से जीत लिया। अपने पहले मुकाबले के में मनिका बत्रा को हराने वाली दीया चितले ने इस मैच में भी अच्छा खेल दिखाया।

न्यूज ब्रीफ

रोते हुए कोर्ट से बाहर गईं ग्रैंड स्लैम विजेता झांग: विपक्षी खिलाड़ी और दर्शकों ने मजाक उड़ाया; झांग शुआई ने मैच बीच में ही छोड़ा

बुडापोस्ट। बुडापेस्ट ओपन में दो बार की डबल्स ग्रैंड स्लैम विजेता चीन की झांग शुआई रोते हुए कोर्ट से बाहर गईं। हंगरी की अमरिसा कियारा टोथ के खिलाफ मैच में वे अंपायर के एक फैसले से नाराज नजर आईं। झांग ने फैसले को चुनौती दी, लेकिन फैसला झांग के खिलाफ ही गया। विपक्षी खिलाड़ी अमरिसा कियारा कोर्ट पर लाइन मिटाते नजर आईं। जिसके बाद दर्शक भी झांग का मजाक उड़ाते नजर आए। दर्शकों के ट्रोल करने से झांग इतना दुखी हुईं कि वे रोते-रोते कोर्ट से बाहर चली गईं। उन्होंने मैच बीच में ही छोड़ दिया और अमरिसा कियारा को वॉकओवर मिल गया। झांग शुआई और अमरिसा कियारा टोथ के बीच बुडापेस्ट ओपन का मैच खेला जा रहा था। पहला सेट 5-5 की बराबरी पर था। तभी चीनी स्टार ने क्रॉस कोर्ट पर फोर हैंड शॉट मारा। गेंद साइड लाइन के करीब गिरी, जिसे अंपायर ने आउट करार दिया। झांग शुआई ने इसका विरोध किया। चेयर अंपायर ने नजदीक जाकर देखा, लेकिन फैसले को नहीं बदला। चीनी खिलाड़ी ने फैसले को बदलने का बार-बार अनुरोध किया। उसी दौरान अमरिसा कियारा ने आकर लाइन के निशान को ही मिटा दिया। झांग शुआई ने टूर्नामेंट के सुपरवाइजर से भी बातचीत की, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। फैसले के बाद दर्शक भी झांग का मजाक उड़ाने लगे। उस दौरान कियारा टोथ भी हंसने लगीं। जिसके बाद झांग शुआई ने बीच मैच में ही टूर्नामेंट से हटने का फैसला ले लिया, कोर्ट से बाहर जाते हुए झांग इतना दुखी हुईं कि उनकी आंखों से आंसू गिरने लगे। झांग शुआई डबल्स इवेंट में दो ग्रैंड स्लैम जीत चुकी हैं। वे विमेंस सिंगल्स में साल 2016 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और विम्बलडन के क्वार्टर फाइनल तक भी पहुंच चुकी हैं।

कोरिया ओपन बैडमिंटन: एचएस प्रणय और प्रियांशु राजावत राउंड ऑफ 16 में हारे, ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी भी बाहर

नई दिल्ली। कोरिया की राजधानी सियोल में कोरिया ओपन खेला जा रहा है। टूर्नामेंट में गुरुवार को भारतीय शटलर एचएस प्रणय और प्रियांशु राजावत राउंड ऑफ 16 में अपने-अपने मुकाबले हारकर बाहर हो गए। वहीं विमेंस डबल्स में भारतीय जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री पुलेला गोपीचंद को भी हार का सामना करना पड़ा। मेंस सिंगल्स में पांचवीं वरीयता प्राप्त प्रणय को ली चेउक यिउ ने हराया। ली ने 31 साल के खिलाड़ी प्रणय को 21-15, 19-21, 21-18 से हराया। पहले राउंड में प्रणय ने बेल्जियम के जूलियन कैरागी पर 21-13, 21-17 से हराया था। भारत के प्रियांशु राजावत को भी दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें जापान के कोडाई नाराओका ने मात दी। कोडाई ने ऑरलियन्स मास्टर्स विजेता प्रियांशु को 21-14, 18-21, 21-17 से हराया।

नासिर हुसैन की सलाह से मुझे फायदा हुआ : रूट

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट ने कहा है कि पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने उनके करियर पर प्रभाव डाला था। 32 वर्षीय रुट को पहले तेजी से खेलने वाले क्रिकेटर के तौर पर नहीं जाना जाता था। रुट ने हुसैन को कुछ उपयोगी सलाह देने के लिए धन्यवाद दिया, जिससे उन्हें अपनी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने और टेस्ट क्रिकेट में अपने खेल को प्रबंधित करने में मदद मिली। रुट पहले धीमे खेलते थे पर अब तेजी से खेल रहे हैं। रूट ने कहा, हुसैन ने मुझे मेरी पारी के अलग-अलग समय में आउट करने के तरीकों और अपने खेल को प्रबंधित करने के बारे में कुछ जानकारी दी। यह जानकर अच्छा लगा कि वहां ऐसे लोग हैं जो मदद करने को तैयार हैं, भले ही ऐसा लग सकता है कि वे कभी-कभी आपके खेल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। वह मेरे करियर में प्रभाव डालने के लिए अपने रास्ते से हट गए और मैं आभारी हूं, क्योंकि यह एक बड़ी मदद थी। विशेष रूप से रूट के नाम 2022 से पहले 53 अर्धशतक और 23 शतक थे।

बजरंग-विनेश को ट्रायल में छूट देने पर दिल्ली हाईकोर्ट ने डब्लूएफआई से मांगा जवाब, आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली ।
एशियाई खेलों के लिए पहलवान बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट को ट्रायल में छूट देने के मामले में लगातार विवाद बढ़ रहा है। अब यह मामला कोर्ट तक पहुंच चुका है। पहलवान अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर ट्रायल की मांग की थी। इसके साथ ही बजरंग और विनेश को छूट देने को गलत बताया था। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय कुश्ती संघ से त्वरित जवाब मांगा है और पूरे मामले में विस्तार से सुनवाई के लिए शुक्रवार (21 जुलाई) का दिन तय किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को भारतीय कुश्ती महासंघ से पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया को एशियाई खेलों के ट्रायल से छूट देने का आधार बताने को कहा।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने फोगट और पुनिया को सीधे प्रवेश के खिलाफ अंडर-20 विश्व चैंपियन अंटीम पंघाल और अंडर-23 एशियाई चैंपियन सुजीत कलकल की याचिका पर सुनवाई करते हुए कुश्ती संघ को गुरुवार के दिन ही जवाब दाखिल करने के लिए कहा।

न्यायाधीश ने मामले को शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करते हुए कहा, अगर यह (चयन का आधार) उचित, निष्पक्ष और उचित है, तो यह मामले का अंत है। अदालत ने कुश्ती संघ के वकील से यह बताने को कहा कि फोगाट और पुनिया के अच्छे खिलाड़ी होने के अलावा चयन का आधार क्या था। फोगट (53 किग्रा) और पुनिया (65 किग्रा) को मंगलवार को भारतीय ओलंपिक संघ की तदर्थ समिति ने एशियाई खेलों के लिए सीधे प्रवेश दे दिया, जबकि अन्य पहलवानों को 22 और 23 जुलाई को चयन ट्रायल के माध्यम से भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करनी होगी।

पंघाल और कलकल ने छूट को चुनौती दी और एशियाई खेलों के लिए निष्पक्ष चयन प्रक्रिया की मांग की। अधिवक्ता हृषिकेश बरुआ और अक्षय कुमार ने याचिका दायर की। इसमें मांग की गई है कि दो श्रेणियों (पुरुष फ्रीस्टाइल 65 किग्रा और महिलाओं की 53 किग्रा) के संबंध में आईओए तदर्थ समिति के निर्देश को रद्द कर दिया जाए और फोगट और पुनिया को दी गई छूट को रद्द कर दिया जाए।

क्या है मामला

इसी साल 18 जनवरी के दिन भारत के 30 पहलवान कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ धरने पर बैठ गए थे। इन पहलवानों की अगुआई बजरंग पुनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक जैसे पहलवान कर रहे थे। पहलवानों ने कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए और आश्वासन के बाद धरना खत्म किया, लेकिन न्याय नहीं मिलने पर दूसरी बार अप्रैल में पहलवान धरने पर बैठ गए। धरने की वजह से पहलवानों का अभ्यास प्रभावित हुआ और कुछ प्रतियोगिताओं से उन्हें अपना नाम भी वापस लेना पड़ा। ऐसे में जब जुलाई में एशियाई खेलों के लिए कुश्ती के ट्रायल की तारीख तय की गई तब धरने में बैठे पहलवानों ने इसे आगे बढ़ाने (लगभग 10 दिन बाद आयोजित कराने) के लिए पत्र लिखा।

कुश्ती संघ का संचालन कर रही एआईओ की तदर्थ समिति ने पत्र मिलने के बाद बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट को विशेष छूट दी। दोनों पहलवानों को एशियाई खेलों की टीम में सीधे जगह दे दी गई। वहीं, बाकी पहलवानों के लिए ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। तदर्थ समिति का यह फैसला कई पहलवानों को रास नहीं आया। अंतिम पंघाल, विशाल कालीरमन जैसे पहलवानों ने इस पर विरोध जताया और बाद में अंतिम पंघाल ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर निष्पक्ष ट्रायल की मांग की। अब सभी को इस मामले में सुनावई और कोर्ट के फैसले का इंतजार है।

आईसीसी ने जारी किया ओडीआई वर्ल्ड कप-2023 का कैंपेन वीडियो: शाहरुख खान ने अपनी आवाज में समझाए क्रिकेट के नवरस

नई दिल्ली ।
इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अपकमिंग ओडीआई मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 का 2 मिनट 13 सेकंड का कैंपेन वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। ये टूर्नामेंट 5 अक्टूबर से भारत में खेला जाएगा।

खास बात ये है कि इस वीडियो में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने वॉइस ओवर किया है। साथ ही वीडियो में शाहरुख खान की झलक भी देखने को मिलती है।

वीडियो में है वर्ल्ड कप हिस्ट्री के ऐतिहासिक पलों की झलक

इस वीडियो में 1975 से आईसीसी वर्ल्ड कप की शुरुआत से लेकर अब तक के ऐतिहासिक और यादगार पलों को दिखाया गया है। वीडियो में दिनेश कार्तिक, शुभमन गिल, जेमिमा रोड्रिगेज और साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर और कोच जोंटी रोड्स भी नजर आ रहे हैं।

शाहरुख खान ने अपनी आवाज में बताए क्रिकेट के नवरस

वीडियो का थीम है- ऑल इट टेक्स इज वन डे! इसका मतलब है कि कुछ कर दिखाने के लिए सिर्फ एक दिन ही काफी है। इस थीम को वर्ल्ड कप क्रिकेट के नवरस से जोड़ा गया है। नवरस यानी क्रिकेट मैच के दौरान प्लेयर के मन में आने वाले नौ रस या भाव। ये हैं - खुशी, ताकत, गर्व, सम्मान, दर्द, गौरव, बहादुरी, आश्चर्य और जुनून जो इस साल वर्ल्ड कप में भी देखने को मिलेंगे। शाहरुख खान आईसीसी

क्रिकेट वर्ल्ड कप के ब्रांड एम्बेसडर भी हैं।

आईसीसी ने ओडीआई वर्ल्ड कप ट्रॉफी के साथ शाहरुख खान की एक फोटो भी पोस्ट की और लिखा- किंग खान और वर्ल्ड कप ट्रॉफी फाइनली हमारे बीच आ गई है वर्ल्ड कप 2023 का ये कैंपेन वीडियो मुंबई में मेटा के एक इवेंट में इंडिया के 85 कंटेंट क्रिएटर्स की मौजूदगी में लॉन्च किया गया। इस कैंपेन वीडियो को आईसीसी के ग्लोबल पार्टनर डिज्नी स्टार के साथ पार्टनरशिप में बनाया गया है। भारत में 5 अक्टूबर को अहमदाबाद में वर्ल्ड कप 2023 का पहला मैच इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। भारत का पहला मैच 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा।

अगले सप्ताह रिवील हो सकती हैं टिकट की कीमतें

वनडे वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक खेला जाएगा। लेकिन अब तक आईसीसी ने टिकट बिक्री की ऑफिशियल इन्फॉर्मेशन शेयर नहीं की है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टिकट की कीमतें अगले सप्ताह रिवील की जा सकती हैं। जिससे कि दूसरे देशों से आने वाले दर्शकों को भारत आने की प्लानिंग करने के लिए ठीक-ठाक समय मिल सके।

वॉकिंग फुटबॉल...इसमें दौड़ना नियम के खिलाफ: मैदान सामान्य से छोटा होता है, इंग्लैंड में इसके 600+ क्लब; अगस्त में वर्ल्ड कप होगा

लंदन।
फुटबॉल के बारे में सोचते हुए हम अक्सर भागते-दौड़ते खिलाड़ियों की कल्पना करते हैं। हालांकि, इंग्लैंड में ईजाद हुए नए किस्म के फुटबॉल ने लोगों का नजरिया बदल दिया है। साल 2011 में इंग्लैंड में वॉकिंग फुटबॉल नाम के खेल की शुरुआत हुई। फुटबॉल से अलग होकर भी ये खेल पूरी तरह फुटबॉल से जुदा नहीं है। वॉकिंग फुटबॉल में खिलाड़ियों को जीतने के लिए भागना नहीं होता है, बल्कि वो पूरे गेम के दौरान चलते हुए फुटबॉल खेलते हैं।

दौड़ नहीं सकते थे तो वॉकिंग फुटबॉल शुरू की

गैरी क्लार्क 7 साल की उम्र से फुटबॉल खेल रहे थे। 48 साल की उम्र में उन्हें घुटने का ऑपरेशन करवाना पड़ा। डॉक्टर से फुटबॉल में वापसी की बात करते हुए उन्हें पता चला कि वो अब कभी फुटबॉल नहीं खेल पाएंगे। हालांकि, अब वो वॉकिंग फुटबॉल खेल रहे हैं।

इंग्लैंड में 600 से ज्यादा क्लब

वॉकिंग फुटबॉल के अकेले इंग्लैंड में ही 600+ क्लब हैं। इसके नियम के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी मैच के दौरान भाग नहीं सकता और न ही जॉगिंग कर सकता है। पूरे मैच के दौरान उनका एक पैर जमीन पर रहना आवश्यक है। इसका मैदान भी सामान्य मैदान से छोटा होता है। इस खेल से खिलाड़ियों ने कई किलो वजन घटाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 12 हफ्ते वॉकिंग फुटबॉल खेलने से वृद्ध खिलाड़ियों में बॉडी मास और बॉडी फैट कम हुआ है।

अगस्त में होगा वॉकिंग फुटबॉल का वर्ल्ड नेशंस कप

इंग्लैंड में अगले महीने अगस्त में वॉकिंग फुटबॉल का वर्ल्ड नेशंस कप होगा। डर्बी शहर के सैंट जॉर्ज पार्क स्टेडियम में सभी मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में 40 टीमें हिस्सा लेंगी। 20 टीमें 50 से ज्यादा उम्र सीमा वाले ग्रुप और 20 टीमें 60 से ज्यादा उम्र सीमा वाले ग्रुप में रहेंगी। शेड्यूल अब तक जारी नहीं किया गया। टूर्नामेंट के लिए देशों के रजिस्ट्रेशन की ऑफिशियल वेबसाइट पर जारी है। हर देश दोनों एज ग्रुप कैटेगरी में एक-एक टीम ही उतार सकता है। अब तक 40 देशों ने टूर्नामेंट के लिए रजिस्ट्रेशन करा लिया है। ये देश क्वालिफायर स्टेज पार कर मुख्य टूर्नामेंट में उतरेंगे।

246 करोड़ रुपये के विवाद में टाइगर वुड्स को बड़ी राहत, पूर्व प्रेमिका ने वापस लिया केस

नई दिल्ली ।
टाइगर वुड्स की पूर्व प्रेमिका एरिका हरमन ने उनकी संपत्ति के खिलाफ अपना 30 मिलियन डॉलर का मुकदमा वापस ले लिया है। इरिका ने आरोप लगाया था कि वह वुड्स के साथ रहती थीं, लेकिन बाद में उन्हें घर से गलत तरीके से बेदखल कर दिया गया। अक्तूबर 2022 में दायर मुकदमे में आरोप लगाया गया कि 47 वर्षीय वुड्स के स्वामित्व वाले ट्रस्ट ने मौखिक किरायेदारी समझौते को तोड़कर फ्लोरिडा आवासीय मकान मालिक किरायेदार अधिनियम का उल्लंघन किया। इरिका ने गोल्फर की संपत्ति के खिलाफ मुकदमे में 30 मिलियन डॉलर की मांग की थी।

रिकॉर्ड से पता चलता है कि इसे पिछले महीने के अंत में वापस ले लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस मुकदमे को वापस लेते हुए कहा गया एरिका हरमन, अपने वकील के माध्यम से, 26 अक्तूबर, 2022 को दायर की गई शिकायत को बिना किसी पूर्वाग्रह के खारिज करती हैं, हरमन बनाम वुड्स में अपील का समाधान लंबित है और यह निर्धारित करती हैं कि उनके दावे मध्यस्थता के अधीन नहीं हैं। हरमन का कहना है कि वह 2015 में टाइगर के साथ रिलेशन में आई थीं, वहीं वुड्स का कहना है कि 2017 में इरिका के साथ उनका रिश्ता शुरु हुआ। हालांकि, यह जोड़ी अक्तूबर 2022 में टूट गई और हरमन ने आरोप लगाया कि धोखा करके उन्हें घर से बेदखल किया गया। इरिका ने दावा किया कि वुड्स की तरफ से उन्हें एक छुट्टी के लिए समान पैक करने के लिए कहा गया और एयरपोर्ट पहुंचने पर पता चला कि उन्हें घर से बाहर निकाल दिया गया है। इरिका ने कहा कि उनके और मिस्टर वुड्स के बीच एक मौखिक किरायेदारी समझौता हुआ था, जो उन्हें घर में रहने का अधिकार देता था और जब वे अलग हुए तो उस समझौते के आधार पर वह पांच साल तक उस घर में रह सकती थीं। हरमन के वकीलों ने अपनी फाइलिंग में कहा कि अगले पांच वर्षों में घर के लिए किराए के रूप में उन्हें 30 मिलियन डॉलर (2,462,128,020 रुपये) दिए जाने चाहिए। बाद में वुड्स के साथ हस्ताक्षरित गैर-प्रकटीकरण समझौते से मुक्त होने की मांग करते हुए इरिका ने कहा कि जब वह फ्लोरिडा में अपने रेस्तरां में काम कर रही थी तो उन्होंने उनका यौन उत्पीड़न किया था। फ्लोरिडा के एक न्यायाधीश ने यौन दुराचार के दावों को अस्पष्ट और बेतुका कहा और दो बार फैसला सुनाया कि मामले को निजी मध्यस्थता के माध्यम से संभाला जाना चाहिए। इस बीच, वुड्स ने अपने खिलाफ आरोपों से इनकार किया और हरमन को धोखेबाज करार दिया।

विमन्स फीफा वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड में गोलीबारी

2 की मौत, नार्वे टीम के होटल के पास हुई फायरिंग; टूर्नामेंट पर असर नहीं

ऑकलैंड।
न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में गुरुवार को विमन्स फीफा वर्ल्ड कप शुरू होने से कुछ घंटे पहले गोलीबारी हुई। इसमें 2 लोगों की मौत हो गई। फायरिंग में पुलिसकर्मी सहित 6 लोग घायल हुए। फायरिंग करने वाले व्यक्ति की भी मौत हो गई। पीएम क्रिस हिपकिंस ने कहा कि यह आतंकी हमला नहीं है। उन्होंने कहा- ये राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरे से जुड़ा मामला नहीं है। टूर्नामेंट योजना के अनुसार शुरू होगा। गोलीबारी उस होटल के पास हुई जहां नॉर्वे के खिलाड़ियों को ठहराया गया है। कई खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर सलामती की जानकारी दी है।

शूटिंग के बाद टूर्नामेंट से जुड़ा फैन ईवेंट कैंसिल

फायरिंग के बाद शहर में होने वाले एक फैन ईवेंट को कैंसिल कर दिया गया। इटली की टीम की ट्रेनिंग में देरी हुई, क्योंकि खिलाड़ियों को कुछ समय तक होटल से बाहर नहीं निकलने के आदेश मिले थे। अमेरिकी दूतावास ने अपने खिलाड़ियों के सकुशल होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा- वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी में प्रेसिडेंशियल डेलिगेशन का नेतृत्व करने वाले उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस के पति डगलस एम्हॉफ सभी खिलाड़ियों के साथ सुरक्षित हैं। फीफा ने कहा- हमें पूरे मामले के बारे में बताया गया है। इसका टूर्नामेंट के शेड्यूल पर असर नहीं पड़ेगा। ओपनिंग मैच रात में अपने शेड्यूल के हिसाब से ही शुरू होगा।

शूटर के पास थी शॉट गन

पुलिस ने बताया कि शूटर के पास पंप एक्शन शॉट गन थी। उन्हें बिल्डिंग में गोली चलने की खबर मिली थी। इसका

बाद पुलिस की टीम वहां पहुंची तो शूटर लिफ्ट एरिया में चला गया। इसके बाद आरोपी ने कई गोलियां चलाईं और थोड़ी देर बाद वहां से उसका शव बरामद हुआ। आरोपी की उम्र 24 साल के आसपास बताई जा रही है। फिलहाल बिल्डिंग के कुछ दूर तक इलाके में भारी पुलिसबल तैनात है।

20 अगस्त तक चलेगा टूर्नामेंट, नॉर्वे-न्यूजीलैंड के बीच ओपनिंग मैच

ऑकलैंड में गुरुवार से नौंवां महिला फीफा वर्ल्ड कप शुरू होने वाला है। इसकी मेजबानी ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड कर रहे हैं। टूर्नामेंट के लिए शहर में हजारों खिलाड़ी मौजूद हैं। न्यूजीलैंड की महिला फुटबॉल टीम गुरुवार शाम 7 बजे (लोकल समय के मुताबिक) नॉर्वे के खिलाफ शहर के ईडन पार्क में टूर्नामेंट की शुरुआत करेगी।

इस बार कुल 32 टीमें फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रही हैं। इस मेगा इवेंट का खिताबी मुकाबला 20 अगस्त को सिडनी ओलंपिक स्टेडियम में खेला जाएगा। ये पहली बार है जब 2 देश मिलकर महिला फीफा वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहे हैं। टूर्नामेंट में कुल 10 स्टेडियम में 64 मैच खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया के 6 स्टेडियम सिडनी, मेलबर्न, पर्थ, ब्रिस्बेन और एडिलेड और न्यूजीलैंड के 4 स्टेडियम ऑकलैंड, वेलिंगटन, डुनेडिन और हैमिल्टन में मैच खेले जाएंगे। पिछले 2 बार से अमेरिका की टीम खिताब जीतती आई है। उसने सबसे ज्यादा 4 बार खिताब जीता है। इस बार टीम की नजर हैट्रिक पर होगी। इस बार प्राइज मनी 110 मिलियन डॉलर, यानी 900 करोड़ रुपए से ज्यादा रखी गई है, जिसे सभी टीमों में बांटा जाएगा। खिताब जीतने वाली टीम को ट्रॉफी के साथ 86 करोड़ रुपए की इनामी राशि मिलेगी।

देश में सोलर कार पर काम...

वाराणसी में आईआईटी, बीएचयू के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने एक सोलर कार तैयार की है। यह सोलर कार ईंधन तो बचाएगी ही, साथ ही इसमें एसी भी चलाया जा सकेगा। हालांकि एसी को कम समय के लिए ही चलाया जा सकेगा। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही यह कार बाजार में उपलब्ध हो सकेगी। अभी कार की इलेक्ट्रिक प्रणाली को सौर ऊर्जा पैनल से जोड़ा गया है। कार की छत पर लगाया गया सौर ऊर्जा पैनल इसकी बैटरियों को ऊर्जा देगा। यह प्रोजेक्ट टाटा मोटर्स के सहयोग से चलाया जा रहा है। सोलर पैनल छत पर लगे होने के कारण कार के अंदर गर्मी नहीं होगी। एक बार एसी चलाकर थोड़ी देर में इसे बंद कर दिया जाय तो कार में काफी देर तक ठंडक बनी रहेगी। एक कार को कम से कम 400 किलोवाट ऊर्जा की जरूरत होगी। फिलहाल सौर ऊर्जा से करीब 180 वाट ऊर्जा ही मिल रही है। ऐसे में बाकी की ऊर्जा के लिए डीजल और बायो डीजल के मिश्रण का इस्तेमाल होगा।

धार्मिक दृष्टि से आहार...

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आहार का सेवन किया जाता है। धार्मिक दृष्टि से आहार शुद्ध और पवित्र होना आवश्यक है। उपनिषदों में कहा गया है कि 'जैसा अन्न वैसा मन' अर्थात हम जैसा भोजन करते हैं, उसी के अनुसार हमारा मानसिक विकास होता है। शुद्ध एवं उचित आहार भगवान की उपासना का एक अंग है। भोजन करते समय किसी भी अपवित्र खाद्य पदार्थ को ग्रहण करना निषिद्ध है। यही कारण है कि भोजन करने से पूर्व भगवान को भोग लगाने का विधान है जिससे कि हम केवल शुद्ध और उचित आहार ही ग्रहण करें। श्रीमदभगवद् गीता के सत्रहवें अध्याय में भोजन के तीन प्रकारों सात्विक, राजसिक एवं तामसिक का उल्लेख मिलता है। सात्विक आहार शरीर के लिए लाभकारी होते हैं और आयु, गुण, बल, आरोग्य तथा सुख की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार के आहार में गौ घृत, गौ दुग्ध, मक्खन, बादाम, काजू, किशमिश आदि मुख्य हैं। राजसिक भोजन कड़वे, खट्टे, नमकीन, गर्म, तीखे व रुखे होते हैं। इसके सेवन से शरीर में दुख, शोक, रोग आदि उत्पन्न होने लगते हैं। इमली अमचूर, नींबू, छाछ, लाल मिर्च, राई जैसे आहार राजसिक प्रकृति के माने गए हैं। तामसिक भोजन किसी भी दृष्टि से शरीर के लिए लाभकारी नहीं होते। बासी, सड़े-गले, दुर्गंध युक्त, जूठे, अपवित्र और त्याज्य आहार तामस भोजन के अंतर्गत माने जाते हैं। श्रीमद्भागवद गीता के अनुसार सात्विक भोजन करने वाला दैवी सम्पत्ति का स्वामी होता है।

रसोई और वास्तु...

घर के महत्वपूर्ण हिस्सों में से रसोई भी एक है। अगर इस भाग में वास्तुदोष हो तो घर में रहने वाले लोगों की सेहत और कमाई पर वह अपना बुरा प्रभाव डालता है। रसोई व्यवस्थित, शुद्ध और साफ-सुथरी होनी चाहिए। ऐसी रसोई में देवी-देवता अपना स्थाई वास बना लेते हैं जिससे घर में कभी भी धन और सुख-समृद्धि की कमी नहीं रहती। रसोई में मंदिर बनाने से पारिवारिक सदस्यों के स्वभाव में गुस्सा और असहनशीलता आती है। रसोई में स्टोर बनाने से जॉब अथवा व्यापार में तरक्की नहीं हो पाती। जिस घर में रसोई और वॉशरूम एक सीध में हो वहां के सदस्यों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं रहती हैं। बेटियों के जीवन में भी अशांति रहती है। मुख्यद्वार के बिल्कुल सामने किचन का होना अपशगुन का प्रतीक होता है। बिना नहाए रसोई में जाने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। रसोई का इंटीरियर वास्तु के अनुसार सेट न किया हो तो सेहत और कमाई के साधनों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। दक्षिण-पूर्व दिशा में बना किचन अन्न-धन के भंडार भरता है। सिंक को रसोई के उत्तर-पूर्व में बनवाएं। जल और अग्नि में वैर भाव होता है इसलिए सिंक और चूल्हे को एक सीध में नहीं रखना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को दक्षिण पूर्व अथवा दक्षिण दिशा में रखना चाहिए। गैस स्टोव और इंडक्शन चूल्हे को दक्षिण पूर्व दिशा में रखें, दीवार से कम से कम 3 इंच की दूरी होनी चाहिए और चूल्हे के ऊपर शेल्फ नहीं होनी चाहिए।

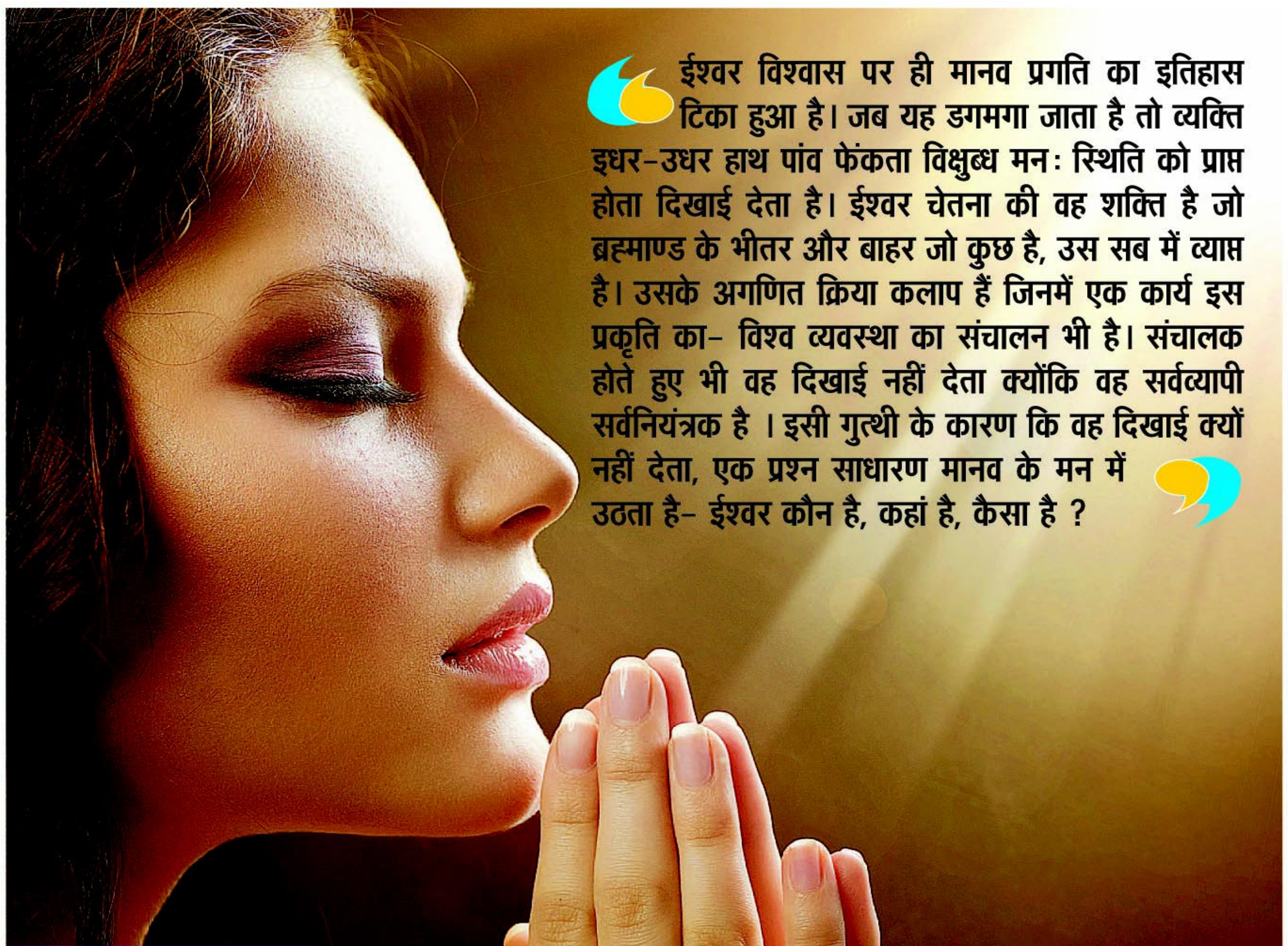

ईश्वर कौन है, कहां है, कैसा है?

मात्र सृष्टि संचालन ही ईश्वर का काम नहीं है चूंकि हमारा संबंध उसके साथ इसी सीमा तक है, अपनी मान्यता यही है कि वह इसी क्रिया-प्रक्रिया में निरत रहता होगा, अतः उसे दिखाई भी देना चाहिए। मनुष्य की यह आकांक्षा एक बाल कौतुक ही कही जानी चाहिए क्योंकि अचिन्त्य, अगोचर, अगम्य परमात्मा- पर ब्रह्म- ब्राह्मी चेतना के रूप में अपने ऐश्वर्यशाली रूप में सारे ब्रह्माण्ड में, इको सिस्टम के कण-कण में व्याप्त है। ईश्वर कैसा है व कौन है, यह जानने के लिए हमें उसे सबसे पहले आत्मविश्वास- सुदृढ़ आत्म-बल के रूप में अपने भीतर ही खोजना होगा। ईश्वर सद्गुणों का- सत्प्रवृत्तियों का- श्रेष्ठताओं का समुच्चय है जो अपने अंदर जिस परिमाण में जितना इन सद्गुणों को उतारता चला जाता है, वह उतना ही ईश्वरत्व से अभिपूरित होता चला जाता है। ईश्वर रसो वैसैः के रूप में भी विद्यमान है तथा वेदान्त के तत्त्वमसि, अयमात्मा ब्रह्म के रूप में भी। व्यक्तित्व के स्तर को जीवो ब्रह्मैव नापरः की उक्ति के अनुसार परिष्कात कर परमहंस- स्थित प्रज्ञ की स्थिति प्राप्त कर आत्म साक्षात्कार कर लेना ही ईश्वर दर्शन है-आत्म साक्षात्कार है- जीवन्मुक्त स्थिति है।

भ्रांतियां भी कम नहीं

ईश्वर के संबंध में भ्रांतियां भी कम नहीं हैं। बालबुद्धि के लोग कशाय कल्मषों को धोकर साधना के राज- मार्ग पर चलने को एक झंझट मानकर सस्ती पगडंडी का मार्ग खोजते हैं। उन्हें वही शार्टकट पसन्द आता है। वे सोचते हैं कि दृष्टिकोण को घटिया बनाए रखकर भी थोड़ा बहुत पूजा उपचार करके ईश्वर को प्रसन्न भी किया जा सकता है व ईश्वर विश्वास का दिखावा भी। जबकि ऐसा नहीं है। उपासना, साधना, आराधना की त्रिविध राह पर चल कर ही ईश्वर दर्शन संभव है। ईश्वर कौन है, कैसा है- यह जान लेने पर, वह भी रोजमर्रा के उदाहरणों से विज्ञान सम्मत शैली द्वारा समझ लेने पर किसी को भी कोई संशय नहीं रह जाता कि आस्तिकता का तत्त्व दर्शन ही सही है। यह इसलिए भी जरूरी है कि ईश्वर विश्वास यदि धरती पर नहीं होगा तो समाज में अनीति मूलक मान्यताओं, वर्जनाओं को लांघकर किए गए दुष्कर्म का ही बाहुल्य चारों ओर होगा, कर्मफल से फिर कोई डरेगा नहीं और चारों ओर नरपशु, नरकीटकों का या जिसकी लाठी उसकी भैंस का शासन नजर आएगा।

कर्मों के प्रति सजगता

अपने कर्मों के प्रति व्यक्ति सजग रहे, इसीलिए ईश्वर विश्वास जरूरी है। कर्मों के फल को उसी को अर्पण कर उसी के निमित्त मनुष्य कार्य करता रहे, यही ईश्वर की इच्छा है। ईश्वर शब्द बड़ा अभव्यंजनात्मक है। सारी सृष्टि में जिसका ऐश्वर्य छाया पड़ा हो, चारों ओर जिसका सौंदर्य दिखाई देता हो- सृष्टि के हर कण में उसकी झांकी देखी जा सकती हो, वह कितना ऐश्वर्यशाली होगा इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसीलिए उसे अचिन्त्य बताया गया है। इस सृष्टि में यदि हर वस्तु का कोई निमित्त कारण है- कर्ता है, तो वह ईश्वर है। वह बाजीगर की तरह अपनी सारी कठपुतलियों को नचाया करता है व ऊपर से बैठकर तमाशा देखता रहता है। यही पर ब्रह्म- ब्राह्मी चेतना जिसे हर श्वास में हर कार्य में, हर पल अनुभव किया जा सकता है- सही अर्थों में ईश्वर है। प्राणों के समुच्चय को जिस प्रकार महाप्राण कहते हैं, ऐसे ही आत्माओं के समुच्चय को- सर्वोच्च सर्वोत्कृष्टता को- हम सब के परमपिता को परमात्मा कहते हैं।

नास्तिकवाद का कथन

नास्तिकवाद का कथन यह है कि इस संसार में ईश्वर नाम की कोई वस्तु नहीं क्योंकि उसका अस्तित्व प्रत्यक्ष उपकरणों से सिद्ध नहीं होता। अनीश्वरवादियों की मान्यता है कि जो कुछ प्रत्यक्ष है, जो कुछ विज्ञान- सम्मत है केवल वही सत्य है। चूंकि वैज्ञानिक आधार पर ईश्वर की सत्ता का प्रमाण नहीं मिलता इसलिए उसे क्यों मानें? इस प्रतिपादन पर विचार करते हुए हमें यह सोचना होगा कि अब तक जितना वैज्ञानिक विकास हुआ है क्या वह पूर्ण है? क्या उसने सृष्टि के समस्त रहस्यों का पता लगा लिया है? यदि विज्ञान को पूर्णता प्राप्त हो गई होती तो शोध कार्यों में दिन- रात माथापच्ची करने की वैज्ञानिकों को क्या आवश्यकता रह गई होती? बात यह है कि विज्ञान का अभी अत्यल्प विकास हुआ है। उसे अभी बहुत कुछ जानना बाकी है। कुछ समय पहले तक भाप, बिजली, पेट्रोल, एटम, ईथर आदि की शक्तियों का कौन जानता था, पर जैसे- जैसे विज्ञान में प्रौढ़ता आती गई यह शक्तियां खोज निकाली गईं। यही जड़ जगत की खोज है। चेतन जगत सम्बन्धी खोज तो अभी प्रारंभिक अवस्था में ही है।

हमारे साधन ही स्वल्प

बाह्य मन और अंतर्मन की गतिविधियों को शोध से ही अभी आगे बढ़ सकना संभव नहीं है। यदि हम अधीर न हों तो आगे चलकर जब चेतन जगत के मूल तत्त्वों पर विचार कर सकने की क्षमता मिलेगी तो आत्मा और परमात्मा का अस्तित्व भी प्रामाणिक होगा। ईश्वर अप्रामाणिक नहीं है। हमारे साधन ही स्वल्प हैं जिनके आधार पर अभी उस तत्व का प्रत्यक्षीकरण संभव नहीं हो पा रहा है। जब साम्यवादी विचारधारा का जन्म हुआ था तब वैज्ञानिक विकास बहुत स्वल्प मात्रा में हो पाया था। उन दिनों सृष्टि के अंतराल में काम करने वाली चेतन सत्ता का प्रमाण पा सकना अविकसित विज्ञान के लिए कठिन था, पर अब तो बादल बहुत कुछ साफ हो गए हैं। वैज्ञानिक प्रगति के साथ- साथ मनीषियों के लिए चेतन- सत्ता का प्रतिपादन कुछ कठिन नहीं रहा था। आधुनिक विज्ञानवेत्ता ऐसी संभावना प्रकट करने लगे हैं कि निकट भविष्य में ईश्वर का अस्तित्व वैज्ञानिक आधार पर भी प्रामाणिक हो सकेगा। जो आधार विज्ञान को अभी प्राप्त हो सके हैं वे अपनी अपूर्णता के कारण आज ईश्वर का प्रतिपादन कर सकने में समर्थ भले ही न हों पर उनकी संभावना से इंकार कर सकना उनके लिए भी शक्य नहीं है।

क्या कहते हैं वैज्ञानिक

सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक रिचार्डन से लिखा है-विश्व की अगणित समस्याओं तथा मानव की मानसिक प्रतिक्रियाएं वैज्ञानिक साधनों, गणित तथा यन्त्रों के आधार पर हल नहीं होतीं। भौतिक विज्ञान से बाहर भी एक अत्यन्त विशाल दुरूह अज्ञात क्षेत्र रह जाता है जिसे खोजने के लिए कोई दूसरा साधन प्रयुक्त करना पड़ेगा। भले उसे अध्यात्म कहा जाय या कुछ और। वैज्ञानिक मैकब्राइट का कथन है- इस विश्व के परोक्ष में किसी ऐसी सत्ता के होने की पूरी संभावना है जो ज्ञान और इच्छायुक्त हो। डॉ. मर्डेल ने लिखा है- विभिन्न धर्म, सम्प्रदायों में ईश्वर का जैसा चित्रण किया गया है वैसा तो विज्ञान नहीं मानता पर ऐसी संभावना अवश्य है कि अणु जगत् के पीछे कोई चिंतन शक्ति काम कर रही है । इस संभावना के सत्य सिद्ध होने से ईश्वर का अस्तित्व भी प्रामाणित हो सकता है। विख्यात विज्ञानी इंगोल्ड का कथन है कि जो चेतना इस सृष्टि में काम कर रही है उसका वास्तविक स्वरूप समझने में अभी हम असमर्थ हैं। इस संबंध में हमारी वर्तमान मान्यताएं अधूरी अप्रामाणिक और असंतोषजनक है। अचेतन अणुओं के अमुक प्रकार मिश्रण से चेतन प्राणियों के काम करने वाली चेतना उत्पन्न हो जाती है यह मान्यता संदेहास्पद ही रहेगी।

स्वीकार रहा है विज्ञान

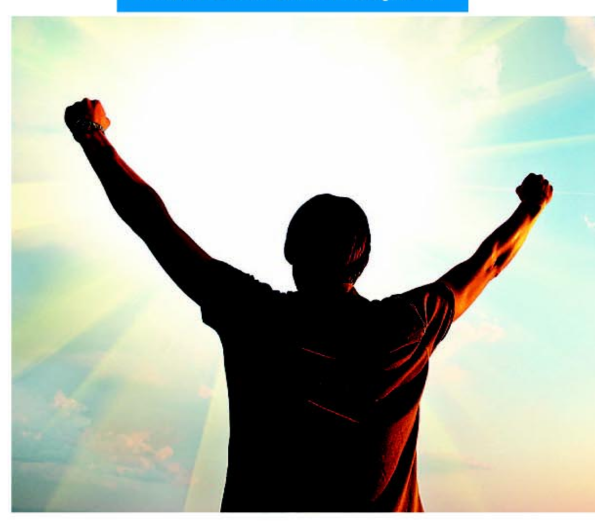

विज्ञान अब धीरे- धीरे ईश्वर की सत्ता स्वीकार करने की स्थिति में पहुंचता जा रहा है। जान अटुअर्ट मिल का कथन सचाई के बहुत निकट है कि विश्व की रचना में प्रयुक्त हुई नियमबद्धता और बुद्धिमत्ता को देखते हुए ईश्वर की सत्ता स्वीकार की जा सकती है। कान्ट, मिल, हेल्स, होल्टज, लांग, हक्सले, कम्टे आदि वैज्ञानिकों ने ईश्वर की असिद्धि के बारे में जो कुछ लिखा है वह बहुत पुराना हो गया, उनकी ये युक्तियां जिनके आधार पर ईश्वर का खंडन किया जाया करता था अब असामयिक होती जाती हैं। डॉ. पिलन्ट ने अपनी पुस्तक थीइज्म में इन युक्तियों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण में ही खण्डन करके रख दिया है। भौतिक विज्ञान का विकास आज आशाजनक मात्रा में हो चुका है। यदि विज्ञान की यह मान्यता सत्य होती कि अमुक प्रकार के अणुओं के अमुक मात्रा में मिलने से चेतना उत्पन्न होती है। तो उसे प्रयोगशालाओं में प्रामाणित किया गया होता। कोई कृत्रिम चेतन प्राणी अवश्य पैदा कर ली गई होती अथवा मृत शरीरों को जीवित कर लिया गया होता। यदि वस्तुतः अणुओं के सम्मिश्रण पर ही चेतना का आधार रहा होता तो मृत्यु पर नियंत्रण करना मनुष्य के वश से बाहर की बात न होती। शरीरों में अमुक प्रकार के अणुओं को प्रवेश कर देना तो विज्ञान के लिए कोई बड़ी बात नहीं है। यदि नया शरीर न भी बन सके तो जीवित शरीरों को मरने से बचा सकना तो अणु विशेषज्ञों के लिए सरल होना ही चाहिए था।

मान्यता बदलनी पड़ती है

विज्ञान का क्रमिक विकास हो रहा है। उसे अपनी मान्यताओं को समय-समय पर बदलना पड़ता है। कुछ दिन पहले तक वैज्ञानिक पृथ्वी की आयु केवल सात लाख वर्ष मानते थे और भारतीय ज्योतिर्विदों की उस उक्ति का उपहास उड़ाते थे जिसके अनुसार पृथ्वी की आयु एक अरब 67 करोड़ वर्ष मानी गई है। अब रेडियम धातु तथा यूरेनियम नामक पदार्थ के आधार पर जो शोध हुए हैं उससे पृथ्वी की आयु लगभग दो अरब वर्ष सिद्ध हो रही है और वैज्ञानिकों को अपनी पूर्व मान्यताओं को बदलना पड़ रहा है।

रमजान और खजूर का नाता...

रमजान का महीना हो और रोजा इफ्तार में खजूर न हो ऐसा नहीं हो सकता। रमजान में खजूर का बड़ा महत्व होता है। इफ्तार में खजूर खाना सुन्नत माना जाता है। मुस्लिम धर्मावलंबी इन दिनों दिनभर रोजा रखने के बाद शाम को इफ्तार के समय फल और हल्के पदार्थों का सेवन करते है लेकिन इस समय खजूर से रोजा इफ्तार करना बड़ा पवित्र माना जाता है। मदीने की खजूर अजूआ और अंबर रोजेदारों के बीच बड़ी पसंदीदा है। अजूआ खजूर के बारे में कहा जाता है कि 1400 साल पहले इसका पौधा पैगंबर साहब ने अपने हाथों से लगाया था। उसी की नस्ल आज तक मदीना में कायम है। यह खजूर अब दुनियाभर में लोगों की पसंद बन चुका है। अंबर खजूर को भी मदीना की खास

खजूर में माना जाता है। पवित्र कुरआन में कई बार उन उपकारों और मेहरबानियों की चर्चा की गई है जो फलों की सूरत में मनुष्य को प्रदान किए गए हैं। उन फलों में यूं तो अंगूर, अंजीर, अनार और जैतून का वर्णन बार-बार आया है, लेकिन कुरआन में जिस फल और दरख्त का उदाहरण सबसे ज्यादा दिया गया है वह खजूर है। इसका वर्णन नख़्ल और नखील के नाम से बीस बार कुरआन-ए-करीम में किया गया है। खजूर की किस्मों और उसकी गुठलियों वगैरह का वर्णन भी कुरआन पाक में अलग-अलग नामों से किया गया है।

अरब में खजूर

अरबी में यूं तो इसको खजूर के दरख्त को नख्ल कहते हैं और इसके फल को तमर कहा जाता है, लेकिन अरब और अफ्रीकी देशों में तमर के अलावा भी खजूर दूसरे अधिक नामों से मशहूर है। कुछ अरब मुल्कों में हिंदी शब्द खजूर और फारसी शब्द खुरमा भी काफी मशहूर हो गया है। अरब के बाजारों में खजूर अपनी किस्मों के नाम से भी बिकता है-जैसे अजवह, जाहदी, हलावी, हयाती, मजाफाती और फातमी इत्यादि।

सभ्यता को संवारा खजूर ने

वैज्ञानिकों के अनुसार खजूर की खेती आठ हजार साल पूर्व दक्खिन इराक में शुरू की गई थी। उस समय दुनिया में कहीं भी फलदार पौधों की खेती का विचार तक नहीं था, इसीलिए समझा जाता है कि सभ्यता के बनाने और संवारने में जितना दखल खजूर का है, किसी और पौधे का नहीं है। अरबों में एक पुरानी कहावत थी कि साल में जितने दिन होते हैं, उतने ही खजूर के प्रयोग और फायदे हैं और वास्तविकता भी कुछ ऐसी ही लगती है। एक तरफ उसकी लकड़ी इमारत और फर्नीचर बनाने के काम आती है तो दूसरी ओर उसकी पत्तियों से बेशुमार चीजें तैयार की जाती हैं। खजूर की गुठलियां जानवरों के लिए उचित चारा हैं और उसके फल मनुष्य के लिए अति श्रेष्ठ आहार हैं। उसकी आहार में उपयोगिता का अनुमान उसके रसायनिक भाग से किया जा सकता है, क्योंकि उसमें लगभग साठ प्रतिशत इनवर्ट शुगर और सुक्रोज के अलावा स्टार्च, प्रोटीन सेलुलोज और फैट विभिन्न मात्रा में उपलब्ध है। इसके अलावा इसमें विटामिन-बी और विटामिन-ली भी पाए जाते हैं। इसके खनिज पदार्थ भाग भी महत्वपूर्ण हैं। यानी सोडियम, कैल्शियम, सल्फर, क्लोरीन, फास्फोरस और आयरन। आहार से भरपूर इन खजूर के फलों से शर्बत, सिरका, मिठाइयां, शकर और एक प्रकार का शीरा तैयार किया जाता है जो शहद के समान होता है।

यह है सलाह

बुखारी शरीफ की एक हदीस के अनुसार हजरत मोहम्मद साहब ने रोजाना सुबह को सात खजूरें खाने की सलाह दी है। उन्होंने फरमाया है-सुबह नहार मुंह खजूरें (तमर) खाया करो कि ऐसा करने से पेट के कीड़े मर जाते हैं। बरनी खजूर एक उत्तम दवा है। खजूर खाने से कुलंज यानी आंतों की पीड़ा नहीं होती। नहार मुंह खाने से यह जहरों का तिरयाक यानी काट है। उजवा खजूर जन्नत से है। रात का खाना हरगिज न छोड़ों, चाहे एक मुट्ठी खजूर ही खा लो। रात का खाना छोड़ने से बुढ़ापा तारी होता है। जिस घर में खजूर हो उस घर वाले भूखे नहीं होते। जिसने सुबह मदीने की सात खजूरें (उजवा) खा लिया, वह उस दिन भर जहर और जादू से सुरक्षित रहेगा।

अनेक गुणों से भरपूर है बैंगन

बैंगन एक बहुत ही पौष्टिक सब्जी है लेकिन कुछ लोग इसे बिना गुण वाली सब्जी मानते हैं। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से एक है और बैंगन की सब्जी नहीं खाते हैं तो आज हम आपको अवगत करवाते हैं बैंगन के ऐसे गुणों से जिन्हें जानने के बाद आपकी गलतफहमी दूर हो जाएगी।

दिल के लिए: धमनियों की दीवारों में कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम हो जाता है। यहां तक की खून की नसों में भी खून ठीक प्रकार से बहने लगता है।

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करता है: बैंगन के सेवन से रक्त में बैंगन के सेवन से रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर गिरता है। बैंगन में पोटेशियम व मैंगनीशियम की अधिकता। बैंगन की पत्तियों के रस का सेवन करने से भी रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम किया जा सकता है।

संक्रमण से मुक्ति: बैंगन में विटामिन सी बहुत अच्छी मात्रा में है जो प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाता है और शरीर को संक्रमण से मुक्त रखने में मदद करता है।

वेट लॉस: यह आहार चर्बी को जलाता है और कैलोरी कम करता है। इसमें फाइबर होता है जिसको खाने से पेट भर जाता है और जल्द भूख नहीं लगती, तो ऐसे में वजन भी कम होता है।

धूमपान छोड़ने में मददगार: प्राकृतिक तरीके से धूम्रपान छोड़ना चाहते हैं तो डाइट में बैंगन का सेवन अधिक करें। निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी के तहत इसमें मौजूद निकोटिन की सीमित मात्रा धूम्रपान छोड़ने वाले लोगों के लिए मददगार हो सकती है।

दांत का दर्द: बैंगन का रस दांत के दर्द में लाभदायक प्रभाव दिखलाता है। अस्थमा के उपचार के लिए बैंगन की जड़ें प्रयुक्त की जाती हैं।

रक्त की कमी: आदिवासी चुल्हे पर भुने हुए बैंगन में थोडी सी शक्कर डालकर सुबह खाली पेट खाने की सलाह देते हैं, उनका मानना है कि ऐसा करने से शरीर में रक्त की कमी दूर हो जाती है।

पेट की बीमारी में: बैंगन का सूप तैयार किया जाए जिसमें हींग और लहसून भी स्वाद के अनुसार मिलाया जाए और सेवन किया जाए तो यह पेट फूलना, गैस, बदहज़मी और अपचन जैसी समस्याओं में काफी राहत देता है।

कैंसर से बचाए: इसमें एक तत्व पाया जाता है जो कि शरीर में कैंसर की सेल से लड़ने में सहायक होता है। अगर आप हर रोज बैंगन खाएंगे तो आपका शरीर कैंसर से लड़ने के लिए मजबूत हो जाएगा। यह खासकर पेट के कैंसर से लड़ने में सहायक है।

अच्छी त्वचा: बैंगन त्वचा को हाइड्रेट करता है और अंदर से नमी प्रदान करता है। तो अगर आपके बाल और त्वचा रुखे-सूखे है तो आप बैंगन खाना शुरु कर दीजिए।

दिमाग के लिए: इस पेड़ में जो न्यूट्रियन्ट्स पाए जाते हैं वह हमारे दिमाग के लिए बहुत ही अच्छे होते हैं। यह किसी भी प्रकार के नुक्सान से हमारी कोशिका की झिल्ली को बचाते हैं। यह दिमाग को फ्री रैडिक्ल से बचाता है और ब्रेन का विकास करता है।

मधुमेह से लड़े: हाई फाइबर और कम कार्बोहाइड्रेट के तत्व होने के कारण यह मधुमेह रोगियों के लिये बहुत अच्छा आहार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)